E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 114 | प्रयागराज, गुरूवार 13 अगस्त, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प के सलाहकार बोले- भारतीयों ने सोशल मीडिया पर गालियां दीं,रूसी तेल के मामले में भारत को घेरा था, कहा- अमेरिका में ऐसा नहीं होता

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने दावा किया कि भारत के रूस से तेल खरीदने की आलोचना करने के बाद सोशल मीडिया पर उन्हें गालियां दी गईं। उन्होंने वॉशिंगटन में मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'मैंने रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत की एनर्जी पॉलिसी पर एक आर्टिकल लिखा था। इसमें भारत के रूसी तेल खरीदने की आलोचना की गई थी। इसके पब्लिश होने के बाद मुझे सोशल मीडिया पर भारतीय यूजर्स की आलोचना झेलनी पड़ी।' पीटर नवारो ट्रम्प के सलाहकार- 'पूरा भारत इंटरनेट पर मेरे खिलाफ टूट पड़ा। मुझ पर तीखे हमले किए गए, गलत टिप्पणियां की गईं। मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि ऐसा मत कीजिए। अमेरिका में हम इस तरह मतभेद नहीं सुलझाते।' नवारो का यह बयान ऐसे समय आया है, जब रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत और अमेरिका के बीच मतभेद चल रहे हैं। दरअसल, फरवरी 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस ने अपना कच्चा तेल सस्ती कीमत पर बेचना शुरू कर दिया। भारत ने इसका फायदा उठाते हुए रूस से बड़ी मात्रा में तेल खरीदना शुरू कर दिया।

अमेरिका और कई पश्चिमी देशों का कहना है कि भारत जितना ज्यादा रूसी तेल खरीदता है, रूस को उतने ज्यादा पैसे मिलते हैं। जंग में वह यही पैसा खर्च करता है। नवारो भी पहले कई बार कह चुके हैं कि भारत, रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदता है, उसे अपनी रिफाइनरियों में पेट्रोल और डीजल जैसे उत्पादों में बदलता है और फिर दूसरे देशों को बेच देता है। हालांकि, भारत का कहना है कि वह अपने लोगों को सस्ता और पर्याप्त ईंधन उपलब्ध कराने के लिए अपनी जरूरत और राष्ट्रीय हित के हिसाब से तेल खरीदता है। नवारो बोले- मोदी-ट्रम्प मिलकर टैरिफ का मुद्दा सुलझा लेंगे-नवारो ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प और पीएम मोदी के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। दोनों नेता रूसी तेल से जुड़े 100फीसदी टैरिफ के मुद्दे को आपस में सुलझा लेंगे। दरअसल, 31 जुलाई को अमेरिकी सीनेट ने 86-11 के बहुमत से भारत समेत 5 देशों पर 100फीसदी तक का टैरिफ लगाने वाला बिल पास कर किया था। हालांकि, अभी ये कानून नहीं बना है। अभी इसे अमेरिकी संसद के निचले सदन यानी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में भेजा जाएगा। बिल के मुताबिक भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान पर 100फीसदी टैरिफ लगाया जा सकता है। इसका मकसद रूस की तेल से होने वाली कमाई को कम करना है, ताकि उसकी युद्ध लड़ने की क्षमता कमजोर हो सके। पहले 500फीसदी टैरिफ का प्रस्ताव था- 23 जुलाई को रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100फीसदी तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा गया था। बिल के शुरुआती मसौदे में 500फीसदी टैरिफ लगाने का प्रस्ताव था, हालांकि बाद में इसे घटाकर 100फीसदी कर दिया गया। भारत ने जून 2026 में रूस से रिकॉर्ड 26.1 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल खरीदा, जो देश के कुल तेल आयात का 52.4फीसदी था। यानी पिछले महीने भारत में आयात होने वाले हर दो बैरल तेल में एक से ज्यादा बैरल रूस से आया। रूस लगातार भारत का सबसे बड़ा तेल सप्लायर बना हुआ है। मई के मुकाबले जून में रूस से तेल आयात में करीब 39फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

ट्रम्प ने माना- ईरान के डर से प्लेन बदलना पड़ा,हमला होता तो एयरफोर्स वन पर होता,छिपकर दूसरे विमान तक पहुंच

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मान लिया है कि उन्होंने पिछले महीने तुर्किए में ईरान के डर से प्लेन बदला था। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वे जिस प्लेन से नाटो समिट में हिस्सा लेने गए थे उस पर हमले का सबसे ज्यादा खतरा था। ट्रम्प ने यह भी बताया कि उन्हें सुरक्षा कारणों से एयरपोर्ट के केटरिंग ट्रक में बैठाकर दूसरे विमान तक ले जाया गया। ट्रम्प ने कहा- 'अगर कोई हमला होता तो उसी प्लेन को निशाना बनाया जाता। मैं वही करता हूं, जो सुरक्षा एजेंसियां कहती हैं। मुझे लगातार धमकियां मिलती रहती हैं।' कतर के गिफ्ट किए प्लेन में बैठकर गए, मिलिट्री प्लेन से लौटे-इससे पहले वॉशिंगटन पोस्ट ने दावा किया था कि 8 जुलाई को अंकारा से रवाना होते समय ट्रम्प कैमरों के सामने बोइंग 747-8 एयर फोर्स वन में सवार हुए थे। यह विमान उन्हें कतर ने गिफ्ट किया था। इसके बाद एयरपोर्ट पर सामान और

खाना पहुंचाने वाली केटरिंग गाड़ी की मदद से उन्हें चुपचाप अमेरिकी वायुसेना के वीआईपी सैन्य विमान सी-32ए तक ले जाया गया। मीडिया को भी नहीं पता था कि ट्रम्प दूसरे विमान में हैं-अमेरिकी राष्ट्रपति जब भी किसी दौरे पर जाते हैं, तो उनके साथ कुछ पत्रकार भी यात्रा करते हैं। सुरक्षा कारणों से हर जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाती, लेकिन इन पत्रकारों को इतना जरूर पता होता है कि राष्ट्रपति किस विमान में हैं और कहां जा रहे हैं। तुर्किये से उड़ान भरते समय पत्रकारों को लगा कि ट्रम्प भी उसी पुराने एयर फोर्स वन में हैं, लेकिन हकीकत अलग थी। उड़ान के दौरान पत्रकारों को अपनी खिड़कियों के शेड नीचे रखने को कहा गया।

यानी उन्हें बाहर देखने की इजाजत नहीं थी। ऐसी सावधानी आमतौर पर तब बरती जाती है, जब विमान किसी खतरे वाले इलाके से गुजर रहा हो। बाद में पत्रकारों ने ट्रम्प से पूछा कि खिड़कियों के शेड बंद रखने को क्यों कहा गया था। ट्रम्प ने कहा, 'शायद हम एक खतरनाक फ्लाइट पर थे। उनकी सूची में सबसे ऊपर मेरा नाम है। अगर मैं मरूंगा, तो आप भी मरेंगे।'ट्रम्प वाला छोटा विमान पहले ब्रिटेन पहुंचा-ट्रम्प को लेकर छोटा सी-32ए विमान रात करीब 10:20 बजे ब्रिटेन के आरएएफ मिल्डेनहॉल एयरबेस पहुंचा।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

ब्रिटेन में कट्टरपंथी नेता के सामने कूड़ेदान वाला उम्मीदवार,अजीबोगरीब वादों से सुर्खियां बटोर रहा, कहा- हर वोटर को सस्ता घर दूंगा

लंदन। ब्रिटेन में इन दिनों एक ऐसा उम्मीदवार चर्चा में है, जो कहना है कि चुनाव का नतीजा कुछ भी हो, जीत उसी की मानी जाएगी।

चुनाव प्रचार के दौरान कूड़ेदान जैसी पोशाक पहनता है और खुद को एलियन बताता है। काउंट बिनफेस नाम के ये उम्मीदवार क्लैक्टन उपचुनाव में रिफॉर्म यूके के कट्टरपंथी नेता नाइजेल फराज के खिलाफ मैदान में हैं। काउंट बिनफेस का वह अपने अजीबोगरीब वादों की वजह से भी खूब चर्चा में है। वे हर नागरिक को सस्ता घर देने का वादा कर रहे हैं। कॉपीराइट को लेकर विवाद हुआ, फिर नाम पड़ा काउंट बिनफेस- काउंट बिनफेस का किरदार 46 वर्षीय लेखक और कॉमेडियन जॉन हार्वे निभाते हैं। वे काउंट बिनफेस नाम से कई बार चुनाव लड़ चुके हैं। हार्वे ने पहली बार 2017 के ब्रिटिश आम चुनाव में लॉर्ड बकेटहेड नाम से तत्कालीन पीएम थेरेसा मे के खिलाफ चुनाव लड़ा था। इस नाम को लेकर कॉपीराइट विवाद हो गया। दरअसल, लॉर्ड बकेटहेड भी एक व्यंग्यात्मक काल्पनिक किरदार है। यह काले रंग की टोपी पहनता है जो कि बाल्टी जैसा दिखता है। सबसे पहले 1987 में माइक ली नाम के एक शख्स ने लॉर्ड बकेटहेड नाम से यह चुनाव लड़ा था।इसके बाद हार्वे को लॉर्ड बकेटहेड नाम छोड़ना पड़ा। इसके बाद हार्वे ने काउंट बिनफेस किरदार को 2018 में चुनाव से कुछ महीने पहले लॉन्च किया। काउंट बिनफेस नाम का मतलब क्या है- यह नाम 2 शब्दों से मिलकर बना है।

काउंट, बिनफेस। काउंट राजशाही से जुड़ी एक उपाधि है। जैसे कि लॉर्ड, अर्ल या बैरन भी एक उपाधि है।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

मोदी ने कहा- रील्स के दौर में शॉर्टकट न अपनाएं,जेन-जी को दूसरों के संघर्षों से सीखना चाहिए

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की बायोग्राफी लॉन्च की

नयी दिल्ली। पीएम मोदी ने बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ

कोविंद की बायोग्राफी 'ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिकः माय लाइफ, माय स्ट्रगल्स' लॉन्च की। इस दौरान उन्होंने युवाओं से दूसरों के संघर्षों से सीखने और आत्मकथाएं पढ़ने की अपील की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा- आज रील्स का दौर है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर आपको कहीं और ले जाते हैं, लेकिन इस दौर में भी रेलवे स्टेशनों पर लिखी बात याद रखें कि शॉर्टकट न अपनाएं। शॉर्टकट आपको छोटा कर देगा। पीएम ने कहा- कोविंद के जीवन से कई बातें सीखने लायक, 5 मुख्य बातें-कोविंद का जीवन दिखाता है कि दृढ़ संकल्प से कोई व्यक्ति मुश्किलों को पार कर देश के सबसे बड़े संवैधानिक पद तक पहुंच सकता है। कोविंद की आत्मकथा भारतीय लोकतंत्र की विरासत बनेगी और नई पीढ़ी इससे बहुत कुछ सीख सकती है। राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद कोविंद रुके नहीं हैं और वन नेशन, वन इलेक्शन हल पर काम कर रहे हैं। आत्मकथा पढ़ने से उस दौर को समझने का मौका मिलता है, जिसे लेखक ने खुद जिया है। हमें भविष्य में कोविंद जैसे और युवा चाहिए। ऐसे लोग, जो परिस्थितियों से हार न मानें और हर चुनौती का सामना करने का दृढ़ संकल्प रखें। आत्मकथा का नाम बिल्कुल सही है। कोविंद का जीवन और संघर्ष भले ही निजी थे, लेकिन उन संघर्षों की जीत भारतीय लोकतंत्र की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी- 'रामनाथ कोविंद ने आग की एक घटना में अपनी मां को खो दिया था। यह दुख उन्हें तोड़ सकता था, लेकिन उन्होंने इसे अपनी ताकत में बदला।' कोविंद बोले- मैंने गांव से बहुत कुछ सीखा-मैं उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात के एक गांव से आता हूं। मेरे घर की छत से बारिश का पानी अंदर टपकता था। आज करोड़ों गरीब परिवारों को सरकारी आवास योजनाओं के तहत पक्की छत मिली है, जिससे उन्हें सम्मान के साथ रहने का अवसर मिला है। पीएम मोदी के साथ बातचीत और आम कार्यकर्ताओं से जुड़ने की उनकी क्षमता ने भी मुझे प्रभावित किया। मैंने बीजेपी से इसलिए जुड़ना चुना, क्योंकि पार्टी वंशवाद और समुदाय से ऊपर राष्ट्र को प्राथमिकता देती है।

रूस की तरफ से मध्यस्थ बनेंगे पूर्व चीफ जस्टिस चंद्रचूड़, यूक्रेन के सरकारी बैंक से चल रहा विवाद

नई दिल्ली। रूस ने भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ को यूक्रेन के सरकारी बैंक ओश्चादबैंक से जुड़े एक अंतरराष्ट्रीय निवेश विवाद में अपना मध्यस्थ बनाया है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक,

यह मामला यूक्रेन और रूस के बीच 1998 में हुए द्विपक्षीय निवेश समझौते के तहत चल रहा है। ओश्चादबैंक का कहना है कि 2022 में रूस के यूक्रेन पर हमले की वजह से उसे दोनेत्स्क, लुहांस्क, खेरसॉन और जापोरिज्जिया क्षेत्रों में अपनी संपत्तियां और कारोबार गंवाना पड़ा। इन इलाकों में ओश्चादबैंक की बैंक शाखाएं, एटीएम, दफ्तर, जमीन, और दूसरे कारोबारी संसाधन थे। रूस के कब्जे के बाद बैंक इन संपत्तियों का इस्तेमाल नहीं कर सका। कई शाखाएं बंद हो गईं और बैंक का कारोबार ठप पड़ गया। बैंक के मुताबिक, इससे उसे भारी नुकसान हुआ। इस ही वजह से बैंक ने कई सौ मिलियन डॉलर का दावा किया है। तीन सदस्यीय ट्रिब्यूनल करेगा सुनवाई-बैंक ने जुलाई 2025 में रूस को विवाद का नोटिस भेजा था। रूस की ओर से जवाब नहीं मिलने पर उसने अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की प्रक्रिया शुरू कर दी। इस मामले की सुनवाई तीन सदस्यीय ट्रिब्यूनल करेगा।डीवाई चंद्रचूड़ः भारत के 50वें मुख्य न्यायाधीश रह चुके हैं। इस मामले में रूस की ओर से नियुक्त मध्यस्थ हैं। स्टावरोस ब्रेकूलाकिसः ग्रीस के दुनिया के जाने-माने अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थ हैं। इस मामले में यूक्रेन के सरकारी बैंक ओश्चादबैंक की ओर से नियुक्त मध्यस्थ हैं। डायला जिमेनेजः कोस्टारिका की पूर्व व्यापार मंत्री हैं। वे तीन सदस्यीय ट्रिब्यूनल की अध्यक्ष हैं। उन्हें रूस और ओश्चादबैंक, दोनों पक्षों ने मिलकर चुना है। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ से पहले भी भारत के सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के कई पूर्व जज अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता और ट्रिब्यूनल में अहम जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। पहले रूस के दो प्रस्तावों को ठुकरा चुके थे चंद्रचूड़- रूस इससे पहले भी डीवाई चंद्रचूड़ को दो बड़े अंतरराष्ट्रीय निवेश विवादों में अपनी ओर से मध्यस्थ बनाना चाहता था। रिपोर्ट के मुताबिक, पहला मामला जर्मनी की ऊर्जा कंपनी विंटरशाल डीया से जुड़ा था। इस कंपनी ने रूस पर आरोप लगाया था कि यूक्रेन युद्ध के बाद उसकी रूस में मौजूद गैस और तेल प्रोजेक्ट्स पर कब्जा कर लिया गया, जिससे उसे भारी आर्थिक नुकसान हुआ। दूसरा मामला यूक्रेन की सरकारी बिजली ट्रांसमिशन कंपनी उक्रएनरगो का था। कंपनी का आरोप है कि रूस के कब्जे वाले इलाकों में उसकी बिजली से जुड़ी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया गया या उन पर कब्जा कर लिया गया। इन दोनों मामलों में रूस ने डीवाई चंद्रचूड़ से अपनी ओर से मध्यस्थ बनने का अनुरोध किया था। हालांकि, उन्होंने यह जिम्मेदारी स्वीकार नहीं की थी। अब तक दोनों मामलों का अंतिम नतीजा नहीं आया है। अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता क्या है? जब दो देशों की कंपनियों या किसी देश और विदेशी कंपनी के बीच कारोबार या निवेश को लेकर बड़ा विवाद हो जाता है, तो वे हर बार अदालत नहीं जाते। कई बार दोनों पक्ष मिलकर कुछ विशेषज्ञ चुनते हैं। यही विशेषज्ञ दोनों पक्षों की बात सुनते हैं और फैसला देते हैं। इसे अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता कहा जाता है। इसे आसान उदाहरण से समझिए-मान लीजिए दो कंपनियों के बीच करोड़ों रुपये का विवाद हो गया। अगर वे कोर्ट जाएंगी, तो फैसला आने में कई साल लग सकते हैं। इसलिए दोनों मिलकर कुछ निष्पक्ष विशेषज्ञ चुन लेती हैं। ये विशेषज्ञ दोनों पक्षों की बात सुनते हैं और तय करते हैं कि किसका दावा सही है। यह अदालत से कैसे अलग है? अदालत में सरकारी जज फैसला देते हैं। अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता में दोनों पक्ष अपनी सहमति से विशेषज्ञ चुनते हैं। अदालत की सुनवाई अक्सर सार्वजनिक होती है, जबकि मध्यस्थता की प्रक्रिया आमतौर पर निजी रहती है। कई मामलों में मध्यस्थता से अदालत की तुलना में कम समय में फैसला मिल जाता है। भारत से जुड़े दो चर्चित ट्रिब्यूनल मामले-1. केयर्न एनर्जी बनाम भारत क्या मामला था? ब्रिटेन की कंपनी केयर्न एनर्जी ने 2006 में भारत में अपने कारोबार में कुछ बदलाव किए थे। उस समय सरकार ने इस पर कोई टैक्स नहीं लगाया। लेकिन 2012 में भारत सरकार ने नया टैक्स कानून बनाया और कहा कि यह कानून पुराने सौदों पर भी लागू होगा।

पीएम ने प्रियंका से पूछा- कैसी हैं आप? खड़गे के जवाब पर लगे ठहाके, सुप्रिया सुले की बेटी के रिसेप्शन में पहुंचे थे नेता

नयी दिल्ली। पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह समेत सत्ता

पक्ष और विपक्ष के कई नेता सोमवार को एनसीपी (शरद गुट) सांसद सुप्रिया सुले की बेटी रेवती सुले की शादी के रिसेप्शन में पहुंचे। इस दौरान पीएम मोदी, राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे साथ नजर आए। पीएम ने प्रियंका से पूछा- प्रियंका जी कैसी हैं आप? इस पर उन्होंने जवाब दिया- अच्छी हूं, आप कैसे हैं?' पीएम मोदी ने रिप्लाई किया- मैं तो वैसा ही हूं। इसी बीच मजाकिया लहजे में खड़गे ने कहा- थोड़ा बदल गए हो आप। खड़गे की यह बात सुन सभी लोग हंस पड़े। लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले की बेटी रेवती और कारोबारी सारंग लखानी की शादी जून में ही हो गई थी। लेकिन रिसेप्शन सोमवार शाम दिल्ली में हुआ। कार्यक्रम में शामिल

हुए मेहमानों की लिस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्यसभा सांसद सोनिया, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा, अभिनेता अमिताभ बच्चन, रणबीर कपूर, फरहान अख्तर, रवि किशन समेत कई हस्तियां शामिल हुईं। सारंग के पिता अरुण लखानी विश्वराज ग्रुप के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक हैं, और हाल ही में वह महाराष्ट्र विधान परिषद के लिए निर्विरोध चुने गए थे। वहीं, सारंग, विश्वराज ग्रुप के कार्यकारी निदेशक हैं। रेवती सुले ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पढ़ाई की है।

आर्कटिक में छिड़ेगी जंग? पुतिन ने एशिया में नाटो के विस्तार पर दी खुली धमकी, जापान को चेताया

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक बार फिर से नाटो के खिलाफ हमलावर हो गए हैं। पुतिन ने कहा है कि नाटो का

एशिया-प्रशांत क्षेत्र में विस्तार हो रहा है। इस इलाके में हथियारों की तैनाती से रूस की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो गया है। पुतिन ने कहा कि जापान ने अवैध तरीके से रूस के खिलाफ प्रतिबंध लगाया है और उसने यूक्रेन विवाद के मुख्य कारण को हल नहीं किया। रूस जापान को अपने लिए खतरा नहीं मानता है और मास्को का जापान के खिलाफ कोई दावा भी नहीं है। पुतिन ने यह भी कहा कि पश्चिमी देश रूसी व्यवसायिक जहाजों को जब्त करते हैं तो रूस इसका करारा जवाब देगा।रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि नाटो के एशिया और प्रशांत क्षेत्र में विस्तार से आर्कटिक इलाके में तनाव गरमा रहा है। पुतिन ने यूरोपीय संघ के देशों पर आरोप लगाया कि वे रूस के व्यापारिक जहाजों को जब्त करके पायरेसी कर रहे हैं। पुतिन ने अपने एक भाषण में नाटो के एशिया-प्रशांत क्षेत्र में विस्तार और आर्कटिक में बढ़ रहे तनाव दोनों पर अलग-अलग बात की। पुतिन का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब जापान में अमेरिका ने अपनी खतरनाक मिसाइलें तैनात की हैं। जापान ने अमेरिका से टॉमहॉक क्रूज मिसाइल भी खरीदी है। नाटो की परीक्षा लेना चाहते हैं पुतिन! पुतिन का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब अमेरिकी खुफिया एजेंसी के आकलन में यह संकेत दिया गया है कि पुतिन नाटो की परीक्षा लेने के लिए आने वाले समय में नाटो के किसी सदस्य देश पर सीमित हमला कर सकते हैं। इसमें कहा गया है कि यह नाटो देश पर साइबर हमला से लेकर सीमित सैन्य घुसपैठ तक हो सकता है। अमेरिकी खुफिया अनुमान के मुताबिक इसके जरिए पुतिन नाटो के आर्टिकल 5 की परीक्षा ले सकते हैं। इसमें कहा गया है कि एक देश पर हमला दूसरे देश पर हमला माना जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके जरिए पुतिन यह देखेंगे कि नाटो क?स तरह की प्रतिक्रिया देता है। माना जा रहा है कि बाल्टिक देश या पोलैंड को रूस निशाना बना सकता है।

इमरान खान जिंदा हैं, पाकिस्तानी आर्मी ने किया कंफर्म, मौत का दावा करने वाला पत्रकार भी पलटा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के मौत की अफवाह पर पाकिस्तानी सेना ने दुर्लभ बयान जारी किया है। पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग

इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशन (आईएसपीआर) ने कहा है कि इमरान खान जिंदा हैं और अदियाला जेल में बंद हैं। उनका यह बयान तब आया है, जब पाकिस्तान के एक वरिष्ठ पत्रकार वजाहत सईद खान ने दावा किया था कि इमरान खान अब उनके बीच नहीं हैं। हालांकि, अब पत्रकार ने भी अपने दावे से पलटी मार ली है और कहा है कि उन्होंने सिर्फ आशंका जताई थी, मौत की पुष्टि नहीं की थी। वजाहत सईद खान ने क्या कहा था? वजाहत सईद खान ने पहले अपने दावे की पुष्टि के लिए रावलपिंडी में स्थित पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय (जीएचक्यू) में तैनात कम से कम तीन वरिष्ठ सैन्य अफसरों का हवाला दिया है। उन्होंने दावा किया है कि 'तीन वरिष्ठ सैन्य सूत्रों ने उन्हें बताया कि उनका मानना ??है कि इमरान की जेल में मौत हो गई होगी।' हालांकि, यह पहला मौका नहीं है, जब इमरान खान के मौत की अफवाह फैल रही है। वजाहत सईद खान कौन हैं? वजाहत सईद खान पाकिस्तानी सेना के करीबी पत्रकारों में गिने जाते हैं। उन्हें इमरान खान समर्थक पत्रकार भी माना जाता है। वह एमी पुरस्कार के लिए नामांकित हो चुके हैं और वर्तमान में पाकिस्तान में जेल की सजा से बचने के लिए अमेरिका में रहते हैं। वजाहत का यह दावा एक बेहद संवेदनशील समय पर सामने आया है। मंगलवार को इमरान खान के परिवार और उनकी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के सहयोगियों ने पूर्व प्रधानमंत्री के स्वास्थ्य को लेकर चिंताओं के बीच उनसे मिलने से रोके जाने की शिकायत की। 20 लाख इमरान खान समर्थक सड़कों पर उतरेंगे-इमरान खान के मौत की अफवाह के बीच खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री और पीटीआई नेता सोहेल अफरीदी ने दावा किया है कि '20 से अधिक लोग सड़कों पर उतरने के लिए तैयार हैं।

Gem of आधुनिक समाचार 2026-पुरस्कार समारोह हेतु परिचय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। डॉ. नम्रता

जायसवाल एक समर्पित दंत चिकित्सक, समाजसेवी एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सक्रिय व्यक्तित्व हैं। पिछले 17 वर्षों से वे लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाने और समाज की सेवा करने के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। वे Maruti Dental Clinic की संचालिका हैं तथा BDS एवं PGDO (Orthodontics) की योग्यताएँ रखती हैं। चिकित्सा सेवा के साथ-साथ वे सामाजिक एवं जनकल्याण के कार्यों में भी सक्रिय रूप से योगदान देती हैं। वे महिला व्यापार मंडल की सदस्य हैं तथा Inner Wheel Club 'Navya' की अध्यक्ष (2025-26) रह चुकी हैं। इसके साथ ही वे Vandana Child Care Trust से जुड़कर बच्चों के कल्याण एवं सामाजिक सेवा के कार्यों में अपना योगदान दे रही हैं। महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य सेवा, बाल कल्याण एवं समाजसेवा के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता उन्हें सम्मान एवं पुरस्कार की एक योग्य और प्रेरणादायी शख्सियत बनाती है।

युवाओं को स्वरोजगार एवं उद्यमिता से जोड़ने के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप का आयोजन संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जनपद में युवाओं एवं

भावी उद्यमियों को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करने तथा शासन की विभिन्न योजनाओं का प्रभावी लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से उद्यमी लांच पैड, एमएसएमई उत्तर प्रदेश के अंतर्गत एक दिवसीय कैपेसिटी

बिल्डिंग वर्कशॉप-।एवं वर्कशॉप-छ का आयोजन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गोरा बाजार, रायबरेली में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता द्वारा किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि अधिक से अधिक बेरोजगार युवक-युवतियां मुख्यमंत्री युवा योजना (सी.एम. युवा) का लाभ उठाकर स्वरोजगार से जुड़ें। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि छोटे ऋण से भी अनेक लोग जनपद में अपने व्यवसाय के माध्यम से विशिष्ट पहचान बना रहे हैं। कार्यशाला में सी.एम. युवा, एम.वाई.एस.वाई., ओ.डी.ओ.पी., ओ.डी.ओ.सी. एवं एमएसएमई पॉलिसी सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने, ऋण आवेदन प्रक्रिया, व्यवसाय पंजीकरण, डिजिटल मार्केटिंग एवं उद्यम स्थापना से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का विशेषज्ञों एवं अधिकारियों द्वारा समाधान किया गया तथा आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य युवाओं को स्वरोजगार एवं उद्यमिता के अवसरों से जोड़ना तथा शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाना रहा। कार्यक्रम में उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र, अग्रणी जिला प्रबंधक, प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, निदेशक यूनियन बैंक आरसेटी, सहायक आयुक्त उद्योग, विशेषज्ञ समाधान समिति, चार्टर्ड अकाउंटेंट, कौशल विकास मिशन, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर, वरिष्ठ प्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक, जिला प्रबंधक कौशल विकास मिशन सहित विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारी, बैंक अधिकारी, स्टेकहोल्डर्स, एमएसएमई विभाग के अधिकारी, युवा भावी उद्यमी, लाभार्थीगण एवं जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र के कर्मचारी उपस्थित रहे।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। पुलिस उपायुक्त नगर द्वारा आज दिनांक-12.08.2026 को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गयीं तथा उनके समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते हुए 04 अभियुक्त थाना मुट्ठीगंज पुलिस द्वारा गिरफ्तार, कब्जे से 52 ताश के पत्ते, मालफड़ से 2000/- रूपये नकद व जामा तलाशी से 600/- रुपये नकद बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। थाना मुट्ठीगंज द्वारा आज दिनांक 12.08.2026

मुखबिर की सूचना पर ओम नमः शिवाय मन्दिर थाना क्षेत्र मुट्ठीगंज से 04 अभियुक्तों 1. बाबी निषाद पुत्र बादल निषाद निवासी 375/182 कटघर थाना मुट्ठीगंज जनपद प्रयागराज, 2.राज निषाद उर्फ शनि पुत्र हरिश्चन्द्र निवासी 182 मल्लाही बस्ती कटघर थाना मुट्ठीगंज जनपद प्रयागराज, 3. दीपक साहू पुत्र रामाषीश साहू निवासी 180/373 कटघर थाना मुट्ठीगंज जनपद प्रयागराज, 4. दीपक निषाद पुत्र रमेशचन्द्र निषाद निवासी 341 मीरापुर थाना अतरसुइया जनपद प्रयागराज को सार्नजनिक स्थान पर हार जीत की बाजी लगाकर जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया गया व उनके कब्जे से 52 ताश के पत्ते, मालफड से 2000/- रुपये नकद व जामा तलाशी से 600/- रुपये नकद (कुल 2600/- रुपये) बरामद किया गया। गिरफ्तारी /बरामदगी के आधार पर थाना मुट्ठीगंज में मु0अ0सं0 66/2026 धारा 13 सार्वजनिक जुआ अधिनियम पंजीकृत किया गया। अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। पंजीकृत अभियोग का विवरण- मु0अ0सं0 66/2026 धारा 13 सार्वजनिक जुआ अधिनियम थाना मुट्ठीगंज कमिश्नरेट प्रयागराज। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण- 1. बाबी निषाद पुत्र बादल निषाद निवासी 375/182 कटघर थाना मुट्ठीगंज जनपद प्रयागराज उम्र करीब 25 वर्ष। 2. राज निषाद उर्फ शनि पुत्र हरिश्चन्द्र निवासी 182 मल्लाही बस्ती कटघर थाना मुट्ठीगंज जनपद प्रयागराज उम्र करीब 38 वर्ष। 3. दीपक साहू पुत्र रामाषीश साहू निवासी 180/373 कटघर थाना मुट्ठीगंज जनपद प्रयागराज उम्र करीब 22 वर्ष। 4. दीपक निषाद पुत्र रमेशचन्द्र निषाद निवासी 341 मीरापुर थाना अतरसुइया जनपद प्रयागराज उम्र करीब 29 वर्ष। बरामदगी का विवरण- 52 ताश के पत्ते ,मालफड से 2000/- रुपये नकद व जामा तलाशी से 600/- रुपये (कुल 2600-/ रुपये) नकद बरामद किया गया। आपराधिक इतिहास-अभियुक्त बाबी निषाद उपरोक्त-1.मु0अ0सं0 272/2019 धारा 13 सार्वजनिक जुआ अधिनियम थाना मुट्ठीगंज कमिश्नरेट प्रयागराज। 2.मु0अ0सं0 46/2022 धारा 13 सार्वजनिक जुआ अधिनियम थाना मुट्ठीगंज कमिश्नरेट प्रयागराज। 3.मु0अ0सं0 68/2023 धारा 13 सार्वजनिक जुआ अधिनियम थाना मुट्ठीगंज कमिश्नरेट प्रयागराज।अभियुक्त दीपक साहू उपरोक्त- मु0अ0सं0 98/2024 धारा 13 सार्वजनिक जुआ अधिनियम थाना मुट्ठीगंज कमिश्नरेट प्रयागराज। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम- 1. उ0नि0 मनोज कुमार सिंह, थाना प्रभारी मुट्ठीगंज कमिश्नरेट प्रयागराज। 2. उ0नि0 ऋषभ कुमार चौकी प्रभारी गऊघाट, थाना मुट्ठीगंज कमिश्नरेट प्रयागराज। 3. उ0नि0 कुन्दन लाल गौतम, थाना मुट्ठीगंज कमिश्नरेट प्रयागराज। 4. उ0नि0 निर्मल कुमार शर्मा, थाना मुट्ठीगंज कमिश्नरेट प्रयागराज। 5. हे0का0 कृष्णानन्द यादव, थाना मुट्ठीगंज कमिश्नरेट प्रयागराज। 6. रि0का0 अतुल कुमार, थाना मुट्ठीगंज कमिश्नरेट प्रयागराज।

कुलाबा समितियों की निर्वाचक नामावली के आलेख्य का अनंतिम प्रकाशन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/अधिशासी अभियंता, शारदा सहायक खण्ड-45, रायबरेली रमाशंकर राय ने बताया कि चुनाव अधिकारी एवं मुख्य अभियंता (शारदा सहायक), सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के क्रम में शारदा सहायक खण्ड-45, रायबरेली के अंतर्गत नहरों की कुलाबा समितियों के पूर्व में हुए चुनाव के समय तैयार निर्वाचक नामावली का अनंतिम प्रकाशन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संबंधित निर्वाचक नामावली निरीक्षण के लिए फुरसतगंज नहर कोठी तथा जिलेदारी परशदेपुर नहर कोठी, परशदेपुर में उपलब्ध रहेगी। इसमें डीह रजबहा के किमी 0.000 से 36.500 के मध्य के कुलाबे एवं उनसे निकलने वाली समस्त अल्पिकाओं के कुलाबे तथा दौतरा, ताजपुर, नसीराबाद एवं मऊ रजबहा के कुलाबे शामिल हैं। वहीं डीह रजबहा के किमी 36.500 से 70.524 के मध्य के कुलाबे एवं उनसे निकलने वाली समस्त अल्पिकाओं के कुलाबे तथा सिरसी एवं उदयपुर रजबहा के कुलाबे एवं उनसे निकलने वाली समस्त अल्पिकाओं के कुलाबे भी नामावली में सम्मिलित हैं। उन्होंने बताया है कि निर्वाचक नामावली में किसी नाम को सम्मिलित किए जाने के संबंध में दावा, सम्मिलित किसी नाम पर आपत्ति अथवा किसी विवरण के संबंध में अपील हो तो संबंधित व्यक्ति 11 अगस्त से 22 अगस्त 2026 तक निर्धारित परिशिष्ट-19, 20 अथवा 21 के उपयुक्त प्रारूप में अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में हर घर तिरंगा और नशा मुक्ति रैली का भव्य आयोजन राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्याल

प्रयागराज। देश की 79वीं स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में राष्ट्रीय भावना और सामाजिक जागरूकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। उच्च शिक्षा अनुभाग-3, उत्तर प्रदेश शासन के पत्र के अनुपालन में विश्वविद्यालय की समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में हर घर तिरंगा अभियान 2026 के अंतर्गत तिरंगा यात्रा एवं नशा मुक्ति जागरूकता रैली का सफल आयोजन किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर से हुई। हाथों में तिरंगा लिए छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों का जुलूस पूरे जोश के साथ मिलन चौक से होता हुआ गंगा परिसर में सम्पन्न हुआ। वातावरण देशभक्ति के नारों और वंदे मातरम् के गीतों से गूंज उठा। इस गरिमामय कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य सत्यकाम ने की। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. एस कुमार, मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो. सत्यपाल तिवारी, शिक्षा विद्याशाखा के निदेशक प्रो. पी. के. स्टालिन, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की प्रभारी प्रो.

मीरा पाल और ऑनलाइन एजुकेशन के निदेशक प्रो. ए. के. मलिक ने भी सहभागिता की। इसके अतिरिक्त डॉ. सुनील कुमार, प्रो. आनंदानंद त्रिपाठी, प्रो. संजय कुमार सिंह, डॉ. त्रिविक्रम तिवारी, डॉ. दीपिशिखा श्रीवास्तव, डॉ. सुभाष चन्द्र पाल, श्री राजेश सिंह, डॉ. सोहिनी देवी, कामना यादव, डॉ. राजन प्रकाश, डॉ. आकांक्षा गुप्ता, श्री कुमार अनूप सहित सभी विद्याशाखाओं के शिक्षकगण, शोध छात्र-छात्राएं एवं विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ इस यात्रा में भाग लिया।रैली का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य युवाओं और समाज में नशे के विरुद्ध जागरूकता फैलाना था। इसी क्रम में नशा मुक्ति जागरूकता रैली भी निकाली गई। रैली के दौरान छात्र-छात्राओं ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर प्रभावशाली नारे लगाए। प्रमुख नारे थे - जन-जन का है यही पुकार, नशा मुक्त हो हर परिवार और जन-जन का है यही संदेश, नशा मुक्त हो अपना देश। इन नारों ने आम नागरिकों को भी आकर्षित किया और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली-अपनाने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि पूरे परिवार और समाज को तोड़ता है। इसलिए विश्वविद्यालय ने शासन के अभियान को गंभीरता से लेते हुए इसे जन-आंदोलन का रूप देने का प्रयास किया है। आयोजन सचिव डॉ. योगेश कुमार यादव ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से छात्रों में राष्ट्रीय एकता, अनुशासन और सामाजिक दायित्व की भावना विकसित होती है। कुलपति आचार्य सत्यकाम ने अपने संबोधन में कहा कि हर घर तिरंगा केवल एक अभियान नहीं, बल्कि देशभक्ति को जीवन में उतारने का संकल्प है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहकर देश के निर्माण में अपना योगदान दें। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने भी अनुशासन और राष्ट्रसेवा पर बल दिया। सम्पूर्ण कार्यक्रम अनुशासित, उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायक रहा।

विश्वविद्यालय परिवार ने यह संकल्प लिया कि वे न केवल शैक्षणिक क्षेत्र में, बल्कि सामाजिक जागरूकता के कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभाते रहेंगे।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत निकली भव्य तिरंगा रैली,डीएम सरनीत कौर ब्रोका ने राजकीय इंटर कॉलेज से हरी झंडी दिखाकर रैली को किया रवाना

लगभग 1500 छात्र-छात्राओं ने लिया उत्साहपूर्वक भाग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत आज जिला प्रशासन द्वारा भव्य 'तिरंगा रैली' का आयोजन किया गया। रैली को जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने राजकीय इंटर कॉलेज से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने स्वयं हाथ में तिरंगा लेकर रैली में प्रतिभाग किया। मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता एवं जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह ने भी हाथ में तिरंगा लेकर रैली में सहभागिता की। तिरंगा रैली में राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, महात्मा गांधी इंटर कॉलेज, वैदिक इंटर कॉलेज एवं आचार्य द्विवेदी इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इसके साथ ही राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज एवं महात्मा गांधी इंटर कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स ने भी अनुशासित ढंग से रैली में सहभागिता की। रैली में लगभग 1500 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर राष्ट्रप्रेम एवं देशभक्ति का संदेश दिया। तिरंगा रैली राजकीय इंटर कॉलेज से प्रारंभ होकर जिला अस्पताल, खालसा चौक, सुपर मार्केट, घंटाघर, कोतवाली एवं कचहरी होते हुए

पुनः राजकीय इंटर कॉलेज परिसर में आकर सम्पन्न हुई। रैली के दौरान छात्र-छात्राओं एवं एनसीसी कैडेट्स ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति का संदेश दिया और वातावरण को राष्ट्रभक्ति की भावना से ओत-प्रोत कर दिया। रैली के माध्यम से जनपदवासियों को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, राष्ट्रप्रेम एवं राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया गया। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की सहभागिता ने कार्यक्रम को भव्य एवं प्रभावशाली स्वरूप प्रदान किया। जिला प्रशासन द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत जनभागीदारी को बढ़ावा देने तथा प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रप्रेम एवं राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना को और सुदृढ़ करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर संबंधित अधिकारीगण, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं, एनसीसी कैडेट्स सहित अन्य संबंधित कार्मिक उपस्थित रहे।

क्रिस्टी मेमोरियल स्कूल के छात्र ने जीता स्वर्ण सीबीएसई ईस्ट जोनल चौंपियनशिप में उत्सव राही ने निशानेबाजी में किया कमाल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। क्रिस्टी मेमोरियल स्कूल एंड कॉलेज के कक्षा दसवीं के होनहार छात्र उत्सव राही ने अल्पना श्रीवास्तव ने छात्र को संयुक्त रूप से बधाई दी और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस

सुल्तानपुर के मिलेनियम वर्ल्ड स्कूल में आयोजित सीबीएसई ईस्ट जोनल चौंपियनशिप में अपनी अचूक निशानेबाजी से सफलता का परचम लहराया। उत्सव राही ने 10 मीटर एयर पिस्टल (पुरुष व्यक्तिगत वर्ग) में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता में उत्सव ने असाधारण एकाग्रता और समर्पण का परिचय देते हुए 400 में से 381 अंक का बेहतरीन स्कोर हासिल किया। उनकी इस ऐतिहासिक सफलता से क्रिस्टी स्कूल सहित प्रयागराज जनपद में हर्ष का माहौल है। उत्सव की इस स्वर्णिम सफलता पर विद्यालय के चेयरमैन श्री विनोद बी. लाल, प्रधानाचार्य श्री गौरव दीप और उप-प्रधानाचार्या श्रीमती समारोह 1 5 अगस्त को उत्सव राही को इस उपलब्धि के लिये सम्मानित किया जायेगा।

श्री विनोद बी. लाल ने शिक्षकों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि उनके अथक प्रयास एवं कठिन परिश्रम से क्रिस्टी मेमोरियल स्कूल ग्रामीण क्षेत्र में गुणवत्तापरक शिक्षा के साथ छात्र-छात्राओं का सर्वांगीर्ण विकास कर रहा है। प्रधानाचार्य श्री गौरव दीप ने कहा कि उत्सव राही के कड़े परिश्रम ने आज पूरे स्कूल का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है,

तथा उप-प्रधानाचार्या श्रीमती अल्पना श्रीवास्तव ने उम्मीद जताई कि वे आगे चलकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी देश व स्कूल का नाम रोशन करेंगे।

पत्नी की मौत के बाद मासूम बच्ची को सीने से लगाए इंसाफ की लड़ाई लड़ रहा दीनानाथ नाज हॉस्पिटल की चिकित्सकीय व्यवस्था

प्रयागराज। करेली के 60 फीट रोड स्थित नाज हॉस्पिटल में प्रसव के बाद पत्नी की मौत से टूटे जौनपुर निवासी दीनानाथ मौर्य अब अपनी मासूम बेटी को गोद में लेकर इंसाफ की लड़ाई लड़ रहे हैं। बुधवार को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब के नारद सभागार में पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने नाज हॉस्पिटल की चिकित्सकीय व्यवस्था, अस्पताल के मानकों और वहां इलाज करने वाली चिकित्सक की शैक्षिक योग्यता एवं डिग्री की जांच कराने की मांग की।दीनानाथ मौर्य ने बताया कि उनकी पत्नी गर्भवती थीं। सामान्य प्रसव की उम्मीद में वह 25 अक्टूबर 2025 को पहली बार नाज हॉस्पिटल पहुंचे थे। इसके बाद जुलाई 2026 तक उनकी पत्नी का इलाज वहीं चलता रहा। उनका आरोप है कि 17 जुलाई को वह पत्नी को लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां सामान्य प्रसव से बच्ची का जन्म हुआ। लेकिन प्रसव के बाद पत्नी की हालत बिगड़ने लगी। उनका आरोप है कि उस समय अस्पताल में कोई विशेषज्ञ चिकित्सक मौजूद नहीं- था। पत्नी दर्द से कराहती रहीं और चिकित्सक को बुलाने के बावजूद तत्काल उपचार नहीं मिल सका। बाद में सुबह करीब छह बजे चिकित्सक के पहुंचने और मरीज को आईसीयू में ले जाने की बात कही गई, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ। इसके बाद उन्हें एंबुलेंस से दूसरे अस्पताल ले जाने को कहा गया।दीनानाथ का दावा है कि जब वह पत्नी को लेकर दूसरे अस्पताल पहुंचे तो वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया और बताया कि उनकी मृत्यु कई घंटे पहले ही हो चुकी थी। इसके बाद वह पत्नी का शव लेकर वापस नाज हॉस्पिटल पहुंचे, जहां हंगामा हुआ और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दीनानाथ मौर्य की आवाज में पत्नी को खोने का दर्द साफ झलकता है। उन्होंने कहा कि जिस बच्ची को दुनिया में लाने के लिए वह और उनकी पत्नी महीनों से इंतजार कर रहे थे, उसी बच्ची के जन्म के बाद उसकी मां हमेशा के लिए उससे दूर हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि सामान्य प्रसव के नाम पर उनसे करीब 51 हजार रुपये लिए गए। उनका कहना है कि उन्हें पैसे का नहीं, अपनी पत्नी और अपनी मासूम बच्ची की मां के चले जाने का गम है। होकर कहा कि आज उनकी गोद में बच्ची तो है, लेकिन उसे मां का प्यार देने वाली उसकी मां नहीं है। बच्ची बड़ी होगी तो वह उससे उसकी मां के बारे में क्या कहेंगे–यह सवाल उन्हें भीतर से तोड़ रहा है। उनका कहना है कि एक महिला की मौत केवल एक व्यक्ति की मौत नहीं होती, उसके साथ पूरा परिवार बिखर जाता है और बच्चों का जीवन भी बदल जाता है। दीनानाथ के मुताबिक घटना के बाद उन्होंने पुलिस से शिकायत की, लेकिन उनकी रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई। उन्हें मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में शिकायत करने और जांच के बाद कार्रवाई की बात कही गई। इसके बाद उन्होंने अपने अधिवक्ता के माध्यम से सीएमओ से शिकायत की। उन्होंने बताया कि शिकायत के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी की ओर से मामले की जांच के लिए मेडिकल बोर्ड गठित किया गया है। अब उनकी निगाह जांच रिपोर्ट पर टिकी है। दीनानाथ मौर्य ने मांग की कि नाज हॉस्पिटल की मान्यता, चिकित्सकीय सुविधाओं, विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता, प्रसव के दौरान मौजूद स्टाफ और इलाज की पूरी प्रक्रिया की जांच कराई जाए। साथ ही जिस चिकित्सक पर वह इलाज में लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं, उनकी शैक्षिक योग्यता और चिकित्सकीय डिग्री की भी संबंधित विभाग से जांच कराई जाए।

राजधानी में सेक्स रैकेट चलाने वाली विदेशी लोला पकड़ी गई,पुलिस को 1 साल चकमा दिया

लखनऊ। लखनऊ में सेक्स रैकेट चलाने वाली उज्बेकिस्तान की लोला कायूमोवा (50) आखिरकार पकड़ी गई। वह एक

साल से लखनऊ पुलिस को चकमा दे रही थी। पुलिस ने उसे मंगलवार रात (11 अगस्त) ओमेक्स आर-2 बिल्डिंग में छापेमारी कर पकड़ा और खुफिया एजेंसी को सौंप दिया। लखनऊ पुलिस ने पिछले साल उसके रैकेट

से जुड़ी 2 युवतियों को गिरफ्तार किया था। दोनों उज्बेकिस्तान की रहने वाली थीं। पूछताछ में लोला का नाम सामने आया था। इसके बाद से ही वह अंडरग्राउंड हो गई थी। जांच में सामने आया था कि लोला ने जवान दिखने के लिए चेहरे, होंठ, अंडरआर्म्स और प्राइवेट पार्ट की 7 बार प्लास्टिक सर्जरी कराई थी। ये सभी सर्जरी लखनऊ के डॉ. विवेक गुप्ता ने की थीं। अब सिलसिलेवार तरीके से पूरा मामला समझिए- लखनऊ के ओमेक्स हजरतगंज अपार्टमेंट में 21 जून 2025 को पुलिस को सेक्स रैकेट चलने की सूचना मिली थी। छापेमारी में उज्बेकिस्तान की होलिडा और नीलोफर को गिरफ्तार किया गया। दोनों यहां अवैध रूप से रह रही थीं। पुलिस की जांच में सामने आया था कि फ्लैट डॉक्टर विवेक गुप्ता का है। लोला इन दोनों युवतियों को भारत लेकर आई थी। होलिडा और नीलोफर ने पूछताछ में बताया था कि लोला कायूमोवा के जरिए उनकी मुलाकात पत्रकारपुरम और अहिमामऊ में मिनर्वा क्लीनिक

चलाने वाले डॉ. विवेक गुप्ता से हुई थी। डॉ. विवेक गुप्ता ने दोनों की प्लास्टिक सर्जरी की थी। लखनऊ में ठिकाना, दिल्ली तक सर्विस-पुलिस सूत्रों के मुताबिक, लोला ने भारत आने के लिए सितंबर 2013 में पासपोर्ट बनवाया था। पुलिस की जांच में सामने आया था कि लोला और डॉ. विवेक की मुलाकात थाईलैंड में हुई थी। इसके बाद विवेक ही लोला को भारत लेकर आया था। शुरुआत में उसने दिल्ली-एनसीआर में ठिकाना बनाया। वहां एजेंटों के जरिए सेक्स रैकेट से जुड़ गई। इसके बाद लखनऊ में केरल के वरेनम निवासी कथित पत्रकार त्रिजिन से उसकी जान-पहचान हुई। 2014 में वह लखनऊ आ गई। त्रिजिन की मदद से स्पा सेंटर में काम करना शुरू किया। इसके बाद त्रिजिन के साथ लिव-इन में ओमेक्स आर-1 के फ्लैट नंबर 104 में रहने लगी। धीरे-धीरे उसने खुद का सेक्स रैकेट बना लिया। इस दौरान लोला को समझ आया कि भारत में विदेशी युवतियों की मांग है। उसने इसे अपने रैकेट का तरीका बना लिया। वह युवतियों को भारत बुलाकर अपने सेक्स रैकेट में शामिल करने लगी। उसने उज्बेकिस्तान की युवतियों से संपर्क किया और उन्हें भारत में अच्छा पैसा कमाने का लालच दिया। उसका रैकेट लखनऊ से दिल्ली तक चलता था। वह लड़कियों को लखनऊ और दिल्ली-एनसीआर के स्पा सेंटर, होटल और फ्लैट में भेजती थी। रैकेट से जुड़ी लड़कियों से लोला कमीशन लेती थी। इससे उसने मोटी कमाई की। इसी पैसे से उसने ओमेक्स आर-1 में फ्लैट नंबर 1103 खरीद लिया था। डॉ. विवेक करता था रैकेट से जुड़ी लड़कियों की प्लास्टिक सर्जरी- पुलिस के मुताबिक, डॉ. विवेक भी रैकेट का सक्रिय सदस्य बन गया। वह रैकेट से जुड़ी लड़कियों की प्लास्टिक सर्जरी करता था, ताकि उनका लुक रशियन जैसा दिखे और वे कम उम्र की नजर आएं। कई सालों से अलग-अलग राज्यों में छिपकर रह रही थी- विवेचना और एफआरओ से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने ताशकंद, उज्बेकिस्तान निवासी 45 वर्षीय लोला क्यूमोवा पुत्री अलिमद जमोवना को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में उसने बताया कि वीजा और पासपोर्ट की अवधि समाप्त होने के बाद भी वह कई साल से भारत के अलग-अलग राज्यों और जिलों में छिपकर रह रही थी। आरोप है कि उसने नियमों के विपरीत आधार कार्ड, पैन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस समेत अन्य दस्तावेज भी बनवा रखे थे। महिला ने अपने गैंग में कई अन्य लोगों के शामिल होने और उनके सहयोग से अवैध गतिविधियां संचालित करने की जानकारी दी है। अलग-अलग राज्यों में देह व्यापार कराने का आरोप-पुलिस का दावा है कि पूछताछ में महिला ने अलग-अलग राज्यों और जिलों में देह व्यापार कराने की बात भी बताई। उसके साथ कई अन्य महिलाओं के भी इस नेटवर्क में शामिल होने की जानकारी सामने आई है। महिला के मोबाइल फोन से कई अन्य साक्ष्य भी मिले हैं। पुलिस इन साक्ष्यों के आधार पर गैंग से जुड़े अन्य सदस्यों की पहचान और उनकी भूमिका की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, लखनऊ में उसके राजाजीपुरम और सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में अलग-अलग पते भी सामने आए हैं।

ऊर्जा राज्य मंत्री के नेतृत्व में सेक्टर 115 में गूंजे देशभक्ति के तराने,'योगी-मोदी राज में निडर होकर व्यापार कर रहे व्यापारीः कैलाश सिंह राजपूत'

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा, व्यापारियों ने ऊर्जा राज्य मंत्री को सौंपा ज्ञापन,बिजली समस्याओं के निस्तारण का मिला आश्वासन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को

सेक्टर 115 स्थित उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश कार्यालय में देशभक्ति का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। उत्तर प्रदेश सरकार के ऊर्जा राज्य मंत्री कैलाश सिंह राजपूत के मुख्य आतिथ्य में ढोल-नगाड़ों की थाप पर भव्य 'तिरंगा यात्रा' निकाली गई। कार्यालय पहुंचने पर व्यापारियों एवं संगठन के पदाधिकारियों ने राज्य मंत्री का फूल-माला पहनाकर और पटका ओढ़ाकर भव्य अभिनंदन किया। '2017 से पहले भय का माहौल था, अब विदेशी निवेश से चमक रहा प्रदेश'-व्यापारियों को संबोधित करते हुए ऊर्जा राज्य मंत्री कैलाश सिंह राजपूत ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को संभालने में व्यापारी वर्ग की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है।

'योगी और मोदी सरकार में व्यापारी पूरी तरह निडर होकर काम कर रहा है। 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में व्यापारियों में भय का माहौल था, लेकिन आज स्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। अब व्यापारी एकजुट होकर और भारी विदेशी निवेश के साथ प्रदेश के विकास में भागीदार बन रहे हैं।' – कैलाश सिंह राजपूत, ऊर्जा राज्य मंत्री, उत्तर प्रदेश उन्होंने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश तेजी से देश का सबसे सुरक्षित और समृद्ध राज्य बनने की दिशा में अग्रसर है। 'तिरंगा हमारी आन-बान-शान है': महेश चौहान-कार्यक्रम में उपस्थित नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान ने व्यापारियों को

संबोधित करते हुए कहा कि सरकार हमेशा व्यापारियों के हितों की रक्षा करने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान है तथा हम सभी को एकजुट होकर इस पावन तिरंगा यात्रा में सम्मिलित होना चाहिए। महेश चौहान ने उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल द्वारा व्यापारियों के हित में किए जा रहे सामाजिक व संगठनात्मक कार्यों की भूरि-भूरि सराहना की। इस अवसर पर उनके साथ पूरे मंडल की टीमें भी व्यापार मंडल के कार्यालय में प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। शहीदों को दी श्रद्धांजलि, लगाए गगनभेदी नारे-संबोधन के बाद ऊर्जा राज्य मंत्री ने तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया। ढोल-नगाड़ों के साथ निकली इस यात्रा में मंत्री स्वयं पैदल चले और हाथों में राष्ट्रीय ध्वज थामकर 'भारत माता की जय', 'जय हिंद' और 'वंदे मातरम' के नारे लगाए। उन्होंने कहा कि आज हम जिस स्वतंत्रता का आनंद ले रहे हैं, वह अमर शहीदों और वीर सपूतों के अनगिनत बलिदानों की बदौलत है। विद्युत समस्याओं के समाधान हेतु सौंपा ज्ञापन-कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने ऊर्जा राज्य मंत्री का स्वागत किया। उन्होंने क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति से जुड़ी विभिन्न समस्याओं से अवगत कराते हुए मंत्री को एक ज्ञापन सौंपा। विकास जैन ने कहा कि व्यापारी वर्ग सरकार के साथ मिलकर समस्याओं के निस्तारण के लिए तत्पर है। इस पर राज्य मंत्री ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि ज्ञापन में उठाई गई सभी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाएगा और भविष्य में क्षेत्र में किसी प्रकार की विद्युत कटौती या तकनीकी समस्या नहीं आने दी जाएगी। कार्यक्रम में शहर के गणमान्य व व्यापारी रहे मौजूद-तिरंगा यात्रा और स्वागत समारोह में प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन, प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष अमर सिंह चौहान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहनलाल गुप्ता, महामंत्री राजेश जिंदल, प्रदेश मंत्री सुनील सिंघानिया, शक्ति सिंह, अमित गोयल, शिवा चौहान, श्रीमती नेहा जैन, श्रीमती चारु जैन, मशहूर उद्योगपति पीयूष त्रिपाठी, पीजी एसोसिएशन से नितिन अग्रवाल, अजय सोनी, निशांत सारस्वत, आशुतोष, दीपक मस्ताना, जयंत झा, कुलदीप सिंह, रोशनी सिंह, आरती कोचर, लालिमा सिंह एवं रामकिशन यादव सहित सैकड़ों व्यापारी और शहर के नागरिक तिरंगा थामे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सपा नोएडा महानगर ने नोएडा में अवैध यूनिपोल के खिलाफ खोला मोर्चा, नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाजवादी पार्टी नोएडा

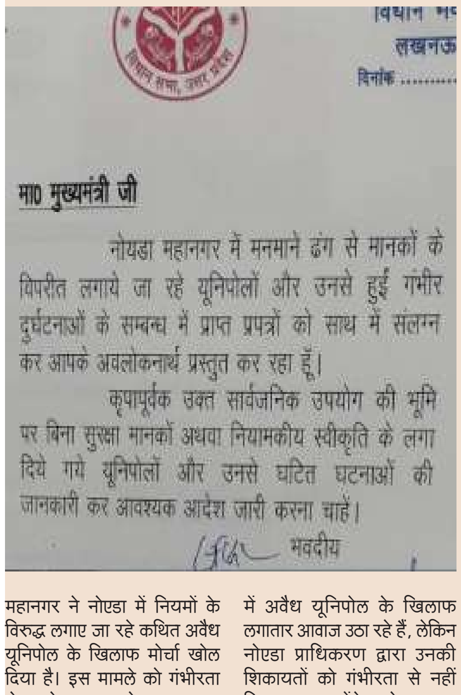

विधान स…
लखनऊ
दिनांक ....

मा0 मुख्यमंत्री जी

नोयडा महानगर में मनमाने ढंग से मानकों के विपरीत लगाये जा रहे यूनिपोलों और उनसे हुई गंभीर दुर्घटनाओं के सम्बन्ध में प्राप्त प्रपत्रों को साथ में संलग्न कर आपके अवलोकनार्थ प्रस्तुत कर रहा हूँ।

कृपापूर्वक उक्त सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर बिना सुरक्षा मानकों अथवा नियामकीय स्वीकृति के लगा दिये गये यूनिपोलों और उनसे घटित घटनाओं की जानकारी कर आवश्यक आदेश जारी करना चाहें।

भवदीय

महानगर ने नोएडा में नियमों के विरुद्ध लगाए जा रहे कथित अवैध यूनिपोल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस मामले को गंभीरता से उठाते हुए सपा नोएडा महानगर के महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने नोएडा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कार्रवाई की मांग की है। महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा कि वह पिछले कई दिनों से नोएडा में अवैध यूनिपोल के खिलाफ लगातार आवाज उठा रहे हैं, लेकिन नोएडा प्राधिकरण द्वारा उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि अवैध यूनिपोल के कारण शहर में कई घटनाएं और दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, इसके बावजूद इनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि अवैध यूनिपोल लगाने की अनुमति देने वाले संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों और ठेकेदारों की भूमिका की जांच की जानी चाहिए। साथ ही, नियमों के विरुद्ध लगाए गए यूनिपोल को तत्काल हटाया जाना चाहिए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा कि जब नोएडा प्राधिकरण द्वारा उनकी शिकायतों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई, तो उन्होंने इस गंभीर मामले को उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री माता प्रसाद पांडेय जी के संज्ञान में लाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए नेता प्रतिपक्ष श्री माता प्रसाद पांडेय जी ने तत्काल इसका संज्ञान लिया और माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र लिखकर नोएडा में अवैध यूनिपोल के मामले में तत्काल आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की है। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर ने कहा कि शहर की जनता की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। पार्टी अवैध यूनिपोल के खिलाफ अपनी आवाज लगातार उठाती रहेगी और जब तक इस मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ निष्पक्ष जांच एवं कार्रवाई नहीं होती, तब तक इस मुद्दे को संबंधित अधिकारियों एवं सरकार के समक्ष मजबूती से उठाया जाएगा।

उत्तर प्रदेश- स्वतंत्रता दिवस के लिए जिले आवंटित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। उत्तर प्रदेश- स्वतंत्रता दिवस के लिए जिले आवंटित- सीएम योगी आदित्यनाथ लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता

करेंगे, डीसीएम केशव प्रसाद मौर्य- प्रयागराज में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे, डीसीएम ब्रजेश पाठक लखनऊ में आयोजित समारोह में शामिल होंगे,सुरेश कुमार खन्ना कैबिनेट मंत्री- शाहजहांपुर, भूपेंद्र चौधरी कैबिनेट मंत्री- मुरादाबाद, सूर्य प्रताप शाही कैबिनेट मंत्री-देवरिया, स्वतंत्र देव सिंह कैबिनेट मंत्री- गोरखपुर, बेबी रानी मौर्य कैबिनेट मंत्री-आगरा, लक्ष्मी नारायण चौधरी कैबिनेट मंत्री- मथुरा, जयवीर सिंह कैबिनेट मंत्री-मैनपुरी, धर्मपाल सिंह कैबिनेट मंत्री-बरेली, नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' कैबिनेट मंत्री-प्रतापगढ़, अनिल राजभर कैबिनेट मंत्री- वाराणसी, राकेश सचान कैबिनेट मंत्री-कानपुर देहात, अरविंद कुमार शर्मा कैबिनेट मंत्री-मऊ, योगेंद्र उपाध्याय कैबिनेट मंत्री-फिरोजाबाद, आशीष पटेल कैबिनेट मंत्री- मिर्जापुर, संजय निषाद कैबिनेट मंत्री-अंबेडकरनगर, ओम प्रकाश राजभर-कैबिनेट मंत्री-गाजीपुर, दारा सिंह चौहान कैबिनेट मंत्री- आजमगढ़, सुनील कुमार शर्मा कैबिनेट मंत्री-गाजियाबाद, अनिल कुमार कैबिनेट मंत्री-बिजनौर, मनोज पांडेय कैबिनेट मंत्री- रायबरेली, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)- मंत्री आवंटित जनपद नितिन अग्रवाल-हरदोई, कपिल देव अग्रवाल- मुजफ्फरनगर,रवींद्र जायसवाल- भदोही, संदीप सिंह-अलीगढ़, गुलाब देवी-संभल, गिरीश चंद्र यादव- जौनपुर, धर्मवीर प्रजापति-एटा, असीम अरुण- कन्नौज, जे.पी.एस. राठौर-झांसी, दयाशंकर सिंह- बलिया, नरेंद्र कुमार कश्यप- गौतमबुद्धनगर, दिनेश प्रताप सिंह- सुल्तानपुर, अरुण कुमार सक्सेना- लखीमपुर खीरी, डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु'-कौशाम्बी, अजीत सिंह पाल-औरैया, सोमेंद्र तोमर-मेरठ, राज्यमंत्री-मयंकेश्वर शरण सिंह- अमेठी, दिनेश खटीक-बुलंदशहर, संजीव गोंड-सोनभद्र, बलदेव सिंह औलख-रामपुर, जसवंत सिंह सैनी- शामली, रामकेश निषाद-बांदा, मनोहर लाल मन्नू कोरी- ललितपुर, संजय सिंह गंगवार-पीलीभीत, बृजेश सिंह-सहारनपुर, के.पी. मलिक-बागपत, सुरेश राही- बहराइच, प्रतिभा शुक्ला- कानपुर नगर, राकेश राठौर गुरु-सीतापुर, रजनी तिवारी- अयोध्या, सतीश चंद्र शर्मा-बाराबंकी,दानिश आजाद अंसारी-बस्ती, कृष्णा पासवान- फतेहपुर, विजय लक्ष्मी गौतम- संतकबीरनगर,कैलाश सिंह राजपूतफर्रुखबाद, सुरेंद्र दिलेर- हाथरस, हंसराज विवकर्मा चंदौली।

कर्नाटक सरकार का बड़ा फैसलाः गुटखा-पान मसाला पर एक साल का प्रतिबंध

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने

सार्वजनिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए राज्य में गुटखा, पान मसाला तथा तंबाकू और निकोटीन युक्त उत्पादों के निर्माण, भंडारण, परिवहन, वितरण और बिक्री पर एक वर्ष के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। यह आदेश राज्य के खाद्य सुरक्षा आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी किया गया है और तत्काल प्रभाव से लागू माना जा रहा है। सरकार का कहना है कि तंबाकू और निकोटीन युक्त उत्पादों के सेवन से स्वास्थ्य पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ते हैं। इसी को देखते हुए पूरे राज्य में इन उत्पादों पर सख्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया है। प्रतिबंध के दौरान गुटखा और पान मसाला बनाने, बेचने, रखने या परिवहन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि इससे पहले भी कर्नाटक सरकार तंबाकू और नशीले पदार्थों के खिलाफ सख्त रुख अपनाने के संकेत दे चुकी थी। अब एक साल के लिए लगाए गए इस प्रतिबंध को राज्य सरकार का बड़ा जनस्वास्थ्य कदम माना जा रहा है। मुख्य बिंदुः- गुटखा और पान मसाला पर एक वर्ष का प्रतिबंध। निर्माण, भंडारण, परिवहन, वितरण और बिक्री सभी पर रोक। तंबाकू और निकोटीन युक्त उत्पाद प्रतिबंध के दायरे में। उल्लंघन करने वालों पर कानूनी कार्रवाई होगी।

मैनपुरी में बड़ा हादसाः बारिश के दौरान भरभराकर गिरा दो मंजिला मकान, मलबे में लोगों के दबे होने की आशंका

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैनपुरी। जिले के कुरावली थाना

क्षेत्र के ग्राम सिढ़पुरा में मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच

गई जब हल्की बारिश के दौरान एक दो मंजिला पक्का मकान अचानक भरभराकर गिर गया। मकान गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर दौड़ पड़े और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों की मदद से मलबा हटाने का काम शुरू किया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मलबे में कुछ लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि प्रशासन की ओर से अभी तक किसी हताहत की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। मौके पर पुलिस, राजस्व विभाग और राहत-बचाव दल की टीमें मौजूद हैं। जेसीबी और अन्य संसाधनों की मदद से मलबा हटाया जा रहा है ताकि अंदर फंसे लोगों को सुरक्षित निकाला जा सके। बारिश के मौसम में जर्जर और कमजोर मकानों के गिरने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

हाल के वर्षों में मैनपुरी और आसपास के क्षेत्रों में भी भारी या लगातार बारिश के कारण मकान ढहने की कई घटनाएं दर्ज की गई हैं। फिलहाल पूरे गांव की निगाहें रेस्क्यू अभियान पर टिकी हैं और प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है।

मिशन शक्ति 5.0

हॉटस्पॉट और संत कीनाराम स्कूल में चला जागरूकता अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन को लेकर

जिलाधिकारी महोदय के निर्देशन में महिला कल्याण विभाग द्वारा बुधवार को मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम एवं औचक चेकिंग अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान टीम द्वारा राबट्र्सगंज क्षेत्र के रेलवे स्टेशन, रोडवेज, मंदिर एवं प्रमुख चौराहों पर आमजन को जागरूक किया गया। इस अवसर पर बताया गया कि संकट में फंसी महिला या भटका हुआ बच्चा मिलने पर तत्काल आपातकालीन सेवा-112, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 एवं महिला हेल्पलाइन-181 पर सूचना दें। इन हेल्पलाइन नंबरों के माध्यम से सुरक्षित स्थान, पुलिस सहायता, चिकित्सा, शेल्टर होम एवं कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसी क्रम में संत कीनाराम सीनियर सेकेंडरी स्कूल, राबट्र्सगंज में छात्र-छात्राओं के साथ विशेष जागरूकता गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में मिशन शक्ति, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान, पीसीपीएनडीटी अधिनियम की जानकारी के साथ-साथ वन स्टॉप सेंटर, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना एवं मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के लाभों के बारे में विस्तार से बताया गया। छात्र-छात्राओं को महिला एवं बालिकाओं के अधिकारों, सुरक्षित व्यवहार एवं आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित रहेः-चाइल्ड हेल्पलाइन के जिला समन्वयक श्री मुकेश कुमार सिंह, वन स्टॉप सेंटर प्रबंधक दीपिका सिंह, काउंसलर रेनू, साधना मिश्रा, ससुधा गिरी, सीमा शर्मा, श्री सत्यम चौरसिया, श्री नागेंद्र तथा हब फॉर इम्पावरमेंट टीम, वन स्टॉप सेंटर टीम एवं चाइल्डलाइन टीम के सदस्य। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों में सुरक्षा एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना का विकास होता है।

नेशनल हाईवे-30 पर वसूली और ठगी का आरोप, पुलिस से जांच की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। नेशनल हाईवे-30 पर

वाहनों से अवैध वसूली और ठगी किए जाने की शिकायत सामने आई है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि एक व्यक्ति, जिसका नाम अमित राय बताया जा रहा है, स्वयं को सिविल ड्रेस में पुलिसकर्मी बताकर वाहन चालकों से रु15,000 से रु20,000 तक की राशि वसूलता है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि उक्त व्यक्ति की गतिविधियों से मैहर जिले और पुलिस प्रशासन की छवि धूमिल हो रही है। मामले की सत्यता की पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने पर विधिसम्मत कार्रवाई की मांग की है।

घाघरी-बभनी मार्ग बदहाल, ग्रामीण कर रहे मरम्मत

सोनभद्र। घाघरी ग्राम पंचायत से बभनी बाजार को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग बारिश के कारण बदहाल हो गया है। सड़क पर बड़े गड्ढे, गीली मिट्टी और पानी जमा होने से ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में इस मार्ग पर कई सड़क हादसे हो चुके हैं। सड़क की इस बदहाली से परेशान होकर गुरुवार, 13 अगस्त को दर्जनों ग्रामीणों ने खुद सड़क मरम्मत का मोर्चा संभाला। उन्होंने हाथों में कुदाल और फावड़ा लेकर क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत शुरू की। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क निर्माण और मरम्मत की मांग लंबे समय से की जा रही है,

प्रभारी मंत्री हंसराज विश्वकर्मा की मौजूदगी में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, देशभक्ति के रंग में रंगा सोनभद्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। हर घर तिरंगा

अभियान के अंतर्गत जनपद सोनभद्र में आज भव्य तिरंगा यात्रा रैली का आयोजन किया गया। जनपद के प्रभारी मंत्री श्री हंसराज विश्वकर्मा, समाज कल्याण राज्य मंत्री श्री संजीव कुमार गौड़, माननीय विधायक श्री भूपेश चौबे, उत्तर प्रदेश जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष श्री जी. सिंह खरवार एवं भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नंदलाल गुप्ता सहित अन्य सम्मानित जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में तिरंगा यात्रा राजा शारदा महेश इंटर कॉलेज से प्रारंभ होकर शहीद स्थल पर पहुंचकर संपन्न हुई। तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं जनमानस ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। हाथों में तिरंगा लेकर निकले लोगों ने देशभक्ति के नारों के साथ वातावरण को राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत कर दिया। यात्रा के दौरान 'वंदे मातरम्' और 'भारत माता की जय' के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। घोरावल, दुद्धी एवं चोपन में भी निकली भव्य तिरंगा यात्रा-इसी क्रम में जनपद के घोरावल, दुद्धी एवं चोपन विकासखंडों में भी भव्य तिरंगा यात्राएं निकाली गईं। इन यात्राओं में सम्मानित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, युवाओं, विद्यार्थियों एवं आमजन ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की।

हाथों में तिरंगा लेकर लोगों ने राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का संदेश दिया। राष्ट्रप्रेम एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को मिला नया उत्साह- हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयोजित इन तिरंगा यात्राओं के माध्यम से नागरिकों को राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान, देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना के प्रति जागरूक किया गया।

जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी से पूरा सोनभद्र देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया।

इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग, लाखों का सामान जला

सोनभद्र। सोनभद्र के विंढमगंज बाजार स्थित श्रीराम इलेक्ट्रॉनिक्स गिफ्ट कॉर्नर में भोर के समय शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। इस घटना में दुकान में रखा दो लाख रुपये से अधिक का इलेक्ट्रॉनिक सामान और अन्य सामग्री जलकर राख हो गई। दुकान के मालिक मोनू जायसवाल घटना के समय शहर से बाहर थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, सुबह करीब सात बजे दुकान से धुआं निकलता देखा गया। तत्काल दुकान मालिक के परिजनों को सूचना दी गई। आसपास के लोगों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया और शटर खोलकर आग पर काबू पाया। दुकान के अंदर का दृश्य देखकर लोग दंग रह गए, क्योंकि अधिकांश इलेक्ट्रॉनिक

सामान आग की चपेट में आकर पूरी तरह नष्ट हो चुका था। रवि जायसवाल के चाचा ने बताया कि आग से करीब दो लाख रुपये से अधिक का सामान जलकर नष्ट हो गया है। दुकान के स्टाफ मनीष ने पुष्टि की कि प्रथम दृष्टया आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट ही है।

स्थानीय लोगों का अनुमान है कि आग भोर करीब चार बजे लगी थी। समय रहते आग की जानकारी मिलने और उस पर काबू पा लेने से एक बड़ा हादसा टल गया। यदि आग पर समय रहते नियंत्रण नहीं पाया जाता तो आसपास की अन्य दुकानें भी इसकी चपेट में आ सकती थीं। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। आग से हुए नुकसान को लेकर दुकान मालिक और उनके परिवार में चिंता का माहौल है।

कांवड़ यात्रियों की सुविधा के लिए जिला प्रशासन ने की व्यापक व्यवस्थाएं,घोरावल-शिवद्वार मार्ग पर आवागमन सुगम बनाने के लिए सड़क मरम्मत एवं लेपन कार्य जारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कांवड़ यात्रियों एवं

श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा शिवद्वार मंदिर एवं आसपास के क्षेत्रों में व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ के निर्देश पर संबंधित विभागों को व्यवस्थाओं को समय से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा मार्गों को बनाया जा रहा सुगम-लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) द्वारा घोरावल मार्ग से शिवद्वार मंदिर तक आने-जाने वाले कांवड़ यात्रियों के सुगम आवागमन के लिए मार्गों पर गिट्टी डालने एवं लेपन का कार्य कराया जा रहा है। सड़क की स्थिति को बेहतर बनाते हुए श्रद्धालुओं के सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवागमन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मंदिर परिसर एवं आसपास विशेष साफ-सफाई अभियान-जिला पंचायत राज विभाग द्वारा शिवद्वार मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। सफाई टीमों के माध्यम से नियमित साफ-सफाई, कूड़ा

निस्तारण एवं स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हो सके। श्रद्धालुओं के लिए मेला क्षेत्र में आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित-नगर पंचायत द्वारा भी मंदिर एवं मेला क्षेत्र के आसपास कांवड़ यात्रियों के आवागमन को सुगम बनाने तथा आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कार्य किया जा रहा है। मेला क्षेत्र में पूछताछ काउंटर सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। श्रद्धालुओं को आवागमन, ठहरने, स्वच्छता एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में जागरूक भी किया जा रहा है।

श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता-जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने कहा कि कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि मेला अवधि के दौरान व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी करते हुए श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न होने दी जाए।

छात्राओं एवं युवाओं को उनके संवैधानिक अधिकारों, कानूनी प्रक्रियाओं और निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं से अवगत कराया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उ0प्र0 राज्य विधिक

सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र के आदेशानुसार 'जागृति' (JAGRITI) योजना 2025 के तत्वावधान में आज दिनांक 12.08.2026 समय प्रातः 02:00 बजे 'अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस' के अवसर पर राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय (बालिका), उरमौरा जिला सोनभद्र में श्री राहुल सिविल जज सी0डि0/सचिव (पूर्णकालिक), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र द्वारा एक विशेष विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 'सशक्त युवा, सशक्त भारत' (Empowered Youth Stronger India) विषय पर आधारित इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं एवं युवाओं को उनके संवैधानिक अधिकारों, कानूनी प्रक्रियाओं और निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं से अवगत कराना रहा। राहुल सिविल जज सी0डि0/सचिव (पूर्णकालिक), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र ने कहा कि युवा देश की रीढ़ हैं और बालिकाओं का कानूनी रूप से जागरूक होना एक सशक्त समाज के निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक है। साथ ही बाल अधिकारों (POCSO), साइबर सुरक्षा, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव, किशोर न्याय (Juvenile Justice Act) तथा पहली बार कानून के संपर्क में आने वाले युवाओं के सुधार व पुनर्वास के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, महिलाओं और नाबालिगों के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र द्वारा मुफ्त कानूनी सलाह और सहायता उपलब्ध कराई जाती है। शिविर के अंत में छात्राओं की विभिन्न शंकाओं का समाधान किया गया तथा उन्हें कानून का पालन करने व किसी भी विपरीत परिस्थिति में बेझिझक विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या, समस्त शिक्षिकाएं, परा विधिक स्वयं सेवक/अधिकार मित्र भोलानाथ तथा 100 बालिकाएं उपस्थित रही।

शादीशुदा प्रेमिका को बुलाकर मारे 17 बार चाकू-मौत,शादी से इनकार पर वारदात, बुलंदशहर में गुस्साए घरवालों ने हाईवे जाम किया

बुलंदशहर। बुलंदशहर में 42 साल के प्रेमी ने 38 साल की प्रेमिका की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, प्रेमी ने महिला के सीने, गले और चेहरे पर चाकू से 17 वार किए। पुलिस पहुंची, तो वह प्रेमिका के शव के पास चुपचाप बैठा मिला। जांच में सामने आया कि प्रेमी शादीशुदा प्रेमिका पर शादी का दबाव बना रहा था, लेकिन वह इसके लिए राजी नहीं थी। मंगलवार रात 10 बजे प्रेमी ने प्रेमिका को घर बुलाया और अपने परिवार को छोड़कर शादी करने का दबाव बनाने लगा। प्रेमिका नहीं मानी, तो नाराज हो गया और उसे मार डाला। बुधवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव मिलने के बाद घरवालों ने दिल्ली-अलीगढ़ नेशनल हाईवे पर जाम लगा दिया। घरवाले प्रेमी का एनकाउंटर करने की मांग पर अड़े थे। करीब एक घंटे तक अफसर उन लोगों को समझाते रहे। फिर सीओ शोभित कुमार ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन देकर जाम खुलवाया। 1 घंटे बाद महिला का अंतिम संस्कार कर दिया गया। घटना जिला मुख्यालय से 25 किमी दूर खुर्जा नगर कोतवाली क्षेत्र की है। घर से 200 मीटर दूर रहता है प्रेमी-दिल्ली के प्रेमनगर की रहने वाली बेबी की 15 साल पहले बुलंदशहर के पंकज से शादी हुई थी। दोनों के 2 बेटे और 2 बेटियां हैं। उनकी उम्र 8 से 13 साल के बीच है। सभी शिवलोक कॉलोनी में रहते हैं। उनके घर से 200 मीटर दूर अजीत ठेकेदार (42) किराए के कमरे में रहता है। वह मूलरूप से नेहरूपुर गांव का रहने वाला है। खुर्जा में बर्तन बनाने वाली फैक्ट्री

में काम करता है। पुलिस के मुताबिक, अजीत की पत्नी 3 साल पहले उसे छोड़कर जा चुकी है। उसका बेटा भी उसके साथ नहीं रहता। अजीत बिल्कुल अकेला पड़ गया था। इसलिए वह बेबी से नजदीकियां बढ़ाने लगा। अक्सर बेबी का पीछा कर बातचीत करने की कोशिश करता था। धीरे-धीरे दोनों में बातचीत होने लगी। फिर दोस्ती हो गई। जल्द ही अफेयर शुरू हो गया। इसके बाद बेबी अक्सर अजीत के कमरे पर आने लगी। शादी का दबाव बनाया, तो प्रेमिका ने बात करना बंद किया-अजीत बेबी से शादी करना चाहता था, लेकिन वह तैयार नहीं थी। धीरे-धीरे बेबी ने उससे दूरियां बना लीं। अजीत से फोन पर बात करना और मिलना-जुलना भी बंद कर दिया। इससे नाराज अजीत ने उसकी हत्या करने का प्लान बनाया। पड़ोसियों ने बताया-मंगलवार रात अजीत के कमरे से शोर-शराबे की आवाज आ रही थी। इसके बाद हम लोगों ने पुलिस को सूचना दी। थोड़ी देर बाद पुलिस पहुंची और दरवाजा खुलवाया। वहां बेबी फर्श पर पड़ी थी। अजीत बगल में बैठा था। फर्श पर खून ही खून फैला था। पुलिस बेबी को अस्पताल ले जा रही थी, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। पति बोला-फैक्ट्री से लौटा तो हत्या का पता चला-बेबी के पति पंकज उर्फ भंते ने बताया- मैं मंगलवार को काम पर गया था। रात 11:30 बजे जब काम से लौटा, तो पत्नी घर पर नहीं मिली। बच्चों ने बताया कि वह अजीत अंकल के घर गई है। मैं अजीत के घर पहुंचा, तो पता चला कि उसने मेरी पत्नी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। मेरी पुलिस से अपील है कि अजीत के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए। नेशनल हाईवे पर 1 घंटे लंबा जाम लगा-प्रेमी अजीत पुलिस हिरासत में है, लेकिन बेबी के घरवाले और ग्रामीण उसका तुरंत एनकाउंटर करने की मांग को लेकर सड़कों पर उतर गए। सैकड़ों महिलाओं ने हाईवे को पूरी तरह से जाम कर दिया।

सोनभद्र को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग को लेकर जन अधिकार पार्टी ने सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) राबट्र्सगंज/सोनभद्र। जन

अधिकार पार्टी के जिलाध्यक्ष आदित्य मौर्य की अगुआई में एक प्रतिनिधि मंडल जिलाधिकारी कार्यालय सोनभद्र पहुंच जनपद सोनभद्र को सूखाग्रस्त जिला घोषित किए जाने कि मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी को सौंपा।वार्ता के दौरान प्रदेश प्रमुख महासचिव डॉ भागीरथी सिंह मौर्य ने कहा कि सोनभद्र में सामान्य से काफी कम बारिश होने के कारण अभी भी बड़े पैमाने पर धान की रोपाई बाकी है वही पानी के अभाव में धान की नर्सरी सूखकर खराब हो रही है ।

बारिश पर आधारित बांध व बंधियो की नहरें जहां लगती है, वहां स्टॉक पानी रहने की वजह से कुछ हद तक धान की खेती हुई है वो भी अब सूख रही है ऐसी दशा में जनपद सोनभद्र को तत्काल सूखाग्रस्त जिला घोषित किया जाए।

वाराणसी मंडल प्रभारी श्री सुमंत सिंह मौर्य ने कहा कि किसानों के सभी प्रकार के कर्ज माफ करते हुए आगामी फसल की खेती किसान आसानी से कर सके जिसके लिए अनुदान दिया जाए जो देशहित में होगा। प्रतिनिधि मंडल में जिला प्रभारी श्रीपति विश्वकर्मा, मंडल उपाध्यक्ष विजयमल मौर्य, जिला महासचिव रविरंजन शाक्य, जिला कोषाध्यक्ष मंगला प्रसाद मौर्य, बलिराम मौर्य प्रधान, मनोज मौर्य, चंद्रमा सिंह सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

रेनुकूट-पिपरी-मुर्धवा मार्केट क्षेत्र में बाल श्रम उन्मूलन हेतु जागरूकता एवं रेस्क्यू अभियान संचालित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी सोनभद्र

एवं उप श्रमायुक्त, मिर्जापुर क्षेत्र के निर्देशानुसार रेनुकूट-पिपरी-मुर्धवा मार्केट क्षेत्र में श्रम विभाग एवं Association for Voluntary Action के समन्वय से बाल श्रम उन्मूलन हेतु जागरूकता अभियान एवं रेस्क्यू ड्राइव संचालित किया गया। अभियान के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों एवं दुकानों का निरीक्षण करते हुए बाल एवं किशोर श्रम के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई। दुकानों के निरीक्षण में एक किशोर श्रमिक चिन्हित, रेस्क्यू कर कराया मुक्त-अभियान के दौरान विभिन्न दुकानों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच की गई, जिसमें एक किशोर श्रमिक की पहचान की गई। टीम द्वारा किशोर श्रमिक का रेस्क्यू कर उसे श्रम से मुक्त कराया गया तथा नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई एवं पुनर्वासन की प्रक्रिया शुरू की गई। अभियान के दौरान प्रतिष्ठान संचालकों को बाल एवं किशोर श्रम से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए बच्चों से श्रम न कराने के लिए जागरूक किया गया। व्यापार मंडल की बैठक में बाल श्रम मुक्त अभियान में सहयोग की अपील-अभियान के दौरान व्यापार मंडल की बैठक में भी प्रतिभाग किया गया। अधिकारियों द्वारा व्यापारियों से बाल श्रम मुक्त अभियान में सक्रिय सहयोग करने की अपील की गई। बाल श्रमिकों के चिन्हांकन, रेस्क्यू एवं पुनर्वासन की प्रक्रिया में प्रशासन एवं श्रम विभाग को आवश्यक सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया गया। बाल श्रम मुक्त क्षेत्र बनाने के लिए सामुदायिक सहभागिता पर जोर-अभियान का उद्देश्य रेनुकूट-पिपरी-मुर्धवा मार्केट क्षेत्र को बाल श्रम मुक्त बनाना तथा बच्चों के सुरक्षित, शिक्षित एवं बेहतर भविष्य के लिए सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करना है। अधिकारियों ने कहा कि बाल श्रम के विरुद्ध जागरूकता के साथ-साथ प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई भी लगातार जारी रखी जाएगी, ताकि बच्चों को शिक्षा एवं विकास के बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकें।

ट्रक से टकराई ट्रक-चालक घायल, स्कूटी सवार को बचाने में हादसा

सोनभद्र। बुधवार रात म्योरपुर थाना क्षेत्र के बीजपुर-

मुर्धवा मार्ग पर एक सड़क दुर्घटना में ट्रक चालक घायल हो गया। रनटोला के जमतिहवा नाला के पुलिया के पास एक खराब खड़ी ट्रक से पीछे से आ रही दूसरी ट्रक टकरा गई। हादसे में प्रयागराज के मोहेद्दीनपुर निवासी 60 वर्षीय ट्रक चालक अफसार अहमद पुत्र मुस्तफा घायल हो गए। पुलिस की मदद से उन्हें सीएचसी म्योरपुर में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक डॉ. पल्लवी सिन्हा ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। चालक अफसार अहमद ने बताया कि वह उड़ीसा से लोहे के तार का बंडल लेकर गाजियाबाद जा रहे थे। रनटोला के पास जमतिहवा नाला के पास पहुंचने पर सामने अचानक एक स्कूटी सवार आ गया। उसे बचाने के प्रयास में उनकी ट्रक सड़क किनारे खड़ी खराब ट्रक से टकरा गई। इस दुर्घटना में वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि ट्रक का सहचालक बाल-बाल बच गया।

स्पोर्ट्स

नुक्सान से पहले कराएं वाटरप्रूफिंग, क्या नए घर में भी कराना जरूरी, जानें सही तरीका और जरूरी सावधानियां

लखनऊ। मानसून जल्द ही केरल में दस्तक देने वाला है। लगभग 20 दिन बाद मध्य-उत्तर भारत में भी पहुंच जाएगा। अगर मानसून से पहले घर की देखभाल न करने पर छोटी दरारें, सीलन और लीकेज भी बड़ी समस्या बन सकती हैं। इसलिए घर की सुरक्षा के लिए समय रहते वाटरप्रूफिंग जरूरी है। कुछ लोग मानते हैं कि नए घरों में वाटरप्रूफिंग की जरूरत नहीं होती। लेकिन एक्सपर्ट्स के अनुसार, इससे छत, दीवार और बेसमेंट सुरक्षित रहते हैं। साथ ही घर की लाइफ भी बढ़ती है। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज वाटरप्रूफिंग की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- कैसे समझें कि घर में वाटरप्रूफिंग की जरूरत है? इस दौरान किन बातों का ध्यान रखें? इन्ही चीज़ो को समझेंगे एक्सपर्टः दिनेश कुमार, सिविल इंजीनियर, लखनऊ जी के साथ सवाल जवाब के माधयम से। बारिश के कारण छोटे क्रैक्स और नमी बड़े लीकेज में बदल सकते हैं। समय पर की गई वाटरप्रूफिंग घर को लंबे समय तक सुरक्षित रखती है और मरम्मत का खर्च कम करती है। इससे घर को नुकसान होता है और उसकी लाइफ कम होती है। सवाल- क्या नए घरों में भी वाटरप्रूफिंग जरूरी है? जवाब- हां, इसे 'प्रिवेंटिव वाटरप्रूफिंग' कहते हैं। इससे भविष्य की समस्याओं से बचाव होता है। नया घर बनने के बाद कंक्रीट और प्लास्टर में हल्की दरारें आ सकती हैं, जिनसे पानी अंदर जा सकता है। समय पर वाटरप्रूफिंग कराने से छत टपकने, सीलन और पेंट खराब होने का रिस्क कम होता है। इससे सरिया और कंक्रीट सुरक्षित रहते हैं और घर मजबूत बना रहता है। निर्माण के समय वाटरप्रूफिंग कराना बाद में रिपेयर कराने की तुलना में सस्ता और आसान पड़ता है। सवाल- वाटरप्रूफिंग कराने का सही समय क्या है? जवाब- इसका सबसे सही समय मानसून से पहले है। सूखी सतह पर सामग्री बेहतर काम करती है। कोटिंग और केमिकल्स को सूखने का पूरा समय मिलता है। गर्म और सूखे मौसम में क्रैक्स व लीकेज आसानी से दिख जाते हैं और उन्हें ठीक किया जा सकता है।पहले से कराया गया काम बारिश के दौरान मरम्मत कराने से ज्यादा किफायती होता है। सवाल- मानसून शुरू होने से कितने दिन पहले वाटरप्रूफिंग करा लेनी चाहिए? जवाब- मानसून शुरू होने से कम-से-कम 25-30 दिन पहले वाटरप्रूफिंग करा लेनी चाहिए। इससे मरम्मत, कोटिंग और सूखने (क्योरिंग) के लिए पर्याप्त समय मिलता है। सवाल- वाटरप्रूफिंग का काम कौन करता है? अपने शहर में सही कॉन्ट्रैक्टर कैसे ढूंढें? जवाब- वाटरप्रूफिंग का काम आमतौर पर स्पेशलाइज्ड वाटरप्रूफिंग कॉन्ट्रैक्टर, सिविल रिपेयर कंपनियां या बिल्डिंग मेंटेनेंस सर्विस प्रोवाइडर करते हैं। ये लोग छत, बाथरूम, दीवार, बेसमेंट और पानी की टंकी जैसी जगहों पर लीकेज रोकने के लिए अलग-अलग टेक्नीक और केमिकल इस्तेमाल करते हैं। वाटरप्रूफिंग कॉन्ट्रैक्टर ढूंढ रहे हैं, तो इन बातों का ध्यान रखें- पहले उनकी पुरानी साइट्स या काम की फोटो देखें। कॉन्ट्रैक्टर से लिखित वारंटी जरूर लें। कौन-सा मटेरियल इस्तेमाल होगा, यह स्पष्ट पूछें। सिर्फ सस्ता कोटेशन देखकर फैसला न लें। गूगल रिव्यूज और लोकल रेफरेंस जरूर चेक करें। ऐसे कॉन्ट्रैक्टर चुनें, जो पहले साइट इंस्पेक्शन करे, फिर समाधान बताएं। काम शुरू होने से पहले एरिया, लेयर और टाइमलाइन लिखित में तय करें। सवाल- वाटरप्रूफिंग कितने प्रकार की होती है? कौन-सी टेक्नीक सबसे टिकाऊ मानी जाती है? जवाब- घर में जरूरत के हिसाब से कई तरह की वाटरप्रूफिंग टेक्नीक इस्तेमाल की जाती हैं। हर टेक्नीक का उपयोग अलग जगह और समस्या के अनुसार होता है। सवाल- छत की वाटरप्रूफिंग में कितना खर्च आता है? खर्च कैसे कैलकुलेट करें? जवाब- खर्च आमतौर पर प्रति वर्गफुट तय होता है। टेक्नीक, मटेरियल और लीकेज की स्थिति पर लागत निर्भर करती है। साधारण कोटिंग सस्ती होती है, जबकि इळ (पॉलीयुरेथेन) और मेम्ब्रेन सिस्टम महंगे होते हैं। क्रैक्स रिपेयर और लेबर चार्ज अलग जुड़ सकते हैं। इसलिए पहले साइट की माप और कॉन्ट्रैक्टर के साथ निरीक्षण जरूरी है। सवाल- क्या छत और दीवारों के लिए अलग-अलग वाटरप्रूफिंग टेक्नीक होती है? जवाब- हां, दोनों के लिए अलग टेक्नीक इस्तेमाल होती है। छत पर पानी ज्यादा रुकता है, इसलिए मजबूत मेम्ब्रेन या पीयू कोटिंग लगती है। बाहरी दीवारों में एंटी-सीपेज और युवी-रेजिस्टेंट कोटिंग कारगर रहती है। बाथरूम और बेसमेंट के लिए अलग सिस्टम चुने जाते हैं। सवाल- एक बार वाटरप्रूफिंग कराने के बाद यह कितने साल तक चलती है? जवाब- वाटरप्रूफिंग की लाइफ टेक्नीक और केयर पर निर्भर करती है। सामान्य सीमेंट बेस्ड सिस्टम 5-7 साल चल सकते हैं। पीयू और मेम्ब्रेन सिस्टम 10-15 साल तक चल सकते हैं। खराब ड्रेनेज, दरारें और तेज धूप इसकी लाइफ घटा सकते हैं। इसलिए समय-समय पर निरीक्षण जरूरी है। सवाल- वाटरप्रूफिंग कराते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- वाटरप्रूफिंग कराते समय कुछ बातों का ख्याल जरूर रखें-लीकेज और दरारों की जांच कराएं। सतह साफ और सूखी होनी चाहिए। जरूरत के मुतबिक वाटरप्रूफिंग चुनें। क्वालिटी मटेरियल का इस्तेमाल करें। अनुभवी कॉन्ट्रैक्टर से काम कराएं। ड्रेनेज सिस्टम की जांच करवाएं। काम के बाद निरीक्षण कराते रहें। वाटरप्रूफिंग से जुड़े जरूरी सवाल-जवाबः- सवाल- क्या पुरानी छत पर दोबारा वाटरप्रूफिंग कराई जा सकती है?जवाब- हां, पुरानी छत पर दोबारा वाटरप्रूफिंग कराई जा सकती है। पहले पुरानी लेयर, क्रैक्स और लीकेज की जांच जरूरी होती है। जरूरत पड़ने पर सतह रिपेयर की जाती है। उसके बाद नई कोटिंग या मेम्ब्रेन लगाई जाती है। सही रिपेयर से छत की लाइफ बढ़ सकती है। सवाल- क्या वाटरप्रूफिंग कराने के बाद भी रेगुलर मेंटेनेंस जरूरी होता है? जवाब- हां, रेगुलर मेंटेनेंस जरूरी है। इसके लिए- छत पर पानी जमा न होने दें। क्रैक्स और ड्रेनेज समय-समय पर चेक करें।गटर और पाइप साफ रखें। छोटी खराबी तुरंत ठीक कराएं। रेगुलर निरीक्षण से वाटरप्रूफिंग ज्यादा समय तक टिकती है। सवाल- क्या वाटरप्रूफिंग पर कंपनी वारंटी या गारंटी देती है? जवाब- हां, कई कंपनियां और कॉन्ट्रैक्टर वारंटी देते हैं।

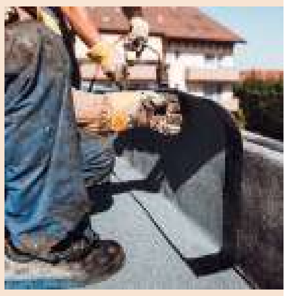

वारंटी टेन्योर टेक्नीक और मटेरियल पर निर्भर करती है। सामान्य तौर पर 5-10 साल तक की वारंटी मिल सकती है। शर्तें पहले लिखित में जरूर लें। वारंटी में रिपेयर, लीकेज और सर्विस कवरेज समझना जरूरी है।

सवाल-वाटरप्रूफिंग और डैम्प-प्रूफिंग में क्या अंतर है? जवाब- वाटरप्रूफिंग पानी के लीकेज को पूरी तरह रोकती है। डैम्प-प्रूफिंग सिर्फ नमी और सीलन कम करने के लिए होती है।

वाटरप्रूफिंग छत, बेसमेंट और टैंक में ज्यादा उपयोग होती है। डैम्प-प्रूफिंग दीवारों और फर्श में नमी रोकने के लिए इस्तेमाल होती है। वाटरप्रूफिंग ज्यादा मजबूत और टिकाऊ समाधान माना जाता है।

मौसम/तापमान में उतार चढाव होता हैं रिस्की

तापमान बढ़ने पर बदलता हैं व्यवहार,चिड़चिड़ापन,समझें ब्रेन और इमोशंस पर हीट का असर

नयी दिल्ली। गर्मी में टेम्परेचर बढ़ने पर ज्यादातर लोग थकान, चिड़चिड़ापन या कम नींद जैसी समस्याएं महसूस करते हैं। कई बार काम में फोकस कम हो जाता है, बात-बात पर गुस्सा आता है या बिना वजह बेचैनी बढ़ती है। हीट वेव या लगातार हाई टेम्परेचर से स्ट्रेस लेवल, स्लीप प्रॉब्लम्स और मूड स्विंग्स से जुड़े केस बढ़ सकते हैं। 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, गर्मियों में मेंटल हेल्थ डिपार्टमेंट के केस 8फीसदी तक बढ़ जाते हैं। डिहाइड्रेशन, खराब स्लीप पैटर्न और डेली रूटीन में बदलाव मिलकर 'मेंटल बैलेंस' को प्रभावित करते हैं। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज जानेंगे कि गर्मी ब्रेन को कैसे प्रभावित करती है। किन लोगों को ज्यादा रिस्क होता है? इससे बचने के आसान उपाय क्या हैं?साथ ही जानेंगे कि- विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. नीलशा भेरवानी, सीनियर कंसल्टेंट, क्लिनिकल साइकोलॉजी, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी से सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- गर्मियों में टेम्परेचर बढ़ने पर हमारे मूड और ब्रेन फंक्शन पर क्या प्रभाव पड़ता है? जवाब- गर्मियों में ज्यादा टेम्परेचर होने पर शरीर को ठंडा रखने के लिए ज्यादा ऊर्जा खर्च होती है, जिससे थकान और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। डिहाइड्रेशन हो सकता है, जिससे फोकस और याददाश्त पर बुरा असर पड़ता है। ब्रेन में सेरोटोनिन और डोपामिन जैसे फील गुड हॉर्मोन्स का संतुलन बिगड़ सकता है। इससे मूड स्विंग, बेचैनी और गुस्सा बढ़ने की संभावना रहती है। स्लीप क्वालिटी खराब हो सकती है, जो ब्रेन फंक्शन को प्रभावित करती है। लंबे समय तक हीट एक्सपोजर से निर्णय लेने की क्षमता और फोकस भी कमजोर हो सकता है। सवाल- गर्मी बढ़ने पर किस तरह की मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं? जवाब- गर्मी का असर ब्रेन और इमोशंस पर भी पड़ता है। इससे डिहाइड्रेशन, नींद की कमी और हार्मोनल बदलाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इससे कौन-सी मेंटल हेल्थ समस्याएं हो सकती हैं, स्ट्रेस लेवल बढ़ना, गुस्सा और चिड़चिड़ापन, एंजाइटी, डिप्रेशन, बेचैनी, घबराहट, मूड स्विंग्स, थकान, फोकस में कमी और सुस्ती। सवाल- क्या ये साइंटिफिकली प्रूवेन है कि हीट वेव के दौरान स्ट्रेस, स्लीप प्रॉब्लम या मूड स्विंग्स के केस बढ़ जाते हैं? जवाब- हां, अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के मुताबिक, हीट वेव के समय मेंटल स्ट्रेस और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है। ज्यादा गर्मी से शरीर का थर्मोरेगुलेशन सिस्टम लगातार एक्टिव रहता है, जिससे मानसिक थकान बढ़ती है। रात में भी टेम्परेचर ज्यादा रहने से स्लीप क्वालिटी खराब होती है, जो मूड को प्रभावित करती है। सवाल- हाई-टेम्परेचर के कारण डिहाइड्रेशन होने पर मेंटल हेल्थ पर क्या असर होता है? जवाब- डिहाइड्रेशन से ब्रेन सेल्स तक ब्लड और ऑक्सीजन सप्लाई प्रभावित हो सकती है, जिससे सोचने की क्षमता घटती है। शरीर में फ्लूइड कम होने से फोकस और अलर्टनेस में कमी महसूस होती है। इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन के कारण लो एनर्जी और मानसिक सुस्ती बढ़ सकती है। इमोशनल कंट्रोल कमजोर हो सकता है, जिससे गुस्सा या उदासी जल्दी आती है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन से कन्फ्यूजन और चिड़चिड़ापन भी बढ़ सकता है। सवाल- कौन-से मानसिक और बिहेवियरल लक्षण नजरअंदाज नहीं करने चाहिए? क्या ये गर्मियों में ज्यादा गंभीर हो सकते हैं? जवाब- मानसिक और व्यवहार से जुड़े कुछ बदलाव ऐसे होते हैं, जो बताते हैं कि ब्रेन और इमोशन्स पर दबाव बढ़ रहा है। हीट स्ट्रेस से ये लक्षण ज्यादा स्पष्ट और गंभीर हो सकते हैं। कुछ लोगों में इस मौसम में एंग्जाइटी, मूड स्विंग्स, थकान और अन्य मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम्स का रिस्क ज्यादा हो सकता है। सवाल- अगर किसी को एंग्जाइटी, डिप्रेशन या स्लीप डिसऑर्डर है तो क्या गर्मियों में स्थिति और बिगड़ सकती है? जवाब- हां, गर्मी ज्यादा होने पर ये समस्याएं और बढ़ सकती हैं। पॉइंटर्स में समझिए- पसीने के साथ इलेक्ट्रोलाइट लॉस होने से ब्रेन फंक्शन और मूड कंट्रोल प्रभावित हो सकता है। तेज रोशनी और दिन लंबे होने से सर्केडियन रिद्म बिगड़ सकती है, जिससे स्लीप क्वालिटी खराब होती है। डिहाइड्रेशन के कारण कंसंट्रेशन और एंग्जाइटी जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं।ज्यादा थकान और लो एनर्जी डिप्रेशन के लक्षणों को ट्रिगर कर सकती है। सवाल- गर्मियों में कौन-सी हैबिट्स दिमाग और मूड पर अतिरिक्त दबाव डालती हैं, जिनसे बचना चाहिए? जवाब- गर्मियों में ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी से ब्रेन पर स्ट्रेस हार्मोन बढ़ सकता है। हाई कैफीन या शुगरी ड्रिंक लेने से मूड स्विंग्स और हार्ट रेट बढ़ सकती है। देर रात तक स्क्रीन यूज करने से मेलाटोनिन रिलीज कम होता है और स्लीप साइकल बिगड़ती है। अनियमित बोजन या जंक फूड से ब्लड शुगर फ्लक्चुएशन होता है, जो इमोशनल स्टेबिलिटी को प्रभावित करता है। एसी और बाहर की गर्मी के बीच बार-बार एक्सपोजर से शरीर पर एडजस्टमेंट स्ट्रेस बढ़ता है। पानी कम पीने से भी मेंटल और फिजिकल परफॉर्मेंस घट सकती है। सवाल- गर्मियों में 'मेंटल बैलेंस' के लिए लाइफस्टाइल में क्या बदलाव करने चाहिए? जवाब- लाइफस्टाइल में जरूरी बदलाव पॉइंटर्स में समझिए- सुबह या शाम के ठंडे समय में हल्की एक्सरसाइज या वॉक करें।पूरे दिन में पर्याप्त पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स लें। स्लीप हाइजीन सुधारें, कमरे का टेम्परेचर कम रखें और लाइट कम रखें। डाइट में ताजे फल, सलाद और ओमेगा-3 से भरपूर फूड्स शामिल करें। दिन में छोटे-छोटे ब्रेक लें और रिलैक्सेशन टेक्नीक (जैसे डीप ब्रीदिंग) अपनाएं। सनलाइट एक्सपोजर सीमित रखें।डेली रूटीन नियमित बनाए रखें। सवाल- मूड और ब्रेन हेल्थ के लिए गर्मियों में कैसी डाइट होनी चाहिए? जवाब- ऐसी डाइट लें, जो शरीर को हाइड्रेटेड, हल्की और न्यूट्रिएंट-डेंस रखे, ताकि ब्रेन को लगातार ग्लूकोज और माइक्रोन्यूट्रिएंट मिलते रहें। सवाल- जो लोग आउटडोर काम करते हैं या ज्यादा गर्मी में रहते हैं, उन्हें मेंटल वेलबीइंग के लिए क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? जवाब- काम के दौरान हर 30-40 मिनट में शेड या ठंडी जगह पर छोटा ब्रेक लें, ताकि ब्रेन ओवरहीटिंग से बच सके। ढीले, हल्के रंग के कपड़े पहनें, जिससे शरीर का टेम्परेचर कंट्रोल में रहता है और थकान कम होती है। काम की टाइमिंग संभव हो तो सुबह या देर शाम रखें। इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक या नींबू पानी लेने से नर्व और मसल फंक्शन बेहतर रहता है। सीधे सनलाइट एक्सपोजर से बचें। काम के बाद रिलैक्सेशन एक्टिविटी (म्यूजिक, मेडिटेशन) करें।

सवाल- अगर तेज गर्मी में घबराहट, बेचैनी या पैनिक जैसे लक्षण महसूस हों तो तुरंत क्या करना चाहिए?जवाब- तुरंत ठंडी या हवादार जगह पर बैठें या लेटें ताकि शरीर का टेम्परेचर धीरे-धीरे कम हो सके। धीरे-धीरे गहरी सांस लेने से नर्वस सिस्टम शांत होता है और पैनिक कम होता है। ठंडा पानी या ओआरएस के छोटे-छोटे घूंट लें, इससे ब्रेन को ब्लड फ्लो सपोर्ट मिलता है। चेहरे, गर्दन या कलाई पर ठंडा पानी डालने से कूलिंग रिस्पॉन्स जल्दी शुरू होता है। अगर कपड़े टाइट हों तो ढीले करें और शरीर को रिलैक्स रखें। ये लक्षण लगातार बने रहें, चक्कर या उल्टी आए तो मेडिकल हेल्प जरूर लें।

फुटबॉलर रोनाल्डो ने गर्लफ्रेंड जॉर्जिना से किया विवाह,10 साल से डेट कर रहे थे, पिछले साल सगाई की थी-दोनों के 4 बच्चे हैं

पुर्तगाल। फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुर्तगाल में अपनी गर्लफ्रेंड जॉर्जिना रोड्रिग्ज से शादी कर ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों ने मंगलवार को कोर्ट मैरिज की। रोनाल्डो और जॉर्जिना 2016 में मैड्रिड में मिले थे। दोनों तभी से साथ हैं। दोनों के चार बच्चे हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अंगूठियां पहने हुए फोटो भी शेयर की है। एक साल पहले सगाई की थी-रोनाल्डो और जॉर्जिना ने आज से ठीक एक साल पहले 12 अगस्त 2025 को सगाई की थी। उस वक्त जॉर्जिना ने इंस्टाग्राम पर एंगेजमेंट रिंग की फोटो शेयर की थी और कैप्शन में लिखा था, 'हां, मैं आपसे प्यार करती हूं। इस जिंदगी और आने वाली हर जिंदगी में।' रोनाल्डो और जॉर्जिना 10 साल से डेट कर रहे हैं। दोनों ने 2017 की शुरुआत में अपने रिश्ते की पुष्टि की थी और ज्यूरिख में फीफा फुटबॉल अवार्ड्स में पहली बार एक साथ दिखाई दिए थे। 5 बच्चों के पिता हैं रोनाल्डो-जॉर्जिना एक स्पेनिश मॉडल और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। रोनाल्डो और जॉर्जिना के चार बच्चे हैं। एवा मारिया और मातेओ का जन्म 2017 में सरोगेसी से हुआ था। वहीं, 2017 में ही जॉर्जिना ने बेटी अलाना मार्टिना और 2022 में बेला एस्मेराल्डा को जन्म दिया था। इसके अलावा रोनाल्डो का एक और बेटा है। क्रिस्टियानो रोनाल्डो जूनियर, जिनका जन्म 2010 में हुआ था। क्रिस्टियानो रोनाल्डो जूनियर की मां की पहचान रोनाल्डो ने कभी उजागर नहीं की थी। 2010 में जब उनके बेटे का जन्म हुआ, रोनाल्डो ने कहा था कि मां अपनी पहचान गोपनीय रखना चाहती हैं और बच्चे की जिम्मेदारी/कस्टडी वे खुद संभालेंगे। रोनाल्डो ने इसी साल खेला आखिरी वर्ल्ड कप-रोनाल्डो ने इसी साल पुर्तगाल के लिए अपना आखिरी फीफा वर्ल्ड कप खेला। पुर्तगाल की टीम जुलाई में राउंड ऑफ-16 के मुकाबले में स्पेन से 1-0 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। इस मैच से पहले रोनाल्डो ने घोषणा की थी कि यह उनका आखिरी फीफा वर्ल्ड कप होगा। मैच के बाद उन्हें मैदान से बाहर जाते समय भावुक और आंखों में आंसू लिए देखा गया। रोनाल्डो के वर्ल्ड कप डेब्यू के बाद पुर्तगाल ने 2006 में चौथा स्थान हासिल किया था। इसके बाद टीम 2010 में राउंड ऑफ-16 तक पहुंची, जबकि 2014 में ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई। रोनाल्डो का वर्ल्ड कप करियर 27 मैचों के साथ खत्म हुआ। वह सबसे ज्यादा वर्ल्ड कप मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने वर्ल्ड कप में कुल 11 गोल किए। 900 गोल करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी-रोनाल्डो ने पिछले साल 5 सितंबर को क्रोएशिया के खिलाफ मुकाबले में अपने करियर का 900वां गोल किया था। ऐसा करने वाले वे दुनिया के पहले खिलाड़ी हैं। रोनाल्डो ने यह माइलस्टोन हासिल करने के बाद सोशल मीडिया पर अपने फुटबॉल के सफर का एक क्लिप शेयर किया था। इस वीडियो को शेयर करते हुए रोनाल्डो ने सभी फैंस को शुक्रिया कहा। साथ ही कहा कि उन्होंने काफी समय से यह सपना देखा था, जो पूरा हो चुका है। अभी कुछ और सपने पूरे करने बाकी हैं। रोनाल्डो की कमाई रु2,800 करोड़ पार-41 साल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो इस समय दुनिया के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। पिछले एक साल में उनकी अनुमानित कमाई डॉलर300 मिलियन (करीब रु2858.25 करोड़) रही है। इसमें से रु3191.71 करोड़ (डॉलर235 मिलियन) उन्हें मैदान पर खेल (सैलरी और बोनस) से मिले हैं, जबकि रु619.38 करोड़ (डॉलर65 मिलियन) एंडोर्समेंट और अन्य बिजनेस वेंचर्स से आए हैं। सऊदी अरब के क्लब अल-नासर के लिए खेलने वाले रोनाल्डो दुनिया के उन चुनिंदा 4 एक्टिव एथलीट्स में शामिल हैं, जिनकी नेटवर्थ डॉलर1 बिलियन से ज्यादा है।

बबीता फोगाट बनीं मां-बेटी संग तस्वीरें की शेयर लिखा- शिवरात्रि पर नन्हीं पार्वती आईं; बेटा 5 साल का हुआ

सोनीपत। दंगल गर्ल के नाम से मशहूर रेसलर बबीता फोगाट मां बन गई हैं। उन्होंने दिल्ली के शालिमार बाग स्थित एक निजी अस्पताल में बेटी को जन्म दिया। अपने सोशल मीडिया हैंडल से तस्वीर शेयर की। जिसमें बबीता अस्पताल में भर्ती हैं और बगल में नवजात बेटी है। हालांकि बेटी का चेहरा रिवील नहीं किया है। रेसलर ने लिखा- 'महादेव की कृपा देखिए आज शिवरात्रि के इस पवित्र दिन पर मेरे जीवन में एक नन्ही परी पार्वती स्वरूप बेटी का आगमन हुआ है। मेरी बेटी के रूप में मिली यह खुशी मेरे और मेरे परिवार के लिए अनमोल आशीर्वाद है। यह अहसास और खुशियां शब्द से परे हैं। आप सभी का आशीर्वाद चाहिए।' बबीता दूसरी बार मां बनी हैं। उन्होंने 11 जनवरी 2021 को बेटे युवराज को जन्म दिया था। पति विवेक सुहाग भी रेसलर हैं और भारत केसरी रहे हैं। दादरी के गांव बलाली की रेसलर्स सिस्टर्स गीता-बबीता पर बनी आमिर खान की दंगल दुनिया में सबसे ज्यादा कमाई करनी वाली हिंदी फिल्म बनी। बबीता बीजेपी के टिकट पर चुनाव भी लड़ चुकी हैं। दिल्ली में हुआ बेटी का जन्म-बबीता ने दिल्ली के शालीमार बाग स्थित एक अस्पताल में मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे बेटी को जन्म दिया।

पीड़िता को ही कठघरे में खड़ा करने की आदत हमें क्या बताती है?

2014 में तरुण तेजपाल यौन उत्पीड़न मामले के दौरान प्रकाशित एक लेख में उलटे पीड़िता पर ही लांछन लगाने के लिए 'बबलगम फेमिनिज्म' शब्द का इस्तेमाल

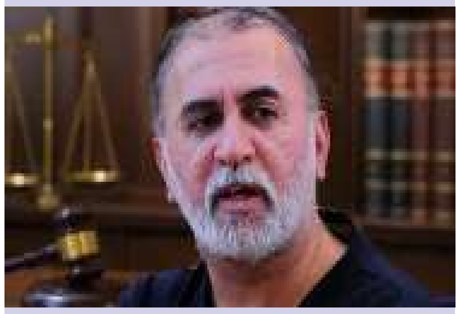

किया गया था। वह वाक्य मेरे जेहन में रह गया। इसलिए नहीं कि उसमें कोई खास चतुराई थी। बल्कि इसलिए कि इसमें एक खास किस्म की विडम्बना थी- यह कि बुद्धिजीवियों का एक वर्ग नारीवाद को ही बबलगम कहकर खारिज कर रहा था, जबकि ऐसा करते समय खुद मानक आचरण का उदाहरण नहीं पेश कर रहा था। तरुण तेजपाल कोई गुमनाम नागरिक नहीं थे। वे तहलका के संस्थापक और प्रधान संपादक थे तथा भारत के सबसे चर्चित खोजी पत्रकारों में से एक थे। उनकी पेशेवर प्रतिष्ठा शक्तिशाली लोगों और संस्थाओं को बेनकाब करने पर बनी थी। इसलिए भी उनके खिलाफ लगे आरोपों की खासतौर पर कठोर जांच की अपेक्षा थी। लेकिन इसके बजाय, सार्वजनिक विमर्श का एक बड़ा हिस्सा उस महिला की पड़ताल में बदल गया, जिसने आरोप लगाया था। उसके मैसेजेस चेक किए गए। उसके आचरण का परीक्षण किया जाने लगा। तेजपाल और उनके परिवार से उसके संबंधों की भी तफ्तीश हुई। उसकी विश्वसनीयता को परखा गया। उसके व्यवहार में पाई गई किसी भी अस्पष्टता को उनके आरोपों की सच्चाई पर संदेह करने का अवसर बना लिया गया।इसका यह अर्थ नहीं है कि किसी पीड़िता के बयान को जांच-पड़ताल से परे मान लिया जाना चाहिए। पत्रकारिता कोई एक्टिविज्म नहीं है। आरोपों की जांच होनी चाहिए। साक्ष्य मायने रखते हैं। आरोप लगाने वाले के व्यक्तित्व के विरोधाभासों का भी मुआयना किया जाता है। फिर आरोपी के भी कुछ अधिकार होते हैं और कानूनी प्रक्रियाएं महत्वपूर्ण हैं। लेकिन किसके व्यवहार पर पूछताछ की जाती है और किसकी प्रतिष्ठा की रक्षा की जाती है- यह भी अपने आप में पत्रकारिता के मूल्यों से जुड़ा सवाल है। मी-टू आंदोलन के दौरान मैंने ऐसे कई लोगों को सार्वजनिक रूप से सवालों के दायरे में रखा, जो मेरे दोस्तों में शुमार थे। ये अमीर और शक्तिशाली लोग थे। ऐसा करने की मुझे कीमत चुकानी पड़ी। कुछ लोगों ने मुझसे बात करना बंद कर दिया। कुछ ने मुझे काम देना बंद कर दिया। मैंने दोस्त खोए, पेशेवर रिश्ते खोए। लेकिन मेरा मानना था कि दोस्ती सिद्धांतों से अधिक महत्वपूर्ण नहीं हो सकती। दिलचस्प बात यह है कि उनमें से कुछ लोग आखिरकार वापस लौटकर आए और उन्हें वास्तव में अपने किए पर पछतावा था। उन्होंने मुझसे कहा कि उन्होंने अपने व्यवहार में बदलाव किया है। वे यह समझने लगे थे कि उनके पालन-पोषण या पेशेवर माहौल में जिन चीजों को सामान्य मान लिया गया था, यह जरूरी नहीं था कि वे स्वीकार्य भी हों। उन्होंने माना कि जिस व्यवहार को वे सामान्य समझते थे, वह वास्तव में यौन उत्पीड़न की श्रेणी में आ सकता है। मेरे लिए जवाबदेही का यही मतलब है। और अगर मेरे जैसा कोई व्यक्ति दोस्ती को एक तरफ रख सकता है, तो उन शक्तिशाली संस्थानों के पास क्या बहाना है, जो दशकों से खुद को नारीवाद, समानता और जवाबदेही के पैरोकार के रूप में पेश करते आते रहे हैं? जब शक्तिशाली व्यक्ति कोई दोस्त, सहकर्मी, मार्गदर्शक हो, तो सत्ता के सामने सच बोलने का सिद्धांत समझौते का विषय क्यों बन जाता है? क्योंकि किसी पीड़िता से सवाल करना और सत्ता से सवाल करना, दोनों में फर्क है। जो लगातार पहले विकल्प को चुनते हैं और दूसरे से बचते हैं, उन्हें साहसी नहीं कहा जा सकता। (ये लेखिका के अपने विचार हैं,मेघना पंत)

चुनाव लड़ना ज्यादा जरूरी है या देश में कोई बदलाव लाना?

क्या सीजेपी को अब एक राजनीतिक दल बन जाना चाहिए? इसके पक्ष में कई तर्क दिए जा रहे हैं। उसके साथ युवाओं का व्यापक समर्थन और

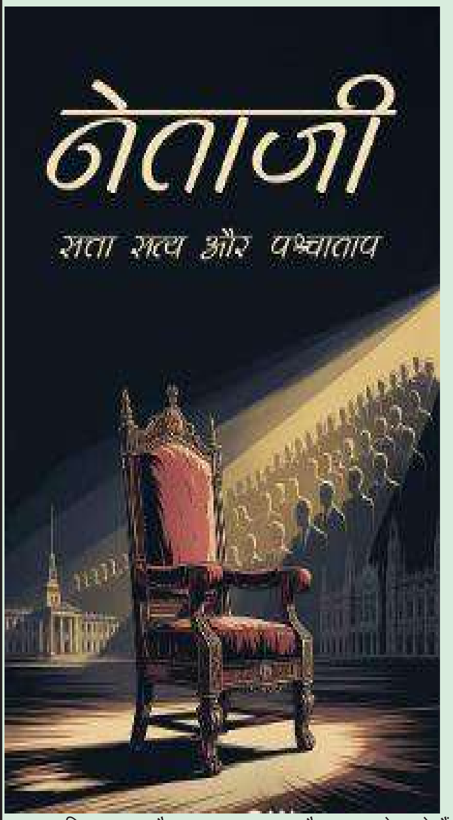

लगाव दिख रहा है। वह प्रतिरोध की नई भाषा के लिए जानी जा रही है। यही नहीं, मौजूदा पीढ़ी का जिस व्यवस्था से मोहभंग है, उसके दायरे में पुराने दल भी शामिल हैं। फिर लोकतंत्र में किसी जन-संगठन को वास्तविक और वैध राजनीति से क्यों परहेज होना चाहिए? अंततः सारे बदलाव राजनीति से ही संचालित होते हैं।सतह पर ये तर्क सही दिखते हैं। लेकिन इनके प्रतितर्क भी हैं। अण्णा आंदोलन के बाद आम आदमी पार्टी लगभग इन्हीं तर्कों के साथ गठित की गई थी। जल्द ही वह अपनी क्रांतिकारी ऊर्जा गंवाकर राजनीति की यथास्थितिवादी धारा में शामिल हो गई। यानी जैसे ही आप राजनीति में उतरते हैं, आपको कई मजबूरियां घेर लेती हैं। चुनाव लड़ने के लिए धन चाहिए- तो आप पूंजीपतियों के प्रति नरम हो उठते हैं। वोट पाने के लिए लोकप्रिय नारे गढ़ने होते हैं तो अप्रचलित विचारों या क्रांतिकारी धारणाओं से आप परहेज करने लगते हैं। धीरे-धीरे आप समझौतापरस्त हो उठते हैं और आपकी सारी लड़ाई चुनाव जीतने और सरकार बनाने तक सीमित रह जाती है। आप कहीं जातिवाद का संरक्षण करते हैं तो कहीं सांप्रदायिकता को बढ़ावा देते हैं। लेकिन अण्णा आंदोलन से निकली आप हो या जंतर-मंतर से निकली सीजेपी- वह अगर चुनाव नहीं लड़ेगी तो क्या होगा? अण्णा आंदोलन से आक्रोश की जो ऊर्जा फूटी, उसने राष्ट्रीय स्तर पर बीजेपी को प्रक्षेपित कर दिया। अगर आप गठित न हुई होती तो दिल्ली भी शायद उन्हीं दिनों बीजेपी की हो चुकी होती। मगर फिर वही प्रश्न है- सरकार बनाना महत्वपूर्ण है या बदलाव की बयार बनाना? लोकतंत्र को सिर्फ राजनीतिक दलों ही नहीं, ऐसे सामाजिक संगठनों, ऐसे दबाव-समूहों की जरूरत भी पड़ती है, जो राजनीति की धारा मोड़ सकें, राजनीतिक दलों को मजबूर कर सकें कि वे उसके सुझाए मुद्दों की बात करें। यह जंतर-मंतर और झारखंड के मूलतः गैर-राजनीतिक आंदोलनों का ही असर है कि शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षा और नियुक्तियों का जो भ्रष्टाचार दशकों से चला आ रहा था, वह अचानक एक ज्वलंत मुद्दा बन गया। इसी तरह अचानक सभी राजनीतिक दलों को एहसास हुआ कि जेन-जी और जेन-अल्फा से जुड़ना, उनसे संवाद करना जरूरी है। देश को वैकल्पिक राजनीति की जरूरत है। लेकिन इस वैकल्पिक राजनीति के नाम पर जो दल बने, वे खुद लोकतंत्र पर बोझ ही बने। इन दिनों चिंताजनक बात यह भी है कि लोकतंत्र बिल्कुल चुनावी जीत का संसदीय बहुमत का पर्याय बना दिया गया है, जबकि किसी भी आदर्श और स्वस्थ लोकतंत्र में बहुत सारी संवैधानिक और सामाजिक संस्थाओं की जरूरत पड़ती है।

हमारे यहां भी ऐसी संस्थाएं हैं, लेकिन जैसे वे अपनी तेजस्विता, अपनी धार और संसदीय राजनीति के आगे अपनी प्रतिरोध-क्षमता खो रही हैं। बाकी सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन बिल्कुल अप्रासंगिक बन गए हैं न लेखकों की आवाज बची है न दूसरे अनुशासनों से जुड़े बुद्धिजीवियों की।

इनकी भरपाई किसी अहम मुद्दे पर फिल्मी सितारों या क्रिकेटरों की राय लेकर कर ली जाती है। तो एक बहुत बड़ा बौद्धिक शून्य है, जिसे भरे जाने के लिए राजनीतिक कम, गैर-राजनीतिक प्रयत्न ज्यादा जरूरी हैं।

अच्छी बात यह है कि अभिजीत दिपके ने कहा है कि वे सीजेपी को दबाव-समूह ही बनाए रखना चाहते हैं- लेकिन इसे फिर अपना सामाजिक-बौद्धिक विस्तार भी करना होगा। तभी वह सार्थक और वास्तविक विकल्प की राह बना पाएगा- राजनीतिक दलों को मजबूर कर सकेगा कि वे जरूरी मुद्दे उठाएं और सही दिशा में बढ़ें।

लोकतंत्र को सिर्फ राजनीतिक दलों ही नहीं, ऐसे सामाजिक संगठनों, ऐसे प्रेशर-ग्रुप्स की जरूरत भी पड़ती है, जो राजनीति की धारा मोड़ सकें और राजनीतिक दलों को मजबूर कर सकें कि वे उसके सुझाए मुद्दों पर बात करें। (ये लेखक के अपने विचार हैं,प्रियदर्शन)

स्वतंत्रता दिवस विशेष लेख-स्वतंत्रताःकेवल उत्सव नहीं, एक सतत् संकल्प

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) 15 अगस्त केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं है। यह भारत की आत्मा के जागरण का दिवस है–वह पावन दिन जब अनगिनत वीरों के त्याग, तपस्या, संघर्ष और बलिदान ने देश को पराधीनता की लंबी रात से निकालकर स्वतंत्रता का सूर्योदय दिखाया। आज जब हम तिरंगे को आकाश में लहराते देखते हैं और राष्ट्रगान की धुन पर गर्व से खड़े होते हैं, तब हमें उन असंख्य ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों को स्मरण करना चाहिए जिन्होंने अपने वर्तमान को राष्ट्र के भविष्य के लिए समर्पित कर दिया। किसी ने जेल की यातनाएँ सहीं, किसी ने अपना सर्वस्व त्याग दिया और किसी ने हँसते-हँसते मातृभूमि के लिए प्राण न्योछावर कर दिए। स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ-स्वतंत्रता का अर्थ केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं है। सच्ची स्वतंत्रता तब है जब प्रत्येक नागरिक भय, भेदभाव, अज्ञान, गरीबी और अन्याय से मुक्त होकर सम्मानपूर्वक जीवन जी सके। आज हमारे सामने चुनौती यह है कि हम स्वतंत्रता को केवल उत्सव तक सीमित न रखें। तिरंगे को सलाम करने के साथ-साथ हमें उन मूल्यों को भी अपने जीवन में उतारना होगा जिनके लिए हमारे पूर्वजों ने संघर्ष किया था–सत्य, न्याय, समानता, कर्तव्य और राष्ट्रप्रेम। आज का भारत, कल का संकल्प-आज भारत विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, अंतरिक्ष, डिजिटल प्रगति और वैश्विक मंच पर अपनी बढ़ती भूमिका के साथ नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी आर्थिक या तकनीकी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उसके नागरिकों के चरित्र और सामाजिक एकता में होती है। हमारी सबसे बड़ी शक्ति हमारी विविधता में निहित एकता है। अलग-अलग भाषाएँ, संस्कृतियाँ, परंपराएँ और जीवन-पद्धतियाँ होते हुए भी हम एक राष्ट्र हैं। यही भारत की विशेषता है और यही हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी। युवाओं के नाम एक संदेश-भारत का भविष्य उसके युवाओं के हाथों में है। आज का युवा केवल रोजगार पाने वाला नागरिक नहीं, बल्कि राष्ट्र के निर्माण का सहभागी है। ज्ञान, कौशल, अनुशासन, नवाचार और नैतिकता के माध्यम से युवा भारत को नई दिशा दे सकते हैं। यदि प्रत्येक युवा यह संकल्प ले कि वह अपने कार्य को ईमानदारी से करेगा, समाज के प्रति संवेदनशील रहेगा, प्रकृति की रक्षा करेगा और देश की एकता एवं गरिमा को सर्वोपरि रखेगा, तो स्वतंत्रता दिवस का उत्सव वास्तव में सार्थक हो जाएगा। आइए, स्वतंत्रता को जिम्मेदारी में बदलें-इस स्वतंत्रता दिवस पर हमें स्वयं से एक प्रश्न पूछना चाहिए–देश ने हमें क्या दिया, यह पूछने से पहले हमने देश को क्या दिया? हम अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करें। हम अपने आसपास स्वच्छता और सद्भाव बनाए रखें। हम किसी के अधिकारों का हनन न करें। हम शिक्षा और ज्ञान को आगे बढ़ाएँ। हम भारतीय संस्कृति और प्रकृति का सम्मान करें। और सबसे बढ़कर, हम भारत की एकता, अखंडता और गरिमा को अपने आचरण में जीवित रखें। स्वतंत्रता हमें अधिकार देती है, लेकिन उसके साथ कर्तव्य भी देती है। राष्ट्र केवल सरकार से नहीं बनता; राष्ट्र उसके करोड़ों नागरिकों के चरित्र, श्रम और संकल्प से बनता है। समापन-आइए, इस 15 अगस्त को केवल तिरंगा फहराकर और देशभक्ति के गीत गाकर न मनाएँ, बल्कि अपने भीतर एक नया भारत गढ़ने का संकल्प लें। ऐसा भारत जो ज्ञान में अग्रणी हो, चरित्र में महान हो, विज्ञान में समर्थ हो, संस्कृति में समृद्ध हो और मानवता के प्रति करुणामय हो।

हमारे स्वतंत्रता सेनानियों का सर्वोच्च सम्मान यही होगा कि हम उनके बलिदान को स्मरण करने के साथ-साथ उनके सपनों के भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

तिरंगा केवल हमारे हाथ में नहीं, हमारे हृदय में भी लहराना चाहिए। वंदे मातरम्। जय हिन्द!

अंतर ध्वजारोहण या झंडा फहराने में

क्या आप जानते हैं कि भारत में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के दिन देश के प्रधानमंत्री खींचकर झंडे को नीचे से ऊपर तक ले जाया जाता है और फिर उसे खोलते हैं जिसके बाद करते हैं, वहीं 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ और भारत एक गणराज्य बना

ध्वजारोहण करके देश को संबोधित करते हैं, जबकि 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के दिन देश के राष्ट्रपति तिरंगा फहराते हैं । लेकिन आप समझते हैं कि आखिर ध्वजारोहण और झंडा फहराने में अंतर क्या होता, है नहीं जानते तो आईए जानते हैं । 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस होता है, यह दोनों हमारे देश के राष्ट्रीय पर्व हैं इन दोनों राष्ट्रीय पर्वों को हमारे देश में बड़े ही उत्साह और सम्मान के साथ मनाया जाता है । इन दोनों दिवसों पर तिरंगा फहराया जाता है और पूरे भारत देश में देशभक्ति का माहौल दिखाई देता है ।लेकिन 15 अगस्त और 26 जनवरी को झंडा फहराने की प्रक्रिया एक जैसी नहीं होती है । हम आपस में बातचीत के दौरान दोनों को झंडा फहराना कह देते हैं जबकि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा झंडा खंभे के नीचे बंधा होता है देश के प्रधानमंत्री द्वारा रस्सी तिरंगा लहराने लगता है इस पूरी प्रक्रिया को ध्वजारोहण कहा जाता है । इस पूरी प्रक्रिया को इस बात का प्रतीक माना जाता है कि भारत ने लंबी गुलामी के बाद स्वतंत्रता प्राप्त की और स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में दुनिया के सामने खड़ा हुआ । इसी प्रकार 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर झंडा पहले से ही खंभे के ऊपर बंधा रहता है देश के राष्ट्रपति केवल रस्सी खींचकर उसे खोलते हैं और झंडा लहराने लगता है इस प्रक्रिया को झंडा फहराना कहते हैं । इसका अर्थ यह होता है कि भारत पहले से ही स्वतंत्र देश था वह अब अपने संविधान के लागू होने के बाद गणराज्य बना । इन दोनों प्रक्रियाओं में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की भूमिका अलग होती है, 15 अगस्त 1947 को भारत देश आजाद हुआ था लेकिन उस समय संविधान लागू नहीं हुआ था इसलिए स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण करने के बाद देश का नेतृत्व प्रधानमंत्री । इसके बाद राष्ट्रपति देश के संवैधानिक प्रमुख बने, इसलिए गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति झंडा फहराते हैं । स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस समारोह का स्थान भी अलग-अलग होता है, स्वतंत्रता दिवस का मुख्य आयोजन लाल किला दिल्ली में संपन्न होता है यहां प्रधानमंत्री देश को संबोधित करते हैं । जबकि गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह कर्तव्य पथ नई दिल्ली में आयोजित किया जाता है । आयोजन में सेना की परेड और सांस्कृतिक झांकियां निकाली जाती हैं ।

जिनके द्वारा देश के अलग-अलग राज्यों के विभिन्न सुंदर दृश्य देखने को मिलते हैं, राज्यों की झांकियां अपनी संस्कृति और सभ्यताओं का परिचय देती हैं, हर एक राज्य अपनी अलौकिक सुंदरता को प्रस्तुत कर यह बता जाता है कि हमारा भारत देश बहुत खूबसूरत है और हम सभी को भारतीय होने पर गर्व होना चाहिए।

क्या शिया ईरान के खिलाफ सुन्नी गठजोड़ बनाया गया है?

तुर्किये, सऊदी अरब, पाकिस्तान के बीच मक्का में हुए समझौते को 'मुस्लिम नाटो' बताया जा रहा है। समझौते में

कहा गया है कि किसी एक पर हमला तीनों पर हमले जैसा माना जाएगा। यह नाटो के अनुच्छेद-5 जैसा है, लेकिन इसमें यह स्पष्ट नहीं है कि हमले के बाद किस प्रकार की सैन्य सहायता दी जाएगी। हो सकता है यह अस्पष्टता जानबूझकर रखी गई हो। इन तीनों देशों की रणनीतिक ताकत अलग-अलग है। सऊदी अरब की ताकत धन, तेल और उसकी रणनीतिक भौगोलिक स्थिति है। पाकिस्तान मुस्लिम जगत का एकमात्र परमाणु-हथियार सम्पन्न राष्ट्र है। तुर्किये के पास ताकतवर सेना और उन्नत रक्षा उद्योग है। तीनों की समझौते की वजहें भी अलग हैं। सऊदी अरब सुरक्षा का भरोसा चाहता है। पाकिस्तान रणनीतिक हैसियत में ऊंचा दर्जा चाहता है।तुर्किये रणनीतिक प्रभाव बढ़ाना चाहता है। हाल के घटनाक्रम से सऊदी अरब के लिए खतरे सामने आए हैं। ऐसे में यह समझौता उसके लिए अतिरिक्त सुरक्षा कवच जैसा है। इस समझौते से पाकिस्तान को सबसे बड़ा तात्कालिक लाभ मिलता दिखता है। सुरक्षा को लेकर उसकी सोच भारत, अफगानिस्तान, आतंकवाद और आंतरिक चुनौतियों के इर्द-गिर्द ही घूमती रही है। यह समझौता उसे दक्षिण एशिया से आगे भी एक व्यापक सुरक्षा ढांचे में भूमिका प्रदान करता है। लेकिन अगर ईरान सऊदी अरब पर हमला करता है तो क्या समझौते के तहत पाकिस्तान युद्ध में शामिल होगा? सऊदी अरब और ईरान, दोनों से पाकिस्तान के हित जुड़े हैं तो उसके लिए किसी एक के खिलाफ दूसरे को चुनना आसान नहीं होगा। यानी इस समझौते से पाकिस्तान की प्रासंगिकता के साथ ही उसकी दुविधा भी बढ़ती है। तुर्किये नाटो, रूस, ईरान, खाड़ी देशों, पाकिस्तान, मध्य एशिया के साथ संबंध बनाए हुए है। लेकिन सीरिया, इराक, कॉकेशस क्षेत्र में भी उसके महत्वपूर्ण हित हैं, जहां उसका ईरान से सामंजस्य जरूरी है। अगर ईरान सऊदी अरब पर हमला करता है तो तुर्किये क्या करेगा? इंटेलिजेंस, हवाई रक्षा, नौसैनिक सहायता, लड़ाकू विमान देने जैसी मदद करेगा या ईरान के खिलाफ सीधी सैन्य कार्रवाई करेगा? वहीं यदि सीरिया या इराक को लेकर तुर्किये का ईरान से टकराव होता है तो क्या सऊदी और पाकिस्तान भी युद्ध में उतरेंगे? गठबंधन आक्रमण को तो रोकते हैं, लेकिन वे एक-दूसरे के लिए उलझन-भरी स्थिति भी पैदा कर सकते हैं। तुर्किये की नाटो सदस्यता इस समीकरण को और जटिल बना देती है। इसलिए शायद अनुच्छेद-5 जैसा प्रावधान जानबूझकर अस्पष्ट रखा गया होगा। यानी हमले के प्रति मजबूत प्रतिरोध का संकेत, लेकिन अनिवार्य तौर पर युद्ध में उतरने की बाध्यता नहीं। एक सवाल यह भी सामने आता है कि क्या यह ईरान के खिलाफ सुन्नी समझौता है? इसके सांप्रदायिक गणित को अनदेखा नहीं किया जा सकता। तीनों सुन्नी-बहुल देश हैं और ईरान एक प्रमुख शिया ताकत, फिर भी ऐसा कहना एक सरल-सा निष्कर्ष होगा। यह समझौता आधिकारिक रूप से रक्षात्मक है और सऊदी अरब ईरान के साथ संबंध सुधारने के लिए भी काम कर भी चुका है। फिर भी ईरान इस समझौते पर नजर रखने वाली सबसे महत्वपूर्ण बाहरी ताकत होगा। अमेरिका भी शायद इसे अच्छा कदम माने कि क्षेत्रीय साझेदार सुरक्षा की अधिक जिम्मेदारी खुद उठा रहे हैं। मक्का समझौता, अब्राहम समझौते को भी अनिवार्य तौर पर समाप्त नहीं करता। यह सऊदी अरब को एक और रणनीतिक विकल्प देता है और उसकी मोलभाव की ताकत को बढ़ाता है। वह अमेरिका के साथ अपने रक्षा संबंध बरकरार रखते हुए तुर्किये और पाकिस्तान के साथ रक्षा सहयोग बढ़ा सकता है और इजराइल के साथ रिश्ते सामान्य करने की संभावना भी खुली रख सकता है। मक्का समझौते के सांप्रदायिक गणित को अनदेखा नहीं किया जा सकता। सऊदी, तुर्किये और पाकिस्तान- तीनों सुन्नी-बहुल देश हैं और ईरान एक प्रमुख शिया ताकत। फिर भी ऐसा कहना शायद एक सरल-सा निष्कर्ष होगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं,सैयद अता हसनैन)

जेन-जी को संघ के समर्थन में एक सबक है

संघ के सौ साल पूरे होने के साथ ही संघ प्रमुख मोहन भागवत भी अपनी छवि में नाटकीय परिवर्तन लाए हैं। उन्होंने अपने समर्थकों और आलोचकों को भी उलझन में डाल दिया है। कुछ लोगों को लग रहा है कि वे जो उदारवादी रुख अपना रहे हैं, उसके कारण संघ के ठोस वैचारिक आधार से किनारा किया जा रहा है। इसके कारण एक ऐसा समूह उभरा है, जो पुराने रूढ़िवाद और राष्ट्रवाद से चिपका है और मानता है कि भागवत के नेतृत्व में संघ इस विचार से अलग हो रहा है। उदारवादी जमात में कुछ ऐसे भी हैं, जिन्हें भागवत ने राहत दी है। क्या यह बदलाव की बयार है? क्या वे सरकार को चेता रहे हैं? क्या वे संघ की विश्वदृष्टि को मध्यमार्ग के करीब ला रहे हैं? यहां मैं स्पष्ट कर दूं कि संघ की मूल विचारधारा में कोई बदलाव नहीं होने जा रहा है। जो कुछ दिख रहा है, वह सत्ता के 13वें साल में राजनीतिक व्यावहारिकता का प्रदर्शन है। पिछले करीब पांच साल से, भागवत कई प्रमुख मसलों पर संघ के रुख में बदलाव को उजागर करते रहे हैं या उसके रुख को अलग तरह से प्रस्तुत करते रहे हैं। वे कई बार कह चुके हैं कि भारत (बल्कि इस पूरे उपमहादेश) के हर व्यक्ति का 'डीएनए' समान है, इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह किस धर्म का है। वे यह भी कह चुके हैं कि हरेक मस्जिद के नीचे शिवलिंग खोजना बंद कीजिए। वे, और उनके उत्तराधिकारी माने जा रहे दत्तात्रेय होसबले भी कह चुके हैं कि भारत को पाकिस्तान के साथ रिश्ता बनाए रखना चाहिए। इसे वे दोनों देशों की जनता के बीच संपर्क वाला रिश्ता कह सकते हैं, लेकिन यह सरकारी रुख से एक कदम आगे वाला रिश्ता है। यह सब बदलाव को दर्शाता है, जिसने कट्टरपंथियों को नाराज किया है, तो उदारवादियों को उत्साहित किया है। इन्हीं वजहों से पांच प्रमुख मुस्लिम हस्तियों ने 22 अगस्त 2022 को भागवत से संपर्क किया था और संवाद करने की इच्छा जाहिर की थी। अगर उदारवादी समुदाय सहायता के लिए संघ नेतृत्व की ओर देखता है तो कहा जा सकता है कि भारत ने आगे की तरफ कुछ कदम बढ़ाया है। आप इसे संशय की नजर से भी देख सकते हैं, और उम्मीद भरी नजर से भी। यह भी मुमकिन है कि जब सरकार खास तौर से मुश्किल में फंस जाए- जैसे कि जंतर-मंतर प्रकरण- तब वे अच्छे रक्षक की भूमिका में आ जाएं। जिस मंत्री को इस्तीफा दिलवाना पड़ा, वे संघ की भी प्रमुख हस्ती थे।पहले यह देखना चाहिए कि इससे पहले क्या-क्या कहा गया। भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने जेन-जी को 'जेन गटर' बता दिया था। 30 जुलाई को संघ के संयुक्त महासचिव अतुल लिमये ने महाराष्ट्र के में अभाविप कार्यकर्ताओं को भाषण देते हुए कहा कि जंतर-मंतर पर राष्ट्र विरोधी नारे लगाए गए। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन में वामपंथियों की वैकल्पिक राजनीति के विचार की अच्छी परीक्षा हो गई और ऐसी अराजकतावादी शक्तियां घातक हैं।

जाहिर है, भागवत इस सब पर नजर रखे हुए थे और सरकार के खिलाफ युवाओं के आक्रोश को लेकर चिंतित थे। इसीलिए उन्होंने भारत के 'इंटरनेशनल मूवमेंट टु यूनाइटेड नेशन्स' की ओर से 'जेन-जी और जेन-अल्फा' के साथ सवाल-जवाब के आयोजन में भाग लेने का न्योता कबूल किया। इसमें भागवत ने सबसे पहला काम तो यह किया कि जेन-जी के आंदोलनकारियों को राष्ट्र-विरोधी बताने वाली आलोचनाओं को सिरे से खारिज कर दिया।

उन्होंने कहा, मुझे जेन-जी पर पूरा भरोसा है। विरोध करना लोकतांत्रिक अधिकार है, यह राष्ट्र-विरोधी काम नहीं है।

राज्यों में क्षेत्रीय दल अपना जनाधार कायम रखे हुए हैं

बंगाल में टीएमसी की हार और उसके बाद कई दलों में हुए दलबदल ने क्षेत्रीय दलों की प्रासंगिकता को लेकर सवाल खड़े कर दिए थे। यह सच है कि इस समय क्षेत्रीय दल संकट का सामना कर रहे हैं, लेकिन उनके महत्व को समाप्त मान लेना अभी जल्दबाजी होगी। बंगाल में टीएमसी या दिल्ली में आप जैसे दलों की हार को क्षेत्रीय दलों के स्थायी पतन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। पिछले चार लोकसभा चुनावों के साथ-साथ विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के वोट शेयर में बहुत अधिक बदलाव नहीं आया है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि वोट शेयर किसी दल के अंतर्निहित जनाधार का सबसे बेहतर इंडिकेटर होते हैं। इसके अलावा मतदाता लोकसभा चुनावों की तुलना में विधानसभा चुनावों में क्षेत्रीय दलों को अधिक प्राथमिकता देते हैं। यह स्थानीय राजनीतिक पहचानों के महत्व को रेखांकित करता है। बंगाल में हार के बाद टीएमसी को कई विधायकों और सांसदों के दलबदल का सामना करना पड़ा। आप के राज्यसभा सांसदों के बीच भी बड़े पैमाने पर दलबदल हुआ। महाराष्ट्र में एनसीपी (एसपी) के सांसदों ने भी पाला बदला। ये घटनाक्रम संगठनात्मक कमजोरियों की ओर जरूर संकेत करते हैं, लेकिन इसे जनसमर्थन के घटने का संकेत नहीं माना जा सकता। फिलहाल, 11 राज्यों में भाजपा की सरकार है, जबकि कांग्रेस की सरकारें 3 राज्यों में हैं। क्षेत्रीय दल 4 राज्यों में सरकार चला रहे हैं। इसके अलावा, 10 अन्य राज्यों-यूटी में भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकारें सत्ता में हैं। इनमें से 4 में क्षेत्रीय दल गठबंधन के प्रमुख साझेदार हैं, जबकि भाजपा की भूमिका सहयोगी की है। ये हैं- आंध्र प्रदेश, मेघालय, नगालैंड और पुडुचेरी। शेष 6 में भाजपा क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन करके सरकार का नेतृत्व कर रही है। इनमें बिहार, यूपी, असम, गोवा, महाराष्ट्र और त्रिपुरा शामिल हैं। 3 राज्यों में कांग्रेस भी क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन सरकार का हिस्सा है। झारखंड में कांग्रेस झामुमो की कनिष्ठ गठबंधन सहयोगी है और जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस की। केरल में कांग्रेस अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रही है।

'होर्मुज पर हमारा नियंत्रण, ईरान पर भरोसा नहीं', ट्रंप का बयान, तीसरी बार राष्ट्रपति बनने पर भी बोले

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 2028 में एक और कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ने का मन बना रहे हैं, लेकिन उन्होंने यह भी माना कि अमेरिकी कानून के तहत उनके

लिए ऐसा करना बेहद मुश्किल है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह सचमुच तीसरी बार चुनाव लड़ने को लेकर गंभीर हैं, तो ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, 'हर कोई मुझसे यही सवाल पूछता है, और आप जानते हैं कि इस मामले में कानून बहुत सख्त है। मैं फिर से चुनाव लड़ना पसंद करूंगा, लेकिन कानून बहुत मजबूत है।' ईरानी हमलों के बीच होर्मुज को लेकर पूछे गए सवाल पर ट्रंप ने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अमेरिका का पूरा कंट्रोल है। बता दें कि अमेरिकी संविधान के 22वें संशोधन के अनुसार, कोई भी व्यक्ति दो बार से अधिक राष्ट्रपति नहीं चुना जा सकता। यह संशोधन 1951 में लागू किया गया था, जिसका एक कारण फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट का चार बार राष्ट्रपति चुना जाना भी था। ट्रंप 2016 और 2024 में दो बार राष्ट्रपति चुने जा चुके हैं। बीते हफ्तों में ट्रंप कई बार 2028 का जिक्र कर चुके हैं। एक पत्रकार ने उस डिनर कार्यक्रम का भी उल्लेख किया, जिसमें 'ट्रंप 2028' का विज्ञापन दिखाया गया था और जहां उनके समर्थक उन्हें फिर से चुनाव लड़ने के नारे लगा रहे थे। तुर्की में विमान बदलने पर बोले ट्रंप-इस पर ट्रंप ने कहा की मुझसे हर कोई यह पूछता है। आज रात भी कार्यक्रम में लोग '2028' के नारे लगा रहे थे। हालांकि ट्रंप ने यह नहीं बताया कि क्या वह संवैधानिक प्रतिबंध को चुनौती देने की कोशिश करेंगे या फिर ऐसा कोई चुनावी अभियान कैसे आगे बढ़ सकता है। उनके जवाब में मौजूदा कानून की मजबूती पर ही जोर दिया गया। राष्ट्रपति ने तुर्की की हालिया यात्रा के दौरान अपनाए गए सुरक्षा इंतजामों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि उनकी यात्रा की व्यवस्था सीक्रेट सर्विस और सेना ने तय की थी और उन्होंने उनकी सलाह का पालन किया। ट्रंप ने कहा की यह पूरी तरह सीक्रेट सर्विस पर निर्भर करता है। मैं वही करता हूं जो उन्हें सही लगता है। इसलिए मैं सीक्रेट सर्विस और सेना की सलाह मानता हूं। जब उनसे पूछा गया कि इतने सुरक्षा इंतजामों की जरूरत क्यों पड़ी, तो उन्होंने जवाब दिया, 'मुझे बहुत सारी धमकियां मिलती हैं।' बाद में उन्होंने इस बारे में और विस्तार से कहा, 'मुझे ऐसी बहुत सी धमकियां मिलती हैं जिनके बारे में आप नहीं जानते। कोई भी प्रभावशाली राष्ट्रपति हो, उसे बहुत धमकियां मिलती हैं। जिन राष्ट्रपतियों का ज्यादा प्रभाव नहीं होता, उन्हें इस तरह की धमकियां नहीं मिलतीं।'

हरिद्वार- 4.80 करोड़ कांवड़ियों ने 7000 मीट्रिक टन कचरा छोड़ा,1000 सफाई कर्मचारी बाहर से बुलाए

हरिद्वार। हरिद्वार में 12 दिन की कांवड़ यात्रा के दौरान 4 करोड़ 80 लाख कांवड़िए 7 हजार मीट्रिक टन कचरा गंगा घाटों पर फैलाकर चले गए। सबसे

बुरा हाल मां गंगा के आरती क्षेत्र हरकी पैड़ी का रहा। यहां कचरे के बड़े-बड़े ढेर दिखे। महिलाओं के चेंजिंग रूम में पेशाब से भरी बोतलें मिलीं। हालात को देखते हुए 1000 आउटसोर्स यानी बाहर से बुलाए कर्मचारियों की मदद ली जा रही है। हरिद्वार जिला प्रशासन ने 18 अगस्त तक विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। नगर आयुक्त नंदन कुमार के अनुसार, डाक कांवड़ के दो दिनों में ही पूरे शहर में 1700 मीट्रिक टन कूड़ा फैला। घाटों पर दिन-रात सफाई हो रही, कूड़ा रीसाइकिल होगा-अब कूड़े को ज्वालापुर स्थित सराय में कूड़ा ट्रीटमेंट प्लांट में रीसाइकिल के लिए भेजा जा रहा है। यहां से कूड़ा अलग-अलग करके आगे प्राइवेट कंपनियों को बेचा जाएगा और कुछ के कपड़े बनाए जाएंगे। नगर निगम दिन-रात अभियान चलाकर सफाई में जुटा है। सफाईकर्मियों का समूह सबसे पहले घाटों पर सफाई कर रहा है। कल शाम हुई गंगा आरती से पहले हरकी पैड़ी क्षेत्र को सबसे पहले साफ किया गया। हालांकि, अभी घाटों की स्थिति पहली जैसी नहीं हो पाई है। शिवरात्रि की संध्या आरती के बाद जब घाट खाली हुए, तब श्रद्धालुओं से ज्यादा कचरे के ढेर दिखे। पिछले साल करीब 4 करोड़ 52 लाख कांवड़िए जल लेकर गए थे। तब 8 हजार मीट्रिक टन कूड़ा गंगा घाटों से हटाया गया था। नंदन कुमार नगर आयुक्त, हरिद्वार-कांवड़ यात्रा के दौरान करीब 7 हजार मीट्रिक टन कूड़ा निकला, जिसमें 4 से 5 हजार मीट्रिक टन अतिरिक्त कचरा है। नगर निगम लगातार सफाई अभियान चला रहा है और जरूरत पड़ने पर एनजीओ, सिविल सोसाइटी व अन्य विभागों का सहयोग लिया जाएगा। उज्ज्वल पंडित तीर्थ पुरोहित, हरिद्वार-4 करोड़ से ज्यादा कांवड़ियों के आने से घाटों पर कूड़े की स्थिति चुनौतीपूर्ण हो गई। स्वयंसेवकों ने मेहनत कर आरती से पहले हरकी पैड़ी क्षेत्र को साफ और व्यवस्थित कर दिया। कूड़े को पैक कर निस्तारण के लिए भेजा जा रहा है। सफाई के लिए ड्रोन से हाई-टेक मॉनिटरिंग-सफाई व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए नगर निगम ने कई कदम उठाए हैं- 1000 अतिरिक्त कर्मी और 80 से ज्यादा वाहन लगाए- नियमित कर्मचारियों के अलावा 1000 आउटसोर्स सफाई कर्मचारियों और 80 से ज्यादा वाहनों को कूड़ा परिवहन में लगाया गया। ड्रोन से निगरानी- प्रमुख कांवड़ मार्गों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पहली बार ड्रोन कैमरे से गंदगी के हॉटस्पॉट चिन्हित कर तुरंत कार्यवाही की गई। ग्रीन चौकियां और स्वच्छता दूत- प्लास्टिक नियंत्रण के लिए बायोडिग्रेडेबल बैग बांटने के लिए ग्रीन चौकियां बनाईं। घाटों पर जागरूकता के लिए स्वच्छता दूतों की तैनाती की गई। स्मार्ट ट्रायल- अत्याधुनिक तकनीक को परखने के लिए सोलर सेंसर डस्टबिन का भी ट्रायल किया गया। नगर आयुक्त आईएएस नंदन कुमार ने कहा, मेले का समापन सफाई व्यवस्था का अंत नहीं है। जब तक शहर अपने मूल स्वच्छ रूप में नहीं लौट आता, विशेष अभियान जारी रहेगा। कांवड़ यात्रा खत्म होने के बाद स्वच्छता महाअभियान-कांवड़ यात्रा के खत्म होने के बाद डीएम मयूर दीक्षित के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) डॉ ललित नारायण मिश्र ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर 12 से 18 अगस्त तक चलने वाले विशेष स्वच्छता महाअभियान की पूरी रूपरेखा तय की। नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत, जिला पंचायत और सभी ग्राम पंचायतों के अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में युद्धस्तर पर सफाई अभियान चलाने के आदेश दिए गए हैं। अभियान को परिणामदायक बनाने के लिए सभी विभाग आपसी तालमेल के साथ काम करेंगे और पूरी सफाई व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी।

संसद में हर मुद्दे पर जवाब दूंगा,विपक्ष सदन चलने दे-अमित शाह

राहुल ने कहा- लेक्चर नहीं सुनना, बताएं छात्रों पर गोलियां किसने चलवाईं

नयी दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा, 'सरकार हर मुद्दे पर चर्चा को

तैयार है, लेकिन विपक्ष सदन को चलने दे। आज 3 बजे से चर्चा शुरू करें। मैं सदन में बैठूंगा, सबको सुनूंगा और कल 3 बजे सबको जवाब दूंगा।' इस पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, 'हमें उनका लेक्चर नहीं सुनना है। पहले ये बताएं कि जंतर-मंतर पर छात्रों पर गोलियां किसने चलवाईं। उन्होंने आदेश नहीं दिया तो वे इस्तीफा दें।' दरअसल, विपक्ष छात्रों के आंदोलन के दौरान लाठीचार्ज के मुद्दे पर गृह मंत्री के बयान पर अड़ा है। इस कारण 17 दिनों से लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही नहीं चल पा रही है। विपक्ष का आरोप है कि शाह सदन में नहीं आ रहे हैं। शाह ने पहली बार इस मुद्दे पर सार्वजनिक बयान दिया, कहा- रोज सदन में आ रहा हूं। गृह मंत्री अमित शाह- संसद सत्र शुरू होने के बाद से मैं लगातार संसद आ रहा हूं और अपने चैंबर में बैठ रहा हूं। विपक्ष संसद नहीं चलने दे रहा है, ऐसे में वहां जाकर कोई क्या कर सकता है? शाह ने कहा कि विपक्ष दोनों सदनों को चलने नहीं दे रहा। जब संसद की कार्यवाही ही नहीं चलने दी जा रही है तो सदन में जाने का क्या मतलब है। सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। अब जनता तय करे कि वास्तव में कौन भाग रहा है। आज दोपहर 3 बजे से कल दोपहर 3 बजे तक सरकार हर तरह की चर्चा के लिए तैयार है। वह सदन में मौजूद रहेंगे, सभी की बातें सुनेंगे और हर सवाल का जवाब देंगे। सरकार के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है। वह इस मुद्दे पर चर्चा के साथ-साथ इस बात पर भी चर्चा करने के लिए तैयार हैं कि विपक्ष चर्चा क्यों नहीं करना चाहता। राहुल बोले- शाह सदन में क्यों नहीं आए? कांग्रेस सांसद-राहुल गांधीः-हमें उनका लेक्चर सुनने में कोई दिलचस्पी नहीं है। हमें यह जानना है कि छात्रों पर गोली किसने चलाई ? छात्रों को पीटने का आदेश किसने दिया? राहुल ने कहा- स्टूडेंट्स को गोली किसने मारी? स्टूडेंट्स को कीलों वाली लाठियों से पीटने का ऑर्डर किसने दिया? क्या अमित शाह ने हमारे बच्चों को गोली मारने का ऑर्डर दिया था? अगर उन्होंने दिया है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। उनके घर के सामने हजार पुलिस वाले खड़े होते हैं। 30 गाड़ियां उनके आगे पीछे होती हैं कि कहीं कोई बच्चा न आ जाए। पिछले 20 दिनों से अमित शाह गायब हैं। गृह मंत्री में हिम्मत नहीं है। वह सदन में नहीं आ सकते।

ट्रम्प ने माना- ईरान के डर से प्लेन बदलना पड़ा,हमला होता तो एयरफोर्स वन पर होता,छिपकर दूसरे विमान तक पहुंचे

वॉशिंगटन डीसी।इसके कुछ मिनट बाद पुराना एयरफोर्स वन भी वहां पहुंच गया। इस विमान में पत्रकार सवार थे। इसके बाद

उन्हें चुपचाप पुराने एयर फोर्स वन में लाया गया। कुछ देर बाद वे उसी विमान से उतरते दिखे, जिससे पत्रकारों को लगा कि वे पूरी यात्रा उसी में कर रहे थे। हालांकि, यह साफ नहीं है कि सी-32ए से उतरने के बाद ट्रम्प पुराने एयरफोर्स वन तक कैसे पहुंचे। ट्रम्प ने पत्रकारों की तरफ हाथ हिलाया, लेकिन उनसे बात नहीं की। इसके बाद फिर वे आधिकारिक प्लेन यानी कि एयरफोर्स वन में बैठ गए और उसी से अमेरिका पहुंचे।ऐसा तरीका पहले भी अपनाया जा चुका है राष्ट्रपति को खतरे से बचाने के लिए उनके असली सफर को छिपाने का तरीका नया नहीं है। साल 2000 में राष्ट्रपति बिल क्लिंटन पाकिस्तान गए थे। तब उन्हें एक ऐसे सरकारी विमान से भेजा गया था, जिस पर राष्ट्रपति के विमान की कोई पहचान नहीं थी। वहीं, उनका असली एयरफोर्स वन दूसरे रास्ते से भेजा गया था, ताकि लोगों को पता न चले कि राष्ट्रपति किस विमान में हैं।अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, ईरान से मिले विश्वसनीय खतरे के इनपुट के बाद यह पूरा सुरक्षा ऑपरेशन कुछ ही घंटों में तैयार किया गया था। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ समेत कुछ चुनिंदा अधिकारी इसमें शामिल थे। कतर से मिले नए विमान की सुरक्षा पर भी सवाल उठे-ट्रम्प जिस बोइंग 747-8 विमान से तुर्किये पहुंचे थे, वह कतर के शाही परिवार ने पिछले साल अमेरिका को दिया था। अमेरिकी डिफेंस कंपनी एल3 हैरिस टेक्नोलॉजीज ने इसे राष्ट्रपति के सफर के लिए तैयार किया है। ट्रम्प ने पहली बार इस विमान का इस्तेमाल 1 जुलाई को नॉर्थ डकोटा जाने के लिए किया था। कुछ दिन बाद वे इसी विमान से अपनी पहली विदेश यात्रा पर तुर्किये पहुंचे। इस विमान की सुरक्षा को लेकर पहले से सवाल उठते रहे हैं। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, पुराने एयरफोर्स वन में राष्ट्रपति को हमले से बचाने के लिए कुछ खास सुरक्षा इंतजाम हैं, जो कतर से मिले विमान में नहीं हैं या उनकी क्षमता अलग है। व्हाइट हाउस ने कहा- नए विमान की सुरक्षा में कोई कमी नहीं-कतर से मिले वाले विमान की सुरक्षा पर सवालों के जवाब में व्हाइट हाउस के कम्युनिकेशन डायरेक्टर स्टीव चेउंग ने कहा कि इस विमान में ट्रम्प और उनके साथ मौजूद लोगों की सुरक्षा के लिए खास इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा-'अमेरिका के कई दुश्मन ट्रम्प को निशाना बनाना चाहते हैं। इसलिए उनकी सुरक्षा के लिए हम हर जरूरी तरीका अपनाते हैं।' यानी व्हाइट हाउस ने यह नहीं माना कि नए विमान में सुरक्षा की कोई कमी थी। उसका कहना है कि ट्रम्प की सुरक्षा के लिए जरूरत पड़ने पर अलग-अलग तरीके अपनाए जा सकते हैं। पेंटागन यानी अमेरिकी रक्षा विभाग ने इस मामले पर तुरंत कोई जवाब नहीं दिया।

8वां वेतन आयोग लागू होने में अभी सालभर से ज्यादा लगेंगे! आखिर कहां अटका है पेंच

नयी दिल्ली। 8वां वेतन आयोग लागू होने में अभी सालभर से ज्यादा लगेंगे। 10 अगस्त 2026 को वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी संसद के दिए बयान के बाद ये अनुमान लगाया जा रहा है। 8वें वेतन आयोग का गठन नवंबर 2025 में हो चुका है। फिर अभी एक साल का समय और क्यों लगेगा। 8वां वेतन आयोग कब से लागू होगा? केंद्र सरकार हर 10 साल में नया वेतन आयोग बनाती है, जो कर्मचारियों की सैलरी, महंगाई भत्ता यानी डीए, हाउस रेंट अलाउंस यानी एचआरए, पेंशन और अन्य फायदों में बदलाव की सिफारिश करती है। 31 दिसंबर 2025 को 2016 में लागू हुए 7वें वेतन आयोग का कार्यकाल खत्म हुआ। इसके पहले 3 नवंबर 2025 को 8वें वेतन आयोग के गठन का नोटिफिकेशन जारी हो गया था। आयोग बनने के बाद वित्त मंत्रालय ने इसे अपनी सिफारिशें देने के लिए 18 महीने का समय दिया। यानी मई 2027 तक आयोग को अपनी सिफारिशों की रिपोर्ट सौंपनी है। दरअसल, आयोग स्टेकहोल्डर्स यानी केंद्रीय कर्मचारी, न्यायिक अधिकारी, पेंशनर्स और रिटायर्ड कर्मचारियों के यूनियनों से उनके सुझाव और डिमांड लेता है। इस बार आयोग ने 16 मार्च 2026 तक सुझाव मांगे थे। इन सुझावों के आधार पर आयोग अपनी रिपोर्ट तैयार करता है। पिछले ट्रेंड्स के मुताबिक, आयोग की रिपोर्ट पेश होने के बाद सरकार सिफारिशों की जांच करने और फिर सिफारिशें लागू करने में करीब 6 महीने का वक्त ले लेती है। 7वें वेतन आयोग के गठन के बाद इसे लागू होने में करीब 2 साल लगे थे। 28 फरवरी 2014 को न्यायमूर्ति अशोक कुमार माथुर की अध्यक्षता में 7वां वेतन आयोग बना और मार्च 2014 तक टर्म्स ऑफ रेफरेंस तय हुए। 19 नवंबर 2015 को इसने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी। इसे करीब 6 महीने बाद जून 2016 में सरकार ने अप्रूव किया, जबकि इसकी सिफारिशें 1 जनवरी 2016 से ही प्रभावी मानी गईं। इस हिसाब से 8वां वेतन आयोग 2027 के आखिर या 2028 की शुरुआत में लागू हो सकता है। सवाल-2ः 8वें वेतन आयोग को लेकर कर्मचारियों की क्या मांगें हैं? जवाबः अप्रैल में सेंट्रल गवर्नमेंट के कर्मचारी यूनियनों ने आयोग को एक प्रस्ताव दिया था। इसमें 7 मुख्य मांगें की गईं- मिनिमम बेसिक सैलरीः 69,000,फिटमेंट फैक्टरः 3.83,सालाना सैलरी बढ़ोत्तरीः 6फीसदी,एचआरए मिनिमम स्लैबः 30फीसदी पेंशनः आखिरी

सैलरी की 67फीसदी, फैमिली पेंशनः 50फीसदी, पुरानी पेंशन स्कीम की बहाली, कर्मचारी यूनियनों का तर्क है कि 2016 से महंगाई ने असली कमाई को बहुत कम कर दिया है। घर, पढ़ाई, मेडिकल खर्च बढ़ गए हैं। इसलिए सैलरी मौजूदा लिविंग स्टैंडर्ड के हिसाब से होनी चाहिए न कि 2016 के मानकों के हिसाब से।फिटमेंट फैक्टर को 3.83 करने की मांग सेंट्रल गवर्नमेंट के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाली मुख्य संस्था नेशनल काउंसिल- जॉइंट कंसल्टेटिव मशीनरी यानी एनसी-जेसीएम ने की है। इसी फिटमेंट फैक्टर के आधार पर बेसिक सैलरी को 69,000 करने की मांग की जा रही है। अब वेतन आयोग इन्हीं मांगों के आधार पर केंद्र सरकार को अपनी सिफारिशें देगा, जिसके बाद सरकार अंतिम फैसला लेगी। सवाल-3ः 8वां वेतन आयोग लागू होने से सैलरी कितनी बढ़ सकती है? जवाबः सैलरी कितनी बढ़ेगी, ये फिटमेंट फैक्टर, महंगाई भत्ता यानी डीए पर निर्भर करता है-फिटमेंट फैक्टर इस मल्टीप्लायर नंबर से मौजूदा बेसिक सैलरी से गुणा करके नई बेसिक सैलरी निकालते हैं। वेतन आयोग इसे महंगाई और लिविंग कॉस्ट को ध्यान में रखकर तय करता है। 7वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 2.57 था। इसके 3.83 तक बढ़ने की संभावना कम है। इसके 2.28 से 2.86 तक रहने का अनुमान है। कुछ रिपोर्ट्स में 2.46 रहने की बात है, हालांकि अंतिम फैसला सरकार लेगी। डियरनेस अलाउंस, डीए- हर वेतन आयोग में डीए जीरो से शुरू होता है। क्योंकि नई बेसिक सैलरी पहले से ही महंगाई को ध्यान में रखकर बढ़ाई जाती है। पुराना डीए पुरानी सैलरी में मर्ज हो जाता है और इसके बाद डीए फिर से धीरे-धीरे बढ़ता है। हाउसिंग रेंट अलाउंस, एचआरए 7वें वेतन आयोग के नियमों के मुताबिक, अगर डीए बेसिक पे के 25फीसदी से ज्यादा होता है, तो मेट्रो शहरों में एचआरए बेसिक पे का 27फीसदी होता है। सवाल-4ः बढ़ी हुई सैलरी कब से मिलने लगेगी? जवाबः कर्मा मैनेजमेंट ग्लोबल कंसल्टिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रतीक वैद्य कहते हैं कि 8वें वेतन आयोग को 1 जनवरी से सैलरी रिवाइज करने का काम सौंपा गया है। हालांकि इफेक्टिव डेट और पहली बढ़ी हुई सैलरी आने के बीच कई महीने का फर्क होता है। 7वें वेतन आयोग को 1 जनवरी 2016 में लागू किया गया था, लेकिन कैबिनेट की मंजूरी जून 2016 में मिली और सैलरी उसके बाद के महीनों में आनी शुरू हुई। वैद्य कहते हैं, 'कर्मचारियों को 2026-27 के करोबारी साल से भत्ते जोड़कर बढ़ी हुई सैलरी मिलेगी। हालांकि भत्ते जनवरी 2026 से ही जोड़े जाएंगे।' सवाल-5ः नई सैलरी के साथ डीए, एचआरए जैसे भत्ते और नया एरियर कितना मिलेगा?जवाबः अलग-अलग जानते हैं-1.एरियर अगर बढ़ी हुई बेसिक सैलरी जनवरी 2028 से मिलना शुरू हो, तो भी सैलरी में बढ़ोत्तरी 8वें वेतन आयोग लागू होने की इफेक्टिव डेट यानी 1 जनवरी 2026 से ही जोड़ी जाएगी। यानी 18 से 24 महीनों की बकाया सैलरी एरियर के बतौर अलग से मिलेगी। मान लीजिए लेवल 1 के कर्मचारी की बेसिक सैलरी में 10 हजार रुपए बढ़े, तो 2026 से 2028 तक के 24 महीने का 2.4 लाख रुपए एरियर मिलेगा। 2. डीए-इन 24 महीनों में डीए बेसिक पे के पुराने परसेंटेज यानी 60फीसदी के ही हिसाब से जोड़ा जाएगा और जैसे अभी तक हर महीने की सैलरी में जुड़कर सामान्य तौर पर मिलता आया है, उसी तरह मिलता रहेगा।इस बीच इसमें हर 6 महीने में अनुमानित 3-4फीसदी तक बढ़ोत्तरी भी होती रहेगी, लेकिन डीए का एरियर अलग से नहीं दिया जाता, क्योंकि डीए को पुरानी बेसिक सैलरी में मर्ज करके ही नई बेसिक सैलरी बनती है। इस सैलरी का अंतर आपको एरियर में मिल ही चुका है।

जनवरी 2028 में बढ़ी हुई सैलरी के साथ जो डीए मिलना शुरू होगा, वो नई बढ़ी हुई बेसिक सैलरी पर मिलेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार ने डीए में 2फीसदी की बढ़ोत्तरी को मंजूरी दी है। एचआरए भी तब से ही लागू होगा, जब नई बढ़ी हुई सैलरी मिलने लगेगी। एचआरए पर भी कोई एरियर नहीं दिया जाएगा।

वेतन आयोग कई और बदलावों की सिफारिश भी करता है, जैसे- ट्रांसपोर्ट अलाउंस यानी टीए, पेंशनर्स के लिए महंगाई राहत (डीआर), ग्रेच्युटी की लिमिट, चिल्ड्रेन एजुकेशन अलाउंस, लीव ट्रैवल कन्सेशन, मेडिकल बेनिफिट्स, रिस्क/हार्डशिप अलाउंस और पे-मैट्रिक्स वगैरह। आयोग की रिपोर्ट आने के बाद ही इनमें बदलाव की तस्वीर साफ होगी। सवाल-6ः नए वेतन आयोग से पेंशनर्स को कितना फायदा? जवाबः 1 अप्रैल 2025 से लागू हुई यूनिफाइड पेंशन स्कीम यानी यूपीएस के तहत पूरी पेंशन उन्हें मिलेगी, जिनकी नौकरी के 25 साल पूरे हो जाएंगे। इसमें आखिरी 12 महीनों की बेसिक सैलरी के औसत की 50फीसदी राशि और महंगाई राहत यानी डीआर होगा। यूपीएस में वो कर्मचारी शामिल हैं, जो 2004 में न्यू पेंशन स्कीम यानी एनपीएस लागू होने के बाद से सर्विस में हैं। इस हिसाब से यूपीएस के तहत पूरी 50फीसदी पेंशन उन्हीं को मिलेगी, जो कम से कम 2029 तक नौकरी में रहेंगे। 2004 से जोड़ें, तो नौकरी में 25 साल पूरे करने वाले कर्मचारियों का पहला बैच 2029 में रिटायर होगा। 8वां वेतन आयोग लागू होने के बाद लेवल-1 के एक कर्मचारी की बेसिक सैलरी 34,560 रुपए हो, तो इसका 50फीसदी रकम, यानी 17,280 रुपए प्लस डीआर उसे पेंशन के तौर पर मिलेगा। हालांकि यह रेयर केस में ही होगा कि कोई कर्मचारी रिटायरमेंट तक उसी लेवल पर रहे। प्रमोशन और अन्य नियमों के हिसाब से लेवल बढ़ता रहता है। इसलिए कर्मचारी को कहीं ज्यादा पैसा पेंशन में मिलेगा। वहीं, लेवल-18 के कर्मचारियों की बेसिक सैलरी 4.80 लाख रुपए होगी। इसका 50फीसदी कुल 2.40 लाख रुपए प्लस डीआर की रकम पेंशन के तौर पर मिलेगी। कर्मचारियों ने ओपीएस बहाली की मांग की है, साथ ही डीए और डीए में हर 3 महीने में संशोधन करने और डीआर के 25फीसदी से ज्यादा हो जाने पर इन्हें मूल पेंशन में जोड़ने की मांग रखी है। अभी डीए/डीआर में साल में दो बार संशोधित होता है। सवाल-7ः इससे कितने लोगों को फायदा, राज्यों के कर्मचारियों के लिए आयोग कब बनेगा? जवाबः नए वेतन आयोग के तहत केंद्रीय सरकारी कर्मचारी, रक्षा कर्मी, रेलवे स्टाफ, केंद्रीय संस्थानों के शिक्षक, 100फीसदी सरकारी मलिकाना हक वाले पीएसयू के कर्मचारी और पेंशनर्स को फायदा मिलता है। यानी केंद्र सरकार के करीब 50 लाख से ज्यादा कर्मचारी और करीब 70 लाख पेंशनर्स को फायदा मिलेगा। वहीं राज्य सरकार के कर्मचारी, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक कर्मचारी, आरबीआई और अन्य नियामक संस्थाओं के कर्मचारी और बैंक पेंशनर्स को इसका फायदा नहीं मिलता।

सैलरी रिवीजन करना राज्य सूची का विषय है, इसलिए राज्य केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों को मानने के लिए बाध्य नहीं हैं।राज्य अपने वेतन आयोग अलग से बनाते हैं, लेकिन ज्यादातर राज्य कुछ बदलावों के साथ याकेंद्रीय आयोग की सिफारिशों को ही अपना लेते हैं।

ब्रिटेन में कट्टरपंथी नेता के सामने कूड़ेदान वाला उम्मीदवार,अजीबोगरीब वादों से सुर्खियां बटोर रहा, कहा- हर वोटर को सस्ता घर दूंगा

लंदन। ऐसे में काउंट बिनफेस का मतलब है- कूड़ेदान के चेहरे वाला काउंट। काउंट बिनफेस ने 2019 में तत्कालीन प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के खिलाफ चुनाव लड़ा। इसके बाद वे 2021 और 2024 के लंदन मेयर चुनाव, 2023 उपचुनाव, 2024 आम चुनाव और 2026 में एक उपचुनाव में भी उम्मीदवार रहे। काउंट बिनफेस क्या चुनाव जीत पाएंगे? मौजूदा हालात में काउंट बिनफेस चुनाव जीत जाएंगे इसकी संभावना बहुत कम है। दरअसल, क्लैक्टन सीट से फराज सांसद रह चुके हैं। पिछले चुनाव में उन्हें 46फीसदी वोट मिले थे। हालिया सर्वे में उन्हें करीब 73फीसदी वोट मिलने का अनुमान जताया गया है। ब्रिटेन की लेबर, कंजर्वेटिव और लिबरल डेमोक्रेट जैसी बड़ी पार्टियों ने इस उपचुनाव में उम्मीदवार नहीं उतारा है। इससे फराज की जीत की संभावना और मजबूत हो गई है। काउंट बिनफेस इस चुनाव में फराज के सबसे चर्चित प्रतिद्वंद्वी हैं, लेकिन वे अकेले नहीं हैं। इस उपचुनाव में कुल 33 उम्मीदवार मैदान में हैं। काउंट बिनफेस के लिए असली जीत सीट जीतना नहीं, बल्कि अच्छा वोट हासिल करना होगा। अब तक उन्हें सबसे ज्यादा 2021 के लंदन मेयर चुनाव में करीब 1फीसदी वोट मिले थे। क्लैक्टन उपचुनाव में बड़ी पार्टियों के शामिल नहीं होने से काउंट बिनफेस फराज के सबसे चर्चित प्रतिद्वंद्वी बन गए हैं। अगर उन्हें 5फीसदी या उससे ज्यादा वोट मिल जाते हैं, तो उनकी 500 पाउंड की जमानत राशि वापस मिल जाएगी। इसे उनके लिए बड़ी सफलता माना जाएगा। काउंट बिनफेस के चर्चित चुनावी वादे-

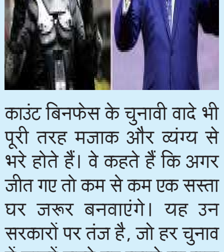

काउंट बिनफेस के चुनावी वादे भी पूरी तरह मजाक और व्यंग्य से भरे होते हैं। वे कहते हैं कि अगर जीत गए तो कम से कम एक सस्ता घर जरूर बनवाएंगे। यह उन सरकारों पर तंज है, जो हर चुनाव में लाखों सस्ते घर बनाने का वादा करती हैं, लेकिन अक्सर अपने लक्ष्य पूरे नहीं कर पातीं। वे यह भी कहते हैं, 'आपका टैक्स कम करेंगे और बाकी सभी का बढ़ा देंगे।' यह भी एक व्यंग्य है, क्योंकि हर नेता जनता से टैक्स कम करने का वादा करता है। उनका एक और मजाकिया वादा है कि वे ब्रिटेन की मशहूर गायिका एडेल को सरकारी संपत्ति घोषित कर देंगे। एडेल ब्रिटेन की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली गायिका हैं। काउंट उनके नाम का इस्तेमाल एक असंभव वादा करके राजनीतिक व्यंग्य करने के लिए करते हैं। काउंट बिनफेस जैसे 3 और उम्मीदवार-फराज के खिलाफ काउंट बिनफेस के अलावा 3 और उम्मीदवार हैं जो अपने व्यंग्यात्मक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। ये तीनों उम्मीदवार ऑफिशियल मॉन्स्टर रेविंग लूनी पार्टी से हैं। यह ब्रिटेन की व्यंग्यात्मक राजनीतिक पार्टी है जो चुनाव में ऐसे उम्मीदवार उतारने के लिए जानी जाती है। इसकी स्थापना 1983 में संगीतकार डेविड सैच ने की थी। इस पार्टी के उम्मीदवार अक्सर अजीब पोशाक पहनते हैं और ऐसे चुनावी वादे करते हैं, जिनका मकसद लोगों को हंसाने के साथ-साथ राजनीतिक व्यवस्था की कमियों की ओर ध्यान दिलाना होता है। हालांकि पार्टी के कई मजाकिया सुझाव बाद में सच भी साबित हुए। इनमें 24 घंटे पब खोलने की अनुमति, पालतू जानवरों के पासपोर्ट और जनमत संग्रह (रेफरेंडम) के जरिए फैसले जैसे विचार शामिल हैं, जिन्हें बाद में ब्रिटिश सरकारों ने अलग-अलग समय पर लागू किया।

सहेली के 'एक्स' से हुआ प्यार,पर प्यार के साथ गिल्ट भी है और डर भी, क्या मैं दोस्त को धोखा दे रही हूं?

नॉएडा। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुकुल,

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से सवाल- मेरी उम्र 25 साल है। मेरी एक क्लोज फ्रेंड का साल भर पहले ब्रेकअप हो गया था, लेकिन मेरी और उसके एक्स की बातचीत होती रही। अब हम एक-दूसरे को पसंद करने लगे हैं। मुझे डर है कि उसे डेट करने से मेरी सालों पुरानी दोस्ती टूट जाएगी। क्या अपनी फ्रेंड के 'एक्स' को डेट करना गलत है? क्या मुझे दोस्ती और प्यार में से किसी एक को ही चुनना होगा? जवाब- सबसे पहले तो सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। आपने जो सिचुएशन बताई है, उसमें आपकी कोई गलती नहीं है। यह समस्या समाज की और लोगों की संकुचित सोच की है। चलिए आपकी सिचुएशन को समझते हैं और उसके सॉल्यूशन पर बात करते हैं। यह नैतिक अपराध नहीं, भावनात्मक चुनौती है-यह स्थिति पहली नजर में थोड़ी जटिल और संवेदनशील लगती है, लेकिन ऐसा नहीं है। आपके सावल से लग रहा है जैसे आप अपराधबोध में हैं। जबकि आपने जो किया है, वह नैतिक रुप से बिल्कुल भी गलत नहीं है। यह सिर्फ भावनात्मक चुनौती है। यह रिश्ता आपको और आपकी सहेली को कितना प्रभावित करेगा, यह तीन बातों पर निर्भर करेगा-दोनों पक्ष इस बात को कितनी मैच्योरिटी के साथ हैंडल करते हैं। वो कितनी गहराई और उदारता दिखाते हैं। वे अपने निजी जीवन में भावनात्मक रूप से कहां खड़े हैं और कितने खुश व संतुष्ट हैं। आपको कौन से सवाल परेशान कर रहे हैं? अपने दोस्त के एक्स के साथ रिश्ते में आने पर जो सिचुएशन बनती है, उसमें हमारा दिमाग 'लॉजिक' से ज्यादा 'गिल्ट' (अपराधबोध) से घिर जाता है। आप भी इसी के चलते खुद को कटघरे में महसूस कर रही हैं। आपको कौन से सवाल परेशान कर रहे हैं- मन में बुरे ख्याल क्यों उठ रहे हैं? आपके मन में जो सवाल उठ रहे हैं, उनके पीछे आपका अपना ही बनाया डर है। यह डर सामाजिक छवि और दोस्ती टूटने की आशंका से उपजा है। इस समाज में 'सहेली के एक्स' को डेट करना थोड़ा अजीब नजर से देखा जाता है। जब आप ऐसी सीमाओं को लांघते हैं, तो डर सताने लगता है कि लोग मुझे 'विलेन' समझेंगे। इन सवालों का तार्किक जवाब क्या है? भावनाओं के भंवर में लोग अक्सर लॉजिक भूल जाते हैं। अगर ठंडे दिमाग से सोचें, तो समझ आएगा कि आपके डर के पीछे की वजहें उतनी मजबूत नहीं हैं, जितनी आपकी खुशी की संभावनाएं हैं। आप कैसा महसूस कर रहे हैं? किसी भी रिश्ते में दर्द या खुशी इस बात से तय नहीं होती कि सिचुएशन बाहर से कितनी जटिल है। अगर आपकी दोस्त अपनी जिंदगी में

आगे बढ़ चुकी है और खुश है, तो संभव है कि उसे ज्यादा तकलीफ न हो। अगर वह अभी भी ब्रेकअप के दर्द से गुजर रही है, तो यह खबर उसे थोड़ा झटका दे सकती है। यह निश्चित है कि अगर आप दोनों इस रिश्ते में खुश हैं तो इस सिचुएशन को संभालना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं है।रिलेशनशिप में हमारी इनसिक्योरिटी की सबसे कॉमन वजह ये है कि लोग क्या कहेंगे? ज्यादातर लोग इसी डर से अपनी खुशी की बलि दे देते हैं। याद रखिए आपकी सहेली और उस लड़के का ब्रेकअप इसलिए हुआ, क्योंकि उनके बीच कुछ सही नहीं था।अगर आप दोनों साथ में बेहतर महसूस कर रहे हैं, तो मुमकिन है कि आप एक-दूसरे के लिए बेटर मैच' हों। प्यार की इस भावना को स्वीकार करना गलत नहीं है। आप इस रिश्ते में कैसा महसूस कर रही हैं, यह समझने के लिए खुद से कुछ सवाल पूछें- समय पर छोड़ दें कुछ फैसले ये भी हो सकता है कि जब आप अपनी दोस्त को यह बात बताएं, तो उसे एक पल को झटका लगे या बुरा महसूस हो। लेकिन कुछ चीजें समय और मैच्योरिटी के साथ समझ आती हैं। भविष्य में जब वह देखेगी कि आप दोनों साथ में खुश और स्टेबल हैं, तो शायद उसका नजरिया बदल जाए। कई बार रास्ते हमें खुद ही सही मंजिल तक पहुंचा देते हैं, हमें सिर्फ रास्ता तय करना है। आपको क्या करना चाहिए? अगर आप इस रिश्ते को आगे बढ़ाना चाहती हैं, तो इन 4 बातों का ध्यान रखें- ईमानदार रहें- आपकी दोस्त को यह बात किसी और से पता चले, उससे पहले खुद ही पूरी बात बता दें। उससे यह रिश्ता छिपाना ही सबसे बड़ा धोखा है। सफाई न दें- आपकी सहेली का रिलेशनशिप भले ही कैसा रहा हो, उससे कभी ये न कहें कि 'तुम दोनों का रिश्ता खराब था।' स्पेस दें- खबर सुनने के बाद उसे गुस्सा करने का, नाराज होने का स्पेस दें। उसे मजबूर न करें कि वह तुरंत आपके रिश्ते को एक्सेप्ट ही करे। डेडलाइन तय न करें- दोस्ती को फिर से सामान्य होने में समय लग सकता है तो उसे पूरा वक्त दें। अंतिम सलाह-प्यार कभी अपराध नहीं हो सकता है। अगर आपकी नीयत साफ है और आप सहेली का सम्मान करती हैं, तो डरने की जरूरत नहीं है। अपनी खुशी को स्वीकार करें, सहेली के प्रति सहानुभूति रखें और समय को अपना काम करने दें। कई बार अच्छे रिश्ते कठिन परिस्थितियों से ही निकलकर आते हैं।

धुरंधर एक्टर राकेश बेदी संभालेंगे आरसीएल की कप्तानी,अब हर रन भरेगा भूखों की थाली

मुंबई। बॉलीवुड की महफिल सजी, सितारे जुटे और चर्चा क्रिकेट की हुई, लेकिन इस बार मामला सिर्फ चौके-छक्कों का नहीं है। अभिनेता राकेश बेदी क्रिकेट के मैदान पर कप्तानी करेंगे और उनके हर रन का

कनेक्शन जरूरतमंद की थाली से होगा। आरसीएल सीजन-4 में क्रिकेट, मनोरंजन और सामाजिक सरोकार का मेल देखने को मिलेगा, जहां जीत सिर्फ ट्रॉफी की नहीं, बल्कि किसी की भूख मिटाने की भी होगी। मुंबई में मनोरंजन जगत के सितारों की मौजूदगी में रेस्तरां क्रिकेट लीग यानी आरसीएल सीजन-4 का ऐलान हुआ। आमतौर पर कलाकार फिल्मों, शूटिंग या नए प्रोजेक्ट से जुड़कर सुर्खियों में आते हैं, लेकिन इस बार कहानी अलग है। अभिनेता राकेश बेदी अब कैमरे के सामने अभिनय के साथ क्रिकेट मैदान पर भी कप्तानी करते नजर आएंगे। फिल्म 'धुरंधर' से चर्चा में आए बेदी आरसीएल सुपरस्टार्स-11 की कमान संभालेंगे। लेकिन इस लीग की कहानी सिर्फ सितारों, बल्ले और चौकों-छक्कों तक सीमित नहीं है। आरसीएल सीजन-4 को 'भूख मुक्त भारत' अभियान से जोड़ा गया है। अक्टूबर में नई दिल्ली में होने वाली प्रतियोगिता का खास संदेश है-'10 रन, 100 भोजन'।

यानी मैदान पर बनाए गए हर 10 रन सिर्फ स्कोरबोर्ड नहीं बढ़ाएंगे, बल्कि 100 जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाने की कोशिश भी करेंगे। इस बार बल्लेबाज के बल्ले से निकला हर रन किसी की थाली तक पहुंचने वाली उम्मीद बनेगा। आरसीएल और 'भूख मुक्त भारत' अभियान के संस्थापक अरविंद कुमार ने कहा कि इस पहल की शुरुआत क्रिकेट की लोकप्रियता का इस्तेमाल समाज के लिए करने की सोच के साथ हुई। उनका कहना है कि एक तरफ लाखों लोग पर्याप्त भोजन के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ बड़ी मात्रा में खाने योग्य भोजन बर्बाद हो जाता है। ऐसे में भोजन कूड़ेदान में जाने के बजाय जरूरतमंद की थाली तक पहुंचना चाहिए। किसानों से लेकर बधिर महिला क्रिकेट टीम तक मैदान में-आरसीएल सीजन-4 में समाज के अलग-अलग वर्गों और क्षेत्रों की टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें ट्रांसजेंडर लोगों की टीम, भारतीय महिला बधिर क्रिकेट टीम, किसानों, प्रभावशाली व्यक्तित्वों, रसोइयों, दिल्ली पुलिस और दिल्ली पब्लिक स्कूल इंदिरापुरम की टीमें शामिल हैं। नेपाल से शेफ रत्ना तामांग के नेतृत्व में दोस्तों की टीम भी प्रतियोगिता का हिस्सा बनेगी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अतुल वासन भी इस पहल से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि आरसीएल की सबसे बड़ी खासियत इसका सामाजिक उद्देश्य है। क्रिकेट में आमतौर पर रन, रिकॉर्ड और औसत की चर्चा होती है, लेकिन यहां हर रन जरूरतमंद के लिए भोजन का माध्यम बन सकता है। किसान प्रभावशाली व्यक्तित्व जुगाडू कमलेश ने बताया कि भारतीय गांवों के किसान भी इस बार क्रिकेट के मैदान पर उतरेंगे। उनका कहना है कि किसान देश का पेट भरता है और अब वही किसान भूख के खिलाफ इस अभियान का हिस्सा बनकर खेलेंगे।

कार्यक्रम में अभिनेता रजा मुराद, सुनील पाल, बिंदू दारा सिंह, शाहबाज खान और अरुण बख्शी समेत फिल्म जगत से जुड़े कई लोग मौजूद रहे। आरसीएल सीजन-4 का उद्देश्य केवल प्रतियोगिता जीतना नहीं है। आयोजकों के मुताबिक इस बार मैदान पर बनाए जाने वाले रन भूख, भोजन की बर्बादी और सामाजिक जिम्मेदारी के खिलाफ संदेश भी देंगे। इस मुकाबले में असली जीत तब होगी, जब क्रिकेट के जरिए ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंदों की थाली तक भोजन पहुंचेगा।

रोहित शर्मा होस्ट के तौर पर टीवी पर शुरुवात करेंगे,गेम शो का फॉर्मेट, अक्टूबर में आ सकता है; हर एपिसोड में दो परिवार आएंगे

मुंबई। इंटरनेशनल टी20 और टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट लेने के बाद, क्रिकेटर रोहित शर्मा

जल्द ही एक टीवी शो होस्ट करते हुए नजर आएंगे। 'द रोहित शर्मा शो' नाम का यह शो सोनी लिव पर भी स्ट्रीम होगा। हाल ही में शो का एक टीजर आया है। सोनी ने अभी तक शो के फॉर्मेट के बारे में ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की है। हालांकि, सोनी के प्रीव्यू पेज पर इसे रियलिटी शो के तौर पर लिस्ट किया गया है। वहीं स्पोर्ट्स यारी के मुताबिक यह शो अमेरिका के फेमस शो 'फैमिली फ्यूड' का भारतीय रूपांतरण होगा, जिसे स्टीव हार्वे होस्ट करते हैं। शो की शूटिंग सितंबर में शुरू हो सकती है-यह क्विज शो नहीं, बल्कि गेम शो होगा, जिसमें दो परिवार हिस्सा लेंगे। इसकी शूटिंग सितंबर में शुरू हो सकती है, जबकि शो अक्टूबर में ऑन एयर हो सकता है। रोहित इस प्रोजेक्ट पर करीब छह महीने काम करेंगे। इस दौरान हर हफ्ते एक एपिसोड प्रसारित किया जाएगा और शो फरवरी 2027 तक चल सकता है। इससे पहले मई में शो से जुड़ा एक प्रोमो भी सामने आया था, जिसमें रोहित शर्मा अपने समर्थकों के साथ बातचीत करते नजर आते हैं। इस दौरान फैंस उनसे उनका मशहूर संवाद, 'कोई भी गार्डन में नहीं घूमेगा,' दोहराने की मांग करते हैं। फैंस की बार-बार की इस मांग से रोहित थोड़े असहज नजर आते हैं और वहां से चले जाते हैं। शो की यह झलक संकेत देती है कि दर्शकों को मैदान से बाहर रोहित का एक अलग अंदाज देखने को मिलेगा। कई बड़े ब्रांड्स के विज्ञापनों में दिख चुके हैं-भले ही रोहित टीवी शो में पहली बार काम करेंगे, लेकिन कैमरे के सामने वो कई सालों से आ रहे हैं। वे एडिडास, जियो, ड्रीम11, थम्स अप, ओरल-बी, बॉर्नविटा, मैक्स लाइफ इंश्योरेंस और भारतपे जैसे बड़े ब्रांड्स के कॉमर्शियल्स में दिख चुके हैं। इसके अलावा, वो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में 2 बार नजर आ चुके हैं, जिसमें उन्होंने अपने मजाकिया अंदाज से दर्शकों का मनोरंजन किया और क्रिकेट से जुड़े कई किस्से शेयर किए थे। रोहित शर्मा का क्रिकेट करियर गौरतलब है कि रोहित शर्मा भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल बल्लेबाजों और कप्तानों में शामिल हैं। रोहित ने 2007 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया। उन्होंने वनडे में तीन दोहरे शतक लगाए, जिसमें 264 रन की पारी विश्व रिकॉर्ड है। 2019 वनडे वर्ल्ड कप में उन्होंने पांच शतक लगाए। वनडे क्रिकेट में रोहित अब तक 11,895 रन बना चुके हैं। कप्तान के तौर पर उन्होंने भारत को 2024 टी20 वर्ल्ड कप जिताया। इसके बाद 29 जून 2024 को टी20 इंटरनेशनल से संन्यास लिया था। टी20 में उन्होंने 4,231 रन बनाए। 7 मई 2025 को टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया। 67 टेस्ट में उन्होंने 4,301 रन बनाए। रोहित अभी वनडे खेल रहे हैं। 19 जुलाई 2026 को लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 110 गेंदों पर 138 रन बनाकर इतिहास रचा और लॉर्ड्स में वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय पुरुष बल्लेबाज बने।

कंगना रनोट ने नसीरुद्दीन शाह को लोमड़ी कहा,बोलीं- वे देश का खाकर पड़ोसी के लिए लड़ते हैं, पीयूष मिश्रा के बयान का समर्थन किया

मुंबई। अभिनेत्री और बीजेपी सांसद कंगना रनोट ने वरिष्ठ अभिनेता नसीरुद्दीन शाह पर

निशाना साधा है। कंगना ने सोशल मीडिया पोस्ट में नसीरुद्दीन शाह को 'लोमड़ी' कहते हुए लिखा कि वे इस देश का खाते हैं, लेकिन पड़ोसी देश के लिए लड़ते हैं। यह विवाद देश में छात्रों के प्रदर्शन पर बॉलीवुड कलाकारों की चुप्पी को लेकर शुरू हुआ था। नसीरुद्दीन शाह ने शांत रहने वाले कलाकारों की तुलना मुंह में हड्डी दबाए कुत्ते से की थी। इसके बाद अभिनेता पीयूष मिश्रा ने झारखंड में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज का मुद्दा उठाकर नसीरुद्दीन से सवाल किए और कहा की वे अब चुप क्यों हैं। कंगना ने पीयूष मिश्रा के बयान का समर्थन करते हुए अपनी बात रखी है। पीयूष मिश्रा की पोस्ट शेयर कर लिखा- वफादारी दुर्लभ है कंगना रनोट ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पीयूष मिश्रा के बयान की एक रिपोर्ट शेयर की। कंगना ने लिखा कि सच तो यह है कि हर कोई किसी न किसी का कुत्ता है, लेकिन उन्हें इस बात का गर्व है कि वे जिस देश का खाती हैं, उसकी रखवाली करती हैं और उसके लिए लड़ती हैं। कंगना ने आगे लिखा कि आज के दौर में कुत्ता कहलाना एक तारीफ है, क्योंकि वफादारी अब बहुत कम देखने को मिलती है। वे नसीरुद्दीन शाह जैसी लोमड़ी बनने के बजाय कुत्ता बनना पसंद करेंगी। नसीरुद्दीन शाह के 'हड्डी वाले कुत्ते' से शुरू हुआ विवाद इस विवाद की शुरुआत नसीरुद्दीन शाह के एक पुराने बयान से हुई थी। देश भर में हुए छात्र प्रदर्शनों पर बड़े एक्टर्स के न बोलने पर नसीरुद्दीन से सवाल पूछा गया था। इस पर नसीरुद्दीन ने कहा था कि जब कलाकारों की आत्मा जागेगी तब वे बोलेंगे। उन्होंने एक कहावत का जिक्र करते हुए कहा था कि जिसके मुंह में हड्डी होती है, वह कुत्ता भौंक नहीं सकता। जैसे ही मुंह से हड्डी गिरेगी या दांत टूटेंगे, वे भौंकने लगेंगे। झारखंड प्रोटेस्ट में पहुंचे पीयूष मिश्रा-झारखंड की राजधानी रांची में परीक्षाओं में धांधली और पेपर लीक के खिलाफ छात्रों का आंदोलन जारी है। प्रदर्शन के 16वें दिन अभिनेता और गायक पीयूष मिश्रा धरना स्थल जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने अभ्यर्थियों के बीच बैठकर उनका समर्थन किया। मीडिया से बातचीत में पीयूष मिश्रा ने कहा कि वे छात्रों के इंटरव्यू देखकर और उनकी आंखों में दर्द देखकर यहां आए हैं। इस दौरान उन्होंने अपनी फिल्म 'गुलाल' का प्रसिद्ध गाना 'आरंभ है प्रचंड' भी गाया, जिससे पूरे परिसर में उत्साह दिखाई दिया।

मीडिया से बातचीत में पीयूष मिश्रा ने रांची आने की वजह बताई। उन्होंने कहा कि उनका यहां आने का कोई अन्य मकसद नहीं है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रदर्शनकारी छात्रों के इंटरव्यू देखे थे। छात्रों की आंखों में दर्द, तकलीफ और आंसू देखकर उनसे रहा नहीं गया। दो दिन का समय खाली मिलते ही वे सीधे रांची आ गए। उन्होंने प्रोटेस्ट के लिए आर्थिक मदद देने की भी बात कही है।

हसबैंड को दूसरी औरतें भी अच्छी लगती हैं,उन्हें ओपन रिलेशनशिप चाहिए, मुझे घुटन महसूस होती है, मैं क्या करूं

नयी दिल्ली। आज कल के परिवेश में रिश्तो का महत्व बहुत बदल गया हैं इसी तरह की समस्याएं अमूमन बहुत से घरो में देखने को मिलती हैं और इसी विषय को समझेंगे (एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर) जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मेरी उम्र 35 साल है। मैं बेंगलुरू में रहती हूं। मेरी शादी को तीन साल हो चुके हैं और पिछले दो साल से हम ओपन रिलेशनशिप में हैं। हमारी लव मैरिज थी, लेकिन हसबैंड इस बात को लेकर हमेशा ओपन थे कि उसे मेरे अलावा दूसरी महिलाएं भी अच्छी लग सकती हैं। पहले ये बात मुझे मजाक लगती थी, लेकिन फिर एक दिन उसने शादी को ओपन रिलेशनशिप की तरह ट्रीट करने की डिमांड कर दी। उसकी पर्सनैलिटी और चार्म ही ऐसा है कि वो हमेशा अपनी बातों से कन्विंस कर लेता है। मैं राजी तो हो गई, लेकिन वो सब कभी कर नहीं पाई, जो वो कर रहा है। ये उसका ही एकतरफा डिसिजन था, जो मुझ पर थोप दिया गया। अब मैं एक अजीब सी घुटन महसूस करती हूं। हमेशा स्ट्रेस में रहती हूं। मैं क्या करूं? एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर। सवाल पूछने के लिए आपका शुक्रिया। भारत में अधिकांश विवाह कमिटेड मोनोगैमी (एकनिष्ठ संबंध) ही समझे और माने जाते हैं। अगर शादी के बाद एक साथी ओपन रिलेशनशिप की डिमांड करे, तो यह केवल लाइफस्टाइल का मुद्दा नहीं रहता। यहां सहमति, पावर-बैलेंस और मेंटल हेल्थ जैसे बहुत से जरूरी और बुनियादी सवाल भी मौजूं हो जाते हैं। किसी भी स्वस्थ रिश्ते की बुनियाद आपसी सम्मान, अपनी स्वायत्तता और इच्छा से दी गई सहमति और फैसलों में बराबरी पर टिकी होती है। यदि इन चीजों में से कोई एक भी अनुपस्थित हो, तो रिश्तों में तनाव और असंतुलन पैदा हो सकता है। ऐसी परिस्थितियों की शुरुआत अक्सर हल्के-फुल्के मजाक के साथ होती है। एक पार्टनर मजाक में यह कह सकता है कि 'मुझे दूसरे लोग भी आकर्षक लगते हैं' या 'ओपन रिलेशनशिप का आइडिया भी कितना इंटरेस्टिंग हो सकता है।' साइकोलॉजी में इसे 'चेकिंग बाउंड्रीज' (सीमा चेक करना) कहा जाता है। मनोविज्ञान में 'बाउंड्रीज चेक करने' का मतलब है, अपनी या दूसरे व्यक्ति की सीमाएं देखना, समझना, तय करना, उसे डिफाइन करना। कोई व्यक्ति पहले हंसी-मजाक में अपने विचार रखता है और दूसरे की प्रतिक्रिया देखता है। अगर दूसरा साथी इसे गंभीरता से नहीं लेता, तो धीरे-धीरे यही बात रीअल प्रपोजल में बदल सकती है। कई लोग बाद में सोचते हैं कि उन्होंने उस समय इस बात को गंभीरता से क्यों नहीं लिया। इसके पीछे कुछ सामान्य मनोवैज्ञानिक कारण हो सकते हैं। जैसेकि- कभी-कभी व्यक्ति रिश्ते को खोने से डरता है।कभी वह संघर्ष से बचना चाहता है। कभी उसे लगता है कि साथी को खुश रखना ज्यादा महत्वपूर्ण है। कई समाजों में यह भी सिखाया जाता है कि रिश्ते को बनाए रखने के लिए एडजस्टमेंट करना जरूरी होता है। परसुएशन या मैनिपुलेशनः एक बारीक रेखा-

इसी तरह कई बार एक पार्टनर कहता है कि दूसरा पार्टनर हमेशा अपनी बातें मनवा लेता है। जैसाकि आपने भी अपने पार्टनर के लिए लिखा है, 'उसकी पर्सनैलिटी और चार्म ही ऐसा है कि वो हमेशा अपनी बातों से कन्विंस कर लेता है।' लेकिन यहां इस बात के गहरे निहितार्थ को समझना जरूरी है। इसका एक अर्थ यह हो सकता है कि पार्टनर का व्यक्तित्व बहुत प्रभावी है। लेकिन दूसरी संभावना यह भी हो सकती है कि वह इनडायरेक्ट तरीके से भावनात्मक दबाव बना रहा हो। या लगातार 'परसुएशन' कर रहा हो। परसुएशन का अर्थ है कि एक बात को अनेकों बार कहना, अनुनय-विनय, याचना करना और आखिरकार अपनी बात मनवा ही लेना। कई बार परसुएशन और मैनिपुलेशन के बीच की रेखा बहुत धुंधली होती है। व्यक्ति को बाद में यह महसूस होता है कि उसने सहमति तो दी थी, लेकिन यह सहमति वास्तव में उसकी अपनी मर्जी, खुशी और इच्छा से नहीं दी गई थी। जब कोई व्यक्ति कहता है कि निर्णय उस पर थोपा गया तो यह रिश्ते में पावर इंबैलेंस (शक्ति के असंतुलन) का संकेत हो सकता है। हेल्दी रिश्तों में महत्वपूर्ण फैसले बातचीत और आपसी सहमति से लिए जाते हैं। यदि किसी व्यक्ति को लगता है कि उसके पास सहमत होने के अलावा वास्तव में कोई दूसरा विकल्प नहीं है तो वह कई कारणों से पार्टनर के फैसले में हामी भर सकता है। जैसेकि- हो सकता है कि उसे रिश्ते के टूट जाने का डर हो। हो सकता है कि वह पार्टनर पर इमोशनली पूरी तरह डिपेंडेंट हों। हो सकता है कि उसमें आत्मविश्वास की कमी हो। हो सकता है कि वो खुद को बहुत कमजोर और वलनरेबल महसूस करता हो। ऐसी परिस्थितियों में लगातार घुटन और तनाव महसूस होना बहुत स्वाभाविक इमोशनल रिएक्शन है। अगर संबंधों में लंबे समय तक तनाव रहे तो इससे नींद की समस्या, एंग्जाइटी, इमोशनल फटीग, आत्मसम्मान में कमी जैसे अनुभव हो सकते हैं। ये सारे संकेत इस बात की ओर इशारा करते हैं कि व्यक्ति की भावनात्मक जरूरतें पूरी नहीं हो रही हैं। आपके सवाल ने बहुत से तथ्य साफ कर दिए हैं, लेकिन फिर भी आपकी स्थिति का मूल्यांकन आपसे बेहतर कोई नहीं कर सकता। आपको खुद से कुछ सवाल पूछने और अपना सेल्फ इवैल्यूएशन करने की जरूरत है। ये पहला कदम है। जब जमीनी स्थिति साफ समझ में आएगी तभी आप ये तय कर पाएंगी कि आगे आपको कौन-सा रास्ता चुनना चाहिए, कौन से फैसले करने चाहिए। तो आइए शुरू करते हैं।यहां पहला और सबसे जरूरी सवाल ये है कि आप अपनी मर्जी के खिलाफ जाकर ओपन रिलेशनशिप के लिए राजी क्यों हुईं। आपने हामी क्यों भरी। यह सवाल किसी तरह का आरोप नहीं है। यह अपने आत्म-मूल्यांकन का पहला सबसे जरूरी कदम है। मैंने सहमति दिए जाने के पीछे कुछ संभावित कारणों का ऊपर जिक्र किया है। लेकिन आपको अपना इवैल्यूएशन करके यह समझना है कि आपके फैसले के पीछे सबसे बड़ा और ठोस कारण क्या था। आपको सवालों को 1 से 10 के स्केल पर रेट करना है। जैसेकि पहले सवाल के लिए अगर आपको लगता है कि यह सबसे बड़ा और ठोस कारण था तो 10 नंबर दें और अगर आपको लगता है कि यह बहुत ही मामूली कारण था तो 1 नंबर दें। बहुत धैर्य और शांति से सोच-समझकर हर सवाल को नंबर दें और अंत में अपने स्कोर का मूल्यांकन करें। यदि आपका कुल स्कोर बहुत ज्यादा है तो यह इस बात का संकेत हो सकता है कि उस समय आपने जो निर्णय लिया, वह एक स्वतंत्र निर्णय नहीं था। वह अपनी मर्जी और खुशी से लिया गया फैसला नहीं था, बल्कि वह दूसरे व्यक्ति के डर या दबाव से प्रभावित फैसला था।

हनी सिंह ने बादशाह को नालायक औलाद कहा,बादशाह बोले थे- मैंने अपना नाम खुद चुना, यो-यो ने पुरानी क्लिप शेयर कर सच बताया

मुंबई। रैपर बादशाह और यो यो हनी सिंह का पुराना विवाद एक बार फिर सामने आ गया है। कॉमेडियन समय रैना के शो के

दौरान समय ने बादशाह से उनके स्टेज नाम 'बादशाह' को लेकर सवाल किया। बादशाह ने जवाब दिया कि यह नाम उन्होंने खुद रखा है। इसके बाद सोशल मीडिया पर उनका एक पुराना वीडियो वायरल होने लगा, जिसमें वे इस नाम का क्रेडिट हनी सिंह को देते दिख रहे हैं। मामला तब बढ़ा जब हनी सिंह ने इस क्लिप पर कमेंट करते हुए बादशाह को 'नालायक औलाद' कह दिया। समय रैना ने स्टेज नेम पर पूछा सवाल- 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' के इस एपिसोड में बादशाह के साथ हर्ष लिम्बाचिया, सौरव जोशी और रजत सूद भी मौजूद थे। एक कंटेस्टेंट की परफॉर्मेंस के बाद समय रैना ने बादशाह से पूछा कि उन्हें यह स्टेज नाम किसने दिया। आदित्य प्रतीक सिंह सिसोदिया यानी बादशाह ने कहा कि यह नाम उन्होंने खुद चुना है। इस बयान के तुरंत बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने बादशाह का एक पुराना इंटरव्यू खोज निकाला। उस वीडियो में बादशाह कह रहे थे, 'यह नाम मुझे हनी सिंह पाजी ने दिया था। वे कहते थे कि तुम बादशाह की तरह रहते हो।' हनी सिंह ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया वीडियो पुराना वीडियो सामने आने के बाद यो यो हनी सिंह ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर समय और बादशाह की बातचीत का क्लिप शेयर किया। वीडियो शेयर करते हुए हनी सिंह ने लिखा 'मेरी नालायक औलाद।' इसके साथ ही हनी सिंह ने एक अन्य पोस्ट में 'मेरी गंदी औलाद' लिखकर भी तंज कसा। इस कमेंट के बाद दोनों रैपर्स के बीच 'माफिया मुंडीर' के दिनों की पुरानी खींचतान दोबारा चर्चा में आ गई है। माफिया मुंडीर से शुरू हुआ था दोनों का विवाद बादशाह और हनी सिंह कभी एक साथ हिप-हॉप ग्रुप 'माफिया मुंडीर' का हिस्सा हुआ करते थे। ग्रुप टूटने के बाद से ही दोनों के बीच गानों के क्रेडिट को लेकर विवाद चला आ रहा है। दोनों कलाकार गानों के लेखन और कंपोजिशन पर अलग-अलग दावे करते हैं। विवाद की मुख्य वजह सुपरहिट गाना 'ब्राउन रंग' रहा है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।